{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
मंगलवार 21 जुलाई 2026
आषाढ शुक्ल 07 विक्रम सम्वत 2083
वर्ष 16, अंक 297
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

PMG पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

सेंसेक्स	-	77,708.52
निफ्टी	-	24,238.50
सोना	-	1,51,698
चांदी	-	2,35,000
डॉलर	-	96.44

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

संसद में सवाल, बाहर बवाल

चढ़ावा चोरी, पेपर लीक को लेकर संसद में हंगामा

विपक्ष के आक्रामक रूख के कारण छह बार स्थगित करनी पड़ी संसद की कार्रवाई...कॉकरोच जनता पार्टी के 'संसद चलो' अभियान को लेकर दिल्ली में जंतर मंतर से लेकर संसद तक मचा रहा हंगामा, युवाओं को रोकने पलिस, शांतिपूर्ण मार्च पर बरसी आंसू गैस की गोलियां और लाठियां

खडगे बोले- जंतर-मंतर पर लाठीचार्ज से बच्चों की आवाज दबा रही सरकार : जेपी नड्डा से मुलाकात के बाद सीजेपी बोली-मांगें पूरी नहीं होने तक जारी रहेगा प्रदर्शन

नई दिल्ली। मानसून सत्र के पहले दिन विपक्ष के हंगामे के चलते कार्यवाही नहीं चल पाई। लोकसभा और राज्यसभा को छह बार स्थगित करना पड़ा। विपक्षी सांसद नीट पेपर लीक, राम मंदिर चढ़ावा चोरी पर चर्चा की मांग कर रहे थे। कुछ सांसद पोस्टर-बैनर लेकर सदन के अंदर आए। मल्लिकार्जुन खडगे ने राज्यसभा में जंतर-मंतर पर हुए कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन पर चर्चा की। खडगे ने कहा- जंतर-मंतर पर बच्चे इकठ्ठा हुए, उनकी आवाज को दबाया जा रहा। सरकार ने उन पर लाठीचार्ज किया। उधर हंगामे के बीच लोकसभा में कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या बढ़ाने वाला बिल पेश किया। दोपहर 3 बजे लोकसभा का कार्यवाही फिर से शुरू होते ही विपक्षी सांसदों ने हंगामा किया। सदन की कार्यवाही मंगलवार तक के लिए स्थगित कर दी गई।

कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के 'संसद चलो' अभियान को लेकर दिल्ली में जंतर मंतर से लेकर संसद तक हंगामा मचा रहा। नीट-यूजी 2026 पेपर लीक मामले में शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदर्शनकारियों ने कथित तौर पर बैरिकेड्स पार करके संसद की ओर बढने की कोशिश की, जिसके बाद पुलिस ने आंसू गैस और हल्का बल प्रयोग किया, जिसमें कई प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया गया। हजारों समर्थक जंतर-मंतर पर जमा हुए, जहां विपक्षी नेता प्रदर्शन में शामिल हुए, हालांकि बाद में जंतर मंतर पर प्रदर्शन कर रहे प्रदर्शनकारियों को पुलिस ने हटा दिया और जंतर मंतर खाली करवा दिया। इस बीच सीजेपी के संसद चलो अभियान का असर संसद की कार्यवाही पर भी दिखी। इस मुद्दे पर संसद में भी हंगामा होता रहा और कार्यवाही हंगामे की भेंट चढ़ गयी। दूसरी ओर केंद्र सरकार ने प्रदर्शनकारियों से संपर्क साधकर समाधान निकालने का प्रयास किया है। सीजेपी नेता सौरभ दास और आशुतोष रांका ने केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा से मुलाकात की। नड्डा ने उन्हें आश्वासन दिया कि वे इस मामले पर आंतरिक रूप से चर्चा करेंगे। सौरव दास ने कहा है कि सीजेपी की मांगे जब तक मानी नहीं जातीं, तब तक सीजेपी की प्रदर्शन जारी रहेगा।

50 लोगों के सिर फोड़ दिए

कॉकरोच जनता पार्टी ने दावा किया कि उसके नेता अभिजीत दीपके को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। हालांकि, दिल्ली पुलिस ने इस दावे से इनकार किया है। पार्टी के प्रवक्ता सौरव दास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर आरोप लगाया कि पुलिस कार्रवाई में एक 12 वर्षीय लडकी पर हमला हुआ और 40 से 50 प्रदर्शनकारियों के सिर फूट गए। उन्होंने दिल्ली पुलिस को टैग करते हुए कार्रवाई पर सवाल उठाए। जवाब में दिल्ली पुलिस ने इन सभी आरोपों को गलत और भ्रामक बताया।

पांच मेट्रो स्टेशन बंद, यात्री फंसे

दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन ने सीजेपी के पार्लियामेंट मार्च को लेकर सुरक्षा चिंताओं के कारण सोमवार को पांच मेट्रो स्टेशन बंद कर दिए, जिससे सैकड़ों यात्रियों को परेशानी हुई। गेट बंद रहने के कारण राजीव चौक, पटेल चौक और दूसरे स्टेशनों पर भीड़ जमा हो गई। कुछ प्रदर्शनकारी मेट्रो परिसर के अंदर इकट्ठा हुए और नारे लगाए, जबकि पटेल चौक स्टेशन के पास सुरक्षा कर्मियों ने लोगों को तितर-बितर करने के लिए हल्का बल प्रयोग किया।

शास्त्री भवन के पास छोड़े गए आंसू गैस के गोले

सूत्रों ने बताया कि सिक्योरिटी फोर्स ने शास्त्री भवन के पास आंसू गैस के गोले छोड़े, जब प्रदर्शनकारियों ने कथित तौर पर बैरिकेड तोडने और कॉकरोच जनता पार्टी के संसद मार्च में शामिल होने के लिए जंतर-मंतर की ओर मार्च करने की कोशिश की। हाई-सिक्योरिटी जोन में सिक्योरिटी कड़ी कर दी गई थी, जिसमें पुलिस और पैरामिलिट्री के जवानों की भारी तैनाती की गई थी। आस-पास के मेट्रो स्टेशनों तक पहुंच रोक दी गई थी, कई गेट बंद कर दिए गए थे और अधिकारियों द्वारा एहतियाती कदम उठाए जाने के कारण यात्री फंसे हुए थे।

खरगे ने लाठीचार्ज पर सरकार को घेरा

इस बीच कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने संसद के मानसून सत्र के दौरान आरोप लगाया। सोमवार को संसद के मानसून सत्र के दौरान, राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने कथित नीट पेपर लीक का मुद्दा उठाया और दावा किया कि जंतर-मंतर पर छात्रों के विरोध प्रदर्शन पर लाठीचार्ज हुआ था। सदन को संबोधित करते हुए, खरगे ने कहा, यह छात्रों से जुड़ा मामला है; मैं लाखों बच्चों के भविष्य के बारे में बोल रहा हूं। इस कारण से हजारों छात्र जंतर-मंतर पर जमा हुए हैं। वहां लाठीचार्ज हुआ है। सरकार बल प्रयोग करने, आवाज दबाने और गाड़ी चलाने की कोशिश कर रही है। उन्हें दूर करो।

मंगवाई अतिरिक्त पुलिसफोर्स

संसद का मानसून सत्र सोमवार को शुरू हुआ। इसके पहले दिन ही संसद के गेट बंद कर दिए गए। ऐसा इस वजह से क्योंकि प्रदर्शनकारियों की एक बड़ी भीड़ नीट यूजी जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं के पेपर लीक होने के मामले में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर संसद की ओर मार्च कर रही है। सोशल मीडिया पर दिख रहे वीडियो में सुरक्षा अधिकारी गेट बंद करते और संसद परिसर में अपनी जगह लेते हुए दिखाई दे रहे हैं। सीआईएसएफ के सूत्रो ने बताया कि प्रदर्शनकारियों की भीड़ उनकी उम्मीद से कहीं ज्यादा बढ़ गई है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि उन्हें उम्मीद थी कि कॉकरोच जनता पार्टी की ओर से आयोजित विरोध प्रदर्शन में लगभग 5000 लोग शामिल होंगे, लेकिन जंतर-मंतर से मार्च के लिए कम से कम 12000 लोग जमा हो गए हैं। खबरों के अनुसार, संसद के रास्ते में कई जगहों पर प्रदर्शनकारियों को पुलिस लाठीचार्ज का सामना करना पड़ा और वे घायल भी हुए। इससे पहले सोमवार सुबह दिल्ली पुलिस को सभी 14 जिलों में एक जरूरी संदेश भेजना पड़ा। इसमें हर जिले से तुरंत एक एसीपी रैंक के अधिकारी और 100 पुलिसकर्मियों को उस इलाके में तैनात करने के लिए कहा गया। यह तब हुआ जब नई दिल्ली जिले में पैरामिलिट्री फोर्स की 32 कंपनियां पहले से ही तैनात थीं।

इस्तीफा, रिहाई और मुआवजा की मांग

कॉकरोच जनता पार्टी ने दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन करते हुए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा से मुलाकात की और तीन प्रमुख मांगें रखीं। पार्टी ने सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की तत्काल रिहाई समेत तीन मांगे रखी हैं। दूसरी मांग में पार्टी ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को पद से हटाने की मांग उठाई। वहीं तीसरी मांग के तहत नीट-यूजी 2026 पेपर लीक के बाद कथित तौर पर आत्महत्या करने वाले अभ्यर्थियों के परिवारों को एक-एक करोड़ रुपये का मुआवजा देने की मांग की गई है। पार्टी का कहना है कि पेपर लीक से लाखों छात्रों का भविष्य प्रभावित हुआ है और इस मामले में सरकार को जवाबदेही तय करते हुए जरूरी कदम उठाने चाहिए।

सालों के बाद संसद तक पहुंचा मार्च, सुरक्षा घेरा तोड़कर पहुंचे कॉकरोच

सीजेपी नेताओं की हुई केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री नड्डा से मुलाकात

नई दिल्ली। सोमवार को कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) का संसद मार्च दिल्ली पुलिस की घेराबंदी को तोड़कर संसद भवन के पास तक पहुंच गया। यह कई वर्षों बाद हुआ है कि कोई प्रदर्शन संसद मार्ग थाने से आगे बढ़कर रेल और कृषि भवन के गोलंबर तक पहुंचा हो, जिससे सुरक्षा एजेंसियां हरकत में आ गईं। संसद के गेट तुरंत बंद किए गए और अंदर-बाहर सुरक्षा बढ़ा दी गई, जिसके वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गए। प्रदर्शनकारियों को आगे बढ़ने से रोकने के लिए सुरक्षा बलों ने लाठीचार्ज किया और आंसू गैस के गोले दागे, इससे इलाके में अफरातफरी मच गई। दिल्ली पुलिस आयुक्त अनुराग कुमार खुद संसद मार्ग थाने से हालात पर नजर रख रहे थे।

यह मार्च नीट पेपर लीक मामले में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग के साथ सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक के नेतृत्व में शुरू हुआ था। आंदोलन के 23वें दिन, सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने वांगचुक के संदेश पर अपना 3 दिन पुराना अनशन तोड़ दिया। वांगचुक ने सरकार के समक्ष कुछ शर्तें रखी हैं, हालांकि प्रधान का इस्तीफा फिलहाल उसमें शामिल नहीं है।

स्थिति को शांत करने के लिए केंद्रीय सरकार ने सीजेपी को बातचीत के लिए बुलाया। पार्टी के नेता सौरव दास और आशुतोष रांका ने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा से मुलाकात की। करीब दो घंटे इंतजार के बाद हुई 10 मिनट की बातचीत में नड्डा ने मांगों का लिखित पत्र मांगा और उन पर सरकार के भीतर चर्चा का आश्वासन दिया। दास ने बताया कि वे मांग पत्र बनाने की प्रक्रिया में हैं। इस बीच, दास ने बाद में ट्वीट कर दावा किया कि दिल्ली पुलिस ने अभिजीत दीपके को जंतर-मंतर से उठा लिया है।

सोमवार से ही संसद का मानसून सत्र भी शुरू हुआ। प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज का मुद्दा कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने राज्यसभा में उठाया, जिसके बाद सदन को मंगलवार तक के लिए स्थगित किया गया। लोकसभा भी शाम 3 बजे तक के लिए स्थगित हुई। समाजवादी पार्टी के सांसद डिंपल यादव के नेतृत्व में जंतर-मंतर पहुंचे।

आज अगर बिल्डिंग गिरा भी दिया जाए...तब मैं लिस्टिंग की अनुमति नहीं दूंगा

सीजेआई ने हाईकोर्ट जाने की बात कही

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को उस याचिका पर तत्काल सुनवाई से साफ इंकार किया, जिसमें एक प्रॉपर्टी के संभावित डिमोलिशन का मामला था। इस दौरान जस्टिस सूर्यकांत ने याचिकाकर्ताओं द्वारा सीधे सर्वोच्च न्यायालय पहुंचने की बढ़ती प्रवृत्ति पर कड़ा रुख दिखाया, यह स्पष्ट करते हुए कि इसतरह के मामलों में पहले संबंधित हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट याचिकाकर्ता के वकील ने दलील दी कि इमारत को वैध बिल्डिंग प्लान की अनुमति से बनाया गया है, जबकि प्रशासन तालाब क्षेत्र में निर्मित बताकर तोड़ने की कार्रवाई शुरू कर रहा है। हालांकि, जस्टिस सूर्यकांत ने तत्काल सुनवाई या किसी तरह की अंतरिम रोक लगाने से साफ इंकार किया। उन्होंने कहा, आज अगर इस पूरी तरह से गिरा भी दिया जाए, तब मैं लिस्टिंग की अनुमति नहीं दूंगा। यह टिप्पणी सुप्रीम कोर्ट के उस रुख को रेखांकित करती है, जिसमें वह हाई कोर्ट को बायपास कर सीधे सर्वोच्च न्यायालय आने की प्रवृत्ति पर लगातार आपत्ति जताता रहा है।

खास खबर

सीएम को धमकी देने वाले विधायक गिरफ्तार

चेन्नई। विलाथिकुलम के डीएमके विधायक जीवी मार्कंडेयन को सोमवार को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। उन पर कोविलपट्टी में एक जनसभा के दौरान तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के बारे में धमकी भरे और विवादित बयान देने का आरोप है। उन्होंने कहा था कि विजय की हड्डियां तोड़ देंगे। इस भाषण के वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे हैं। वीडियो के वायरल होने के बाद टीवीके पदाधिकारियों और समर्थकों ने पुलिस स्टेशनों में शिकायतें दर्ज कराईं और कड़ा विरोध जताया। शिकायत की गंभीरता को देखते हुए विलाथिकुलम के डीएसपी सुंदरपांडियन, जिला क्राइम ब्रांच के डीएसपी कन्नन और पुलिसकर्मियों की एक बड़ी टीम विलाथिकुलम के अंबाला नगर में विधायक मार्कंडेयन के घर पहुंची।

टैंकर से टकराई कार, 6 की मौत

वर्धा। महाराष्ट्र के वर्धा जिले में समृद्धि एक्सप्रेसवे पर एक भीषण सडक़ हादसा हुआ है। इस हादसे में छह लोगों की मौत हो गई। पुलगांव थाना क्षेत्र के विरुल के पास तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर इथेनॉल से भरे टैंकर से जा भिड़ी। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसमें सवार सभी छह लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। यह हादसा वर्धा जिले के समृद्धि एक्सप्रेसवे पर विरुल इलाके के नजदीक हुआ। बताया जा रहा है कि एक कार तेज गति से एक्सप्रेसवे पर जा रही थी। इसी दौरान कार की टक्कर इथेनॉल से भरे एक टैंकर से हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे की भयावहता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि कार में मौजूद किसी भी व्यक्ति को बचने का मौका नहीं मिला।

पन्ना टाइगर रिजर्व में तीसरे बाघ की मौत : सुरक्षा पर उठे सवाल

पन्ना। पीटीआर में बाघों की मौत का सिलसिला शुरु नहीं रहा है। किशनगढ़ कोर रेंज के बृजपुरा बीट के एक दुर्गम पहाड़ी क्षेत्र में गश्त के दौरान वन विभाग की टीम को एक वयस्क नर बाघ का शव मिला। यह बीते 3 महीनों में पीटीआर में बाघ की तीसरी मौत है, जिसने पार्क प्रबंधन की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। पीटीआर के उप संचालक वीरेंद्र कुमार पटेल ने बताया कि प्रारंभिक जांच में मृत बाघ के सभी अंग सुरक्षित मिले हैं। शरीर पर बाहरी चोट या आपसी संघर्ष के कोई निशान नहीं मिले हैं और न ही आसपास मानवीय हस्तक्षेप के सबूत हैं। प्रबंधन प्रथम दृष्टया प्राकृतिक मौत मान रहा है, लेकिन वास्तविक कारण पोस्टमार्टम और फॉरेंसिक रिपोर्ट के बाद ही सामने आएंगे।

कुछ ना कहना

भारत में पहली डेंगू वैक्सीन को मिली मंजूरी!

4 से 60 साल तक के लोग लगवा सकेंगे क्यूडेंगा

नई दिल्ली(ईएमएस)। हर साल जैसा ही मॉनसून दस्तक देता है, वैसे ही डेंगू का प्रकोप भी बढने लगता है। बारिश के मौसम में डेंगू लाखों लोगों को अपनी चपेट में लेता है। डेंगू के मरीजों से अस्पतालों का भरना तो अब जैसे आम बात बन गई है। कई मामलों में तो मरीजों की स्थिति बहुत गंभीर हो जाती है। साल-दर-साल ये समस्या बढ़ती ही जा रही थी। इस बीच अब भारत के लिए एक बड़ी राहत की खबर आई है। दरअसल, भारत में पहली बार डेंगू से बचाव के लिए एक वैक्सीन को मंजूरी मिल गई है। इस वैक्सीन का नाम क्यूडेंगा है, जिसे जापान की फार्मा कंपनी टकेडा ने तैयार किया है। भारत के ड्रग कंट्रोलर जनरल ने इसे 4 से 60 साल की उम्र के लोगों के लिए मंजूरी दी है।

पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने की घोषणा

सरकारी दफ्तरों में अब सिर्फ बंगाली में काम

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने सोमवार को घोषणा की है कि राज्य सरकार 1 सितंबर से सभी सरकारी कामों के लिए बंगाली भाषा को अनिवार्य कर देगी। ये फैसला राज्य के सरकारी कामों के लिए लिया गया है। वहीं केंद्र सरकार के साथ आधिकारिक बातचीत के लिए हिंदी का भी इस्तेमाल किया जाएगा। सरकार 1 सितंबर से सभी तरह के पब्लिक कम्युनिकेशन चैनलों पर बंगाली भाषा का इस्तेमाल अनिवार्य कर देगी। इसमें नागरिकों के लिए सेवाएं, डिजिटल गवर्नेंस सिस्टम, एप्लीकेशन फॉर्म, सर्टिफिकेट, पोर्टल, वेबसाइट, मोबाइल एप्लीकेशन, ट्रेनिंग का सामान, पब्लिक साइनबोर्ड, प्रेस रिलीज और दूसरी आधिकारिक बातचीत शामिल हैं।

शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि आज मैं आयोग की रिपोर्ट जारी कर रहा हूं, जिसे 2011 में टीएमसी सरकार के दौरान जस्टिस सुशांत चटर्जी की अध्यक्षता में बनाया गया था। 1 सितंबर 2026 से सरकारी कामकाज में बांग्ला भाषा का इस्तेमाल अनिवार्य होगा। उन्होंने बताया कि भूमि और भूमि सुधार विभाग से लेकर मुख्यमंत्री कार्यालय तक का कामकाज बांग्ला भाषा में होगा।उन्होंने कहा कि नागरिकों की सेवाओं, हलफनामों, ऐप्स, नागरिक चार्टर, एफआईआर और नोटिफिकेशन के लिए बांग्ला का इस्तेमाल किया जाएगा।

राम मंदिर चंदा चोरी मामला- सुप्रीम कोर्ट ने कहा- यह अपराध का मामला है, राजनीति का नहीं

अनुभवी अधिकारी के नेतृत्व में हो जांच

नई दिल्ली। अयोध्या के श्री राम जन्मभूमि मंदिर में श्रद्धालुओं से मिले दान में कथित गबन और वित्तीय अनियमितताओं के आरोपों पर आज सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। मामले में अदालत ने साफ संकेत दिया है कि जांच पूरी तरह निष्पक्ष, पारदर्शी और पेशेवर तरीके से होनी चाहिए। इसी को ध्यान में रखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार से विशेष जांच टीम (एसआईटी) के पुनर्गठन पर आवश्यक निर्देश लेने को कहा। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि इस पूरे मामले को राजनीतिक रंग नहीं दिया जाना चाहिए और जांच अपने तार्किक निष्कर्ष तक पहुंचनी चाहिए। सीजेआई सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची और वी मोहना की पीठ ने उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से इस बारे में निर्देश लेने को कहा कि क्या विशेष जांच दल, जिसने एफआईआर दर्ज करने से पहले पूरे मामले की जांच की थी, उसको स्थानीय पुलिस के बजाय मामले की जांच की जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है। सीजेआई ने कहा कि सिर्फ सावधानी बरतने का एक शब्द। कृपया इस मुद्दे का राजनीतिकरण न करें। अदालतें राजनीति की जगह नहीं हैं। यह अपराध होने का एक साधारण मामला है। हम सिर्फ उचित जांच सुनिश्चित करने के लिए हैं। शुरुआत में, मेहता ने कहा कि पहले के आदेश के अनुपालन में, राज्य सरकार ने एक स्थिति रिपोर्ट दायर की है। उन्होंने कहा कि जांच चल रही है। आठ लोगों को गिरफ्तार किया गया है। मैं ज्यादा कुछ नहीं बता सकता। यह पूछे जाने पर कि क्या एसआईटी मामले की जांच कर रही है, मेहता ने कहा कि सच्चाई का पता लगाने के लिए एसआईटी का गठन किया गया था। अब इसकी जांच पुलिस द्वारा की जा रही है। एसआईटी ने अभी पाया कि यह एक संज्ञेय अपराध है। पीठ ने कहा कि दो वरिष्ठ आईएएस अधिकारी और लखनऊ के पुलिस महानिरीक्षक उस एसआईटी का हिस्सा थे और पूछा कि क्या वे निष्पक्षता और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए मुख्य जांच कर सकते हैं।

भाजपा विधायक के परिवार की कंपनियों पर कब्जे के आरोप में कारोबारी गोयनका गिरफ्तार

नई दिल्ली। छत्तीसगढ़ के रायपुर के कारोबारी महेंद्र गोयनका को कोलकाता पुलिस ने दिल्ली से गिरफ्तार किया है। कारोबारी गोयनका पर कटनी के विजयराघवगढ़ से भाजपा विधायक संजय पाठक के परिवार की कंपनियों में करीब 1000 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी का आरोप है। कंपनियों पर अवैध कब्जा करने की कोशिश का गंभीर आरोप है।

गिरफ्तारी के बाद कोलकाता पुलिस ने गोयनका को कोलकाता की अदालत में पेश किया, जहां से उन्हें 10 दिन की पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया है। पुलिस इस दौरान वित्तीय गड़बड़ियों, कंपनियों के नियंत्रण में कथित बदलाव और पूरे नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका को लेकर गहन पूछताछ करेगी, जिसमें कई अहम खुलासे होने की उम्मीद है।

भाजपा विधायक पाठक की पारिवारिक कंपनी यूरो प्रतीक इस्पात इंडिया प्राइवेट लिमिटेड का मुख्यालय कोलकाता में है। मूल रूप से अनूपपुर जिले के कोतमा और वर्तमान में रायपुर निवासी गोयनका इसी कंपनी में प्रबंधन के अहम पद पर कार्यरत था। आरोप है कि उसने अपनी पत्नी और सहयोगियों के साथ मिलकर फर्जी दस्तावेजों एवं हस्ताक्षरों के जरिए कंपनी के दो डायरेक्टर्स को हटवाकर उनकी जगह चार अन्य लोगों को डायरेक्टर बनाया। इसके बाद कंपनी के नियंत्रण पर अवैध कब्जा करने की कोशिश की। उस पर कंपनी के वित्तीय लेनदेन में अनियमितता और कंपनी का माल कथित तौर पर छल-कपट से बेचकर गबन करने के भी आरोप हैं।

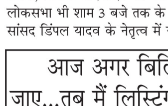
महेंद्र गोयनका

इन आरोपों के आधार पर 2024 में कोलकाता में भारतीय दंड संहिता की धारा 420, 120-बी, 467, 468 और 471 सहित अन्य धाराओं में एफआईआर दर्ज की गई थी। इसी मामले में कोलकाता पुलिस ने गोयनका को दिल्ली से गिरफ्तार किया। कंपनी से हटाए गए कटनी निवासी डायरेक्टर्स ने कटनी कोतवाली और माधवनगर थाने में जालसाजी और धोखाधड़ी के मामले दर्ज कराए थे। माधवनगर थाने में दर्ज मामलों में गोयनका के अलावा रायपुर निवासी हिमांशु श्रीवास्तव, सन्मति जैन और सुनील अग्रवाल सहित अन्य सहयोगियों को भी आरोपी बनाया गया है।

जानकारी के अनुसार, इन आरोपियों की अग्रिम जमानत याचिकाएं लोअर कोर्ट, हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट तक खारिज हो चुकी हैं। इसके बावजूद कुछ आरोपी पिछले करीब डेढ़-दो साल से फरार बताए जा रहे हैं, जिन्हें मध्यप्रदेश पुलिस अब तक गिरफ्तार नहीं कर सकी है। 9 मई 2024 को राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) की मुंबई पीठ ने भी आदेश में गोयनका और उनकी पत्नी मीनू गोयनका से जुड़े वित्तीय लेनदेन पर गंभीर टिप्पणियां की थीं। इसके अलावा गोयनका की एक अन्य कंपनी निसर्ग इस्पात से जुड़े वित्तीय अनियमितताओं के मामले सामने आए हैं। अब कोलकाता पुलिस रिमांड के दौरान पूरे कथित वित्तीय नेटवर्क और लेनदेन की गहराई से जांच कर रही है।

महेंद्र गोयनका कौन हैं?

महेंद्र गोयनका मूल रूप से मध्यप्रदेश के अनूपपुर जिले के कोतमा के रहने वाले हैं और वर्तमान में रायपुर (छत्तीसगढ़) में कारोबार करते हैं। वे पहले यूरो प्रतीक इस्पात इंडिया प्राइवेट लिमिटेड में प्रबंधन के अहम पद पर कार्यरत थे।

टीएल बैठक में हुई समय सीमा प्रकरणों की समीक्षा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

20 जुलाई को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में समय सीमा (टीएल) बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में कलेक्टर मृणाल मीना ने समय सीमा संबंधी प्रकरणों की समीक्षा कर उनके निराकरण के निर्देश दिये। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक सराफ, अपर कलेक्टर श्री जीएस धुर्वे, श्री डीपी बर्मन, संयुक्त कलेक्टर राहुल नायक, डिप्टी कलेक्टर प्रदीप कौरव, एसडीएम गोपाल सोनी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। जिले के सभी एसडीएम, तहसीलदार, जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं नगरीय निकायों के मुख्य नगर पालिका अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से बैठक में शामिल हुए।

उर्वरक वितरण एवं खरीफ फसलों की समीक्षा

बैठक में कलेक्टर श्री मीना ने सर्वप्रथम किसानों को उर्वरक वितरण एवं उर्वरक की उपलब्धता की समीक्षा की। इस दौरान उपसंचालक कृषि द्वारा बताया गया कि जिले में वर्तमान में 8861 मीट्रिक टन यूरिया, 106 मीट्रिक टन डीएपी, 9178 मीट्रिक टन एनपीके एवं 3806 मीट्रिक टन सिंगल सुपर फास्फेट उर्वरक उपलब?ध है। अगले 01 सप्ताह में लगभग 05 हजार मीट्रिक टन एनपीके उर्वरक जिले को प्राप्त होने की संभावना है। किसानों को ई-टोकन के माध्यम से उर्वरक का वितरण किया जा रहा है। जिले में उर्वरक की कमी नही है। उपसंचालक कृषि द्वारा बताया गया कि जिले में 03 लाख 14 हजार हे. क्षेत्र में खरीफ फसले लगाने का लक्ष्य रखा गया है। अब तक 01 लाख 16 हजार हे. क्षेत्र में खरीफ फसले लगायी जा चुकी है।

उर्वरक वितरण में परेशानी न हो, 48 घंटे में मिले खाद

कलेक्टर श्री मीना ने इस दौरान उपसंचालक कृषि, जिला विपणन अधिकारी एवं जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के अधिकारी को सख्त निर्देश दिये कि किसानों को उर्वरक प्राप्त करने में किसी तरह की परेशानी नही होनी चाहिए। जिले में किसी भी क्षेत्र से उर्वरक के लिए किसानों के लाईन में लगे होने की सूचना नही मिलना चाहिए। किसानों को ई-टोकन जनरेट होने के बाद 48 घंटे के भीतर उर्वरक मिल जाना चाहिए। जिला विपणन अधिकारी को निर्देशित किया गया कि सहकारी समितियों में उर्वरक पहुंचते ही उसकी आईडी शीघ्रता से जनरेट कराये, जिससे सहकारी समिति पीओएस मशीन के माध्यम से ई-टोकन वाले किसानों को उर्वरक का त्वरित वितरण कर सके।

जर्जर स्कूल भवनों की सूची शीघ्र प्रस्तुत करने के निर्देश

कलेक्टर श्री मीना ने बैठक में जिला शिक्षा अधिकारी, सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग एवं सर्व शिक्षा अभियान के जिला परियोजना समन्वयक को निर्देशित किया कि वे अपने अधीनस्थ जर्जर भवनों की सूची शीघ्रता से प्रस्तुत करें और यह सुनिश्चित करे कि किसी भी जर्जर भवन में शाला की कक्षाए और छात्रावास संचालित न किया जाए। उन्होंने कहा कि जिन शालाओं का सांदीपनि विद्यालय में संविलयन हो चुका है, उनके शाला भवनों की सूची जिला कार्यालय को उपलब्ध कराये, जिससे ऐसे भवनो का उपयोग अन्य विभागो द्वारा किया जा सके।

बारिश से क्षतिग्रस्त सड़कों, पुल-पुलियों की मरम्मत के निर्देश

बैठक में प्रधानमंत्री ग्रामीण सडक ईकाइ, सडक विकास प्राधिकरण, लोक निर्माण विभाग एवं ग्रामीण यांत्रिकी सेवा विभाग के अधिकारियों को सख्त निर्देश दिये गए कि हाल के दिनों में वर्षा के कारण क्षतिग्रस्त हुए पुल-पुलियों एवं सडको की शीघ्र मरम्मत कराये, जिससे आवागमन सुव्यवस्थित तरीके से हो सके। इसी प्रकार पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के अधीक्षण यंत्री को निर्देशित किया गया कि जिन स्थानों पर बिजली के वायर नीचे लटक रहे है और जिनसे दुर्घटना की आशंका है उन्हें शीघ्रता से व्यवस्थित कराये।

राशन ई-केवाईसी, आंगनवाड़ी भवन और जल स्त्रोतों की सफाई पर जोर

जिला आपूर्ति अधिकारी को राशन प्राप्त करने वाले उपभोक्ताओं की ईकेवायसी का कार्य शीघ्रता से पूर्ण करने के निर्देश दिये गए। पीएम जनमन योजना के अंतर्गत स्वीकृत आंगनवाडी केंद्रो के भवनो का कार्य शीघ्र पूर्ण करने कहा गया। नगरीय निकायों के मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि जल स्त्रोतो एवं पानी की टंकियों की नियमित रूप से सफाई कराये और उसके फोटो पोर्टल पर अपलोड करें। इस दौरान नगर पालिका बालाघाट के जल शोधन संयंत्र के प्रभारी के विरूद्ध निलंबन की कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए।

स्वरोजगार एवं कृषि-पशुपालन योजनाओं में ऋण वितरण बढ़ाने के निर्देश

बैठक में प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के अंतर्गत प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके युवाओं को स्वरोजगार के लिए बैंक से ऋण उपलब्ध कराने के निर्देश दिये गए और कहा गया कि ऐसे प्रकरणों में हर सप्ताह ऋण वितरण की प्रगति की रिपोर्ट प्रस्तुत करें। उपसंचालक पशु चिकित्सा सेवाए को निर्देशित किया गया कि दुग्ध उत्पादन बढाने के लिए पशुपालन संबंधी योजनाओं में अधिक से अधिक पशु पालको के ऋण प्रकरण तैयार कर बैंक से ऋण उपलब्ध कराये। इसी प्रकार अक्षय ऊर्जा अधिकारी को कुसुम-बी योजना के अंतर्गत सोलर पंप के लिए अधिक से अधिक किसानों को ऋण उपलब्ध कराने के निर्देश दिये गए। अग्रणी बैंक प्रबंधक को निर्देशित किया गया कि वे सभी बैंको से समन्वय कर शासकीय योजनाओ में तत्परता के साथ ऋण वितरण कराये।

मुख्यमंत्री कृषक जीवन कल्याण योजना एवं फसल बीमा की समीक्षा

बैठक में सभी एसडीएम को निर्देशित किया गया कि मुख्यमंत्री कृषक जीवन कल्याण योजना के अंतर्गत कृषि विभाग से प्राप्त प्रकरणों की जांच कर उसकी रिपोर्ट शीघ्रता से प्रस्तुत करे और कोई भी प्रकरण अनावश्यक लंबित न रहने दे। उपसंचालक कृषि को भी निर्देशित किया गया कि कृषि कार्य के दौरान दुर्घटना में मृत किसानों के प्रकरण शीघ्रता से तैयार कर जांच के लिए एसडीएम कार्यालय भिजवाए। बैठक में उपसंचालक कृषि एवं जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के अधिकारी को निर्देशित किया गया कि 31 जुलाई तक जिले के अधिक से अधिक किसानों का फसल बीमा करवाये।

खुले कुओं, ट्यूबवेल और बोरवेल को ढकने के निर्देश

कलेक्टर श्री मीना ने सभी एसडीएम एवं तहसीलदारों को निर्देशित किया कि वे अपने क्षेत्र में खुले मुंह वाले कुए, ट्यूबवेल एवं बोरवेल की जनसुरक्षा के लिए लोहे की जाली या अन्य सामग्री से ढकने की व्यवस्था करवाये। यह व्यवस्था संबंधित कुए, ट्यूबवेल एवं बोरवेल के मालिक को करनी होगी, जिससे इनमें किसी तरह की दुर्घटना न हो और जनहानि न हो सके। यदि खुले कुए, ट्यूबवेल या बोरवेल में कोई दुर्घटना होगी तो उसके लिए उसके मालिक को जिम्मेदार माना जाएगा और उस पर कार्यवाही की जाएगी।

आईटीआई, डाईट भूमि संरक्षण और लंबित प्रकरणों के निराकरण पर जोर

बैठक में आईटीआई बालाघाट एवं डाईट के प्राचार्य को निर्देशित किया गया कि भवन निर्माण के लिए उन्हें आवंटित की गई शासकीय भूमि पर अतिक्रमण न होने दे। बैठक में सीएम हेल्पलाईन और लोक सेवा गारण्टी अधिनियम के प्रकरणों की भी समीक्षा की गई और इनका तत्परता के साथ समय सीमा में निराकरण करने के निर्देश दिये गए।

नशे से दूरी है जरूरी 2.0 अभियान भरवेली पुलिस ने बायोगैस प्लांट व भरवेली माइंस के कर्मचारियों को नशे के दुष्प्रभावों से कराया अवगत- दिलाई नशामुक्ति की शपथ

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। पुलिस अधीक्षक बालाघाट के निर्देशन नशे से दूरी है जरूरी 2.0 अभियान के तहत सोमवार को थाना भरवेली पुलिस ने दो अलग-अलग स्थानों पर नशामुक्ति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए। इस दौरान बायोगैस प्लांट धनसुआ तथा भरवेली माइंस के कर्मचारियों को नशे से होने वाले शारीरिक, मानसिक, सामाजिक एवं आर्थिक दुष्प्रभावों की जानकारी देते हुए नशे से दूर रहने का संकल्प दिलाया गया। 20 जुलाई को अभियान के प्रथम चरण में थाना भरवेली पुलिस की टीम ने ग्राम धनसुआ स्थित बायोगैस प्लांट पहुंचकर वहां कार्यरत

अधिकारियों एवं कर्मचारियों को संबोधित किया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि नशा व्यक्ति के स्वास्थ्य के साथ-साथ उसके परिवार, कार्यक्षमता और सामाजिक जीवन पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालता है। कर्मचारियों से अपील की गई कि वे स्वयं नशे से दूर रहें और अपने परिवार तथा समाज में भी नशामुक्ति का संदेश पहुंचाएं। कार्यक्रम के दौरान नशे से दूरी है जरूरी 2.0 अभियान के तहत सभी से जागरूकता प्रपत्र भरवाए गए तथा नशामुक्ति की शपथ दिलाई गई।इसके बाद थाना भरवेली पुलिस ने भरवेली माइंस में भी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। यहां कार्यरत कर्मचारियों को नशे की बढ़ती प्रवृत्ति, उसके दुष्परिणाम तथा इससे बचाव के उपायों की जानकारी दी गई। अधिकारियों ने कहा कि कार्यस्थल पर सुरक्षा, अनुशासन और बेहतर कार्यक्षमता के लिए नशामुक्त रहना अत्यंत आवश्यक है। कार्यक्रम में उपस्थित कर्मचारियों ने नशे से दूर रहने तथा दूसरों को भी इसके प्रति जागरूक करने का संकल्प लिया।दोनों कार्यक्रमों का उद्देश्य कर्मचारियों में नशे के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा स्वस्थ एवं सुरक्षित कार्य वातावरण को बढ़ावा देना रहा। पुलिस ने नशामुक्त समाज के निर्माण में सभी से सक्रिय सहयोग की अपील की।इस अभियान के सफल संचालन में थाना प्रभारी निरीक्षक भूपेन्द्र सिंह पन्द्रों, उप निरीक्षक कविता मुर्खे उप निरीक्षक मुकेश पुरी, प्रधान आरक्षक नितेश श्रीनाग, आरक्षक सत्यवान रघुवंशी, आरक्षक मोहन पटेल सहित थाना भरवेली पुलिस के अन्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।पुलिस अधिकारियों ने बताया कि नशे से दूरी है जरूरी 2.0 अभियान के तहत जिले में लगातार विद्यालयों, महाविद्यालयों, औद्योगिक प्रतिष्ठानों, कार्यालयों एवं सार्वजनिक स्थलों पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। अभियान का उद्देश्य समाज के प्रत्येक वर्ग तक नशामुक्ति का संदेश पहुंचाकर युवाओं और आमजन को नशे की लत से बचाना है।

नशे से दूरी है जरूरी 2.0 अभियान को मिल रहा जनसमर्थन

स्कूलों में पहुंचकर महिला पुलिस थाना की टीम ने विद्यार्थियों को किया जागरूक, मानव श्रृंखला, हस्ताक्षर अभियान और शपथ के माध्यम से दिया नशामुक्ति का संदेश

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मध्यप्रदेश शासन एवं पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार जिले में संचालित नशे से दूरी है जरूरी 2.0 अभियान के तहत महिला थाना बालाघाट द्वारा लगातार जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। अभियान का उद्देश्य युवाओं एवं विद्यार्थियों को नशे की लत से दूर रखते हुए स्वस्थ, सुरक्षित और नशामुक्त समाज का निर्माण करना है। इसी क्रम में रविवार, 20 जुलाई को महिला थाना पुलिस की टीम ने जिले के

विभिन्न शासकीय विद्यालयों में पहुंचकर छात्र-छात्राओं को नशे के दुष्परिणामों की जानकारी दी तथा नशे से दूर रहने का संकल्प दिलाया।महिला थाना पुलिस ने शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पिपरिया भांडी में आयोजित कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को तंबाकू, गुटखा, शराब तथा अन्य मादक पदार्थों के सेवन से होने वाले शारीरिक, मानसिक, सामाजिक एवं आर्थिक दुष्प्रभावों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि नशा न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को प्रभावित करता है। बल्कि परिवार और समाज पर भी इसका गंभीर असर पड़ता है। विद्यार्थियों से अपील की गई कि वे स्वयं नशे से दूर रहें और अपने परिवार तथा आसपास के लोगों को भी इसके प्रति जागरूक करें।कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं ने मानव श्रृंखला बनाकर नशामुक्ति का संदेश दिया तथा हस्ताक्षर अभियान में भाग लेकर नशे के विरुद्ध अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। इसके बाद सभी विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को नशे से दूर रहने तथा दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करने की शपथ दिलाई गई। इसी क्रम में महिला थाना प्रभारी किरण वरकड़े, सहायक उप निरीक्षक दिनेश पंचेश्वर, प्रधान आरक्षक रेहाना खान सहित महिला थाना के अन्य पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने पीएम श्री एकीकृत हाई स्कूल, ग्राम लड़सड़ा तथा शासकीय हाई स्कूल, ग्राम लिंगमारा में भी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए। यहां भी विद्यार्थियों को नशे की बढ़ती प्रवृत्ति, उससे होने वाले दुष्परिणाम तथा कानूनी प्रावधानों की जानकारी दी गई। पुलिस अधिकारियों ने विद्यार्थियों को अपने जीवन का लक्ष्य निर्धारित कर शिक्षा, खेल एवं सकारात्मक गतिविधियों से जुड़ने की प्रेरणा दी।कार्यक्रम में विद्यालय प्रबंधन, शिक्षकगण एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई। सभी ने नशामुक्त समाज के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लिया।महिला थाना प्रभारी किरण वरकडे ने बताया कि नशे से दूरी है जरूरी 2.0 अभियान जिले में लगातार जारी रहेगा। इसके अंतर्गत स्कूलों, महाविद्यालयों, ग्राम पंचायतों एवं सार्वजनिक स्थानों पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर लोगों को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराया जा रहा है, ताकि समाज को नशामुक्त बनाने के उद्देश्य को सफल बनाया जा सके।

शिवम शर्मा के हाथों में सौंपी गई एनएसयूआई संगठन की कमान

जिला अध्यक्ष बनने पर जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय में हुआ भव्य स्वागत, आतिशबाजी कर बांटी मिठाई, अध्यक्ष बोले- छात्रों के अधिकारों की लड़ाई सड़क पर मजबूती से लड़ेंगे

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मप्र कांग्रेस कमेटी शीर्ष नेतृत्व द्वारा लंबे समय बाद एनएसयूआई जिला अध्यक्ष की नियुक्ति की गई है। जहां बालाघाट जिले में एनएसयूआई संगठन की कमान छात्रों हित में पूर्व से लड़ाई लड़ते आ रहे शुभम शर्मा के हाथों में सौपी गई है।भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) के जिला अध्यक्ष पद की कमान युवा नेता शिवम शर्मा को सौंपे जाने के बाद जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय में उनका भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर कांग्रेस पदाधिकारियों, एनएसयूआई कार्यकर्ताओं एवं बड़ी संख्या में युवाओं ने फूल-मालाओं से उनका अभिनंदन किया। समर्थकों ने जमकर आतिशबाजी की, मिठाइयां बांटी और एनएसयूआई जिंदाबाद के नारों के साथ जमकर जश्न मनाया।कार्यक्रम में उपस्थित कांग्रेस नेताओं ने शिवम शर्मा को नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं देते हुए विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में जिले में एनएसयूआई संगठन और अधिक मजबूत होगा तथा छात्र हितों से जुड़े मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाया जाएगा। वक्ताओं ने कहा कि छात्र राजनीति लोकतंत्र की आधारशिला है और युवाओं को नेतृत्व का अवसर मिलना संगठन के लिए सकारात्मक संकेत है।

जल्द संगठन का किया जाएगा विस्तार

बताया गया कि एनएसयूआई प्रत्येक महाविद्यालय में संगठन का विस्तार करेगी तथा अधिक से अधिक युवाओं और विद्यार्थियों को जोड़कर छात्र हितों की लड़ाई को मजबूत बनाया जाएगा।पदाधिकारियो ने युवाओं से शिक्षा, रोजगार और सामाजिक सरोकारों के मुद्दों पर एकजुट होकर आगे आने का आह्वान भी किया।कार्यक्रम के दौरान कार्यकर्ताओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी का इजहार किया गया वही नए जिला अध्यक्ष के नेतृत्व में संगठन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का संकल्प लिया गया। कांग्रेस और एनएसयूआई पदाधिकारियों ने विश्वास जताया कि शिवम शर्मा के नेतृत्व में जिले में छात्र राजनीति को नई दिशा मिलेगी और विद्यार्थियों के हितों की आवाज और अधिक मजबूती से बुलंद होगी।

सड़क पर उतरकर लड़ेंगे छात्र हित की लड़ाई- शिवम

नवनियुक्त जिला अध्यक्ष शिवम शर्मा ने स्वागत से अभिभूत होकर संगठन के शीर्ष नेतृत्व, कांग्रेस पार्टी एवं सभी कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि यह पद सम्मान के

साथ-साथ बड़ी जिम्मेदारी भी है, जिसे पूरी निष्ठा और ईमानदारी से निभाया जाएगा। जिले के विद्यार्थियों को शिक्षा, छात्रवृत्ति, प्रवेश, परीक्षा परिणाम, महाविद्यालयों में मूलभूत सुविधाओं की कमी और बेरोजगारी जैसी अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। एनएसयूआई इन सभी मुद्दों को प्राथमिकता के साथ उठाएगी। यदि छात्रों की समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो संगठन सड़क पर उतरकर लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन करेगा और प्रशासन तक उनकी आवाज पहुंचाई जायेगी।

संगठन को मिलेगी नई ऊंचाई,जोड़े जाएंगे युवा

कार्यक्रम में पूर्व सांसद विश्वेश्वर भगत, पूर्व जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष श्रीमती पुष्पा बिसेन, मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव अनूप सिंह, नगर पालिका अध्यक्ष भीम फूलसूंगे, शहर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष श्याम पंजवानी, पूर्व शहर कांग्रेस अध्यक्ष रहीम खान, राष्ट्रीय महिला कांग्रेस कोऑर्डिनेटर श्रीमती अंजू जैस्वाल, वरिष्ठ कांग्रेस नेता सुशील पालीवाल, कैलाश साहू, पूर्व प्रदेश सचिव जुगल शर्मा, अल्लाह रखा, शमीम सिद्दीकी, विजय अग्रवाल, राकेश सिंगारे, जिला युवक कांग्रेस अध्यक्ष एवं सेवादल कांग्रेस जिला अध्यक्ष जीतू बर्वे, जिला कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ महामंत्री श्रीनिवास राव, अभय मोदी, जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि मुकेश माहुले, गौरी समाज के प्रदेश अध्यक्ष महेश सहारे, धर्मेंद्र पुरी, पार्षद अनिल सोनी, निर्मल सोनी, संतोष बागेश्वर, साबिर मंसूरी, जिला कांग्रेस कमेटी महामंत्री सुरेश मूलचंदानी, शिक्षा कांग्रेस प्रकोष्ठ अध्यक्ष राणा, किसान कांग्रेस के उपाध्यक्ष धर्मेंद्र, विधि प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष अधिवक्ता निखिल गौतम तथा अधिवक्ता अजय बिसेन सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी उपस्थित रहे।कार्यक्रम में जिला कांग्रेस कमेटी, युवक कांग्रेस, महिला कांग्रेस, सेवादल कांग्रेस एवं कांग्रेस के विभिन्न प्रकोष्ठों के पदाधिकारी और सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे। सभी ने शुभम शर्मा का पुष्पमालाओं से स्वागत कर उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं।इस दौरान वक्ताओं ने कहा कि एनएसयूआई छात्रों की आवाज़ को मजबूती से उठाने वाला संगठन है और शुभम शर्मा के नेतृत्व में संगठन जिले में और अधिक सक्रिय भूमिका निभाएगा। उन्होंने विश्वास जताया कि नए जिला अध्यक्ष छात्र हितों के लिए संघर्ष करते हुए संगठन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएंगे।

कार्यालय तहसीलदार तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट (म.प्र.)

रा.प्र.क्र. 0024/ड-154/2026-27
मौजा पंढरापानी, रा.नि.मं. लालबर्रा

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक सुनील सुर्यवंशी पिता महेतलाल सुर्यवंशी जाति गढ़ेवाल, निवासी ग्राम पंढरापानी, तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मौजा पंढरापानी, रा.नि.मं. लालबर्रा, तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट में स्थित आवेदक द्वारा अपनी माता सुखबती पति महेतलाल का अनुज्ञा प्रमाण पत्र रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1969 की धारा 12 (2), म.प्र. मृत्यु पंजीयन 1999 नियम 12 (2) प्रावधानों के अंतर्गत उपरोक्त मृत्यु की घटना दिनांक 02.07.1990 मृत्यु स्थल ग्राम पंढरापानी के अंतर्गत आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति हो तो वह दिनांक 21.07.2026 के पूर्व स्वयं या अपने अभिभाषक/अधिवक्ता सहित उपस्थित होकर इस न्यायालय में दावा आपत्ति पेश कर सकते है। नियत तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 13.07.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

स्थान - लालबर्रा
दिनांक - 21.07.2026

भूपेन्द्र अहिरवार
तहसीलदार
तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट म.प्र.

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

घर के शौचालय की सफाई के दौरान जहरीले सांप ने वृद्ध को काटा

अस्पताल ले जाने से पहले ही तोड़ा दम

पद्मेश न्यूज।बालाघाट। वर्षा ऋतु के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में सर्पदंश की घटनाएं बढ़ने लगी हैं। इसी कड़ी में जिले के मलाजखंड थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम समनापुर के झगराह टोला में जहरीले सांप के काटने से 70 वर्षीय वृद्धा भगोतीन बाई पति दिवरसिह मरकाम की मौत हो गई। घटना उस समय हुई, जब वह अपने घर के शौचालय के पास सफाई कर रही थीं। मलाजखंड पुलिस ने शव पोस्टमार्टम करवा कर परिजनों को सौंप दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार भगोतीन बाई मरकाम खेती-मजदूरी कर अपना जीवनयापन करती थीं। पति के निधन के बाद वह घर में

अकेली रहती थीं। उनके देवर का पुत्र कुंदन सिंह मरकाम पास ही अपने परिवार के साथ रहता है।बताया गया कि शनिवार सुबह भगोतीन बाई अपने घर के शौचालय के पास सफाई कर रही थीं। इसी दौरान किसी जहरीले सांप ने उनके दाहिने हाथ की उंगली में काट लिया।जिससे खून निकलने लगा। घटना की जानकारी मिलते ही कुंदन सिंह मरकाम और आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे। परिजन उन्हें सरकारी अस्पताल ले जाने के लिए वाहन की व्यवस्था कर ही रहे थे कि अचानक भगोतीन बाई जमीन पर गिर पड़ीं। कुछ ही क्षणों में उनकी सांसें थम गईं और उनकी मौके पर ही मौत हो गई।इसके बाद परिजन पिकअप वाहन से शव लेकर मलाजखंड थाना पहुंचे। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया। मामले में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 194 के तहत मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी गई है।

तंत्र-मंत्र के भरोसे रची थी लाखों रूपये चोरी की साजिश, बैहर पुलिस ने 11 आरोपियों को दबोचा

तंत्र-साधना के नाम पर परिवार को सुलाने की रची गई साजिश, महाराष्ट्र तक फैले गिरोह का खुलासा

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

बैहर थाना क्षेत्र के ग्राम खोलवा में बीते दिनों हुई लगभग पांच लाख रुपये की चोरी की सनसनीखेज वारदात का पुलिस ने खुलासा करते हुए 11 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मामले का खुलासा सोमवार को पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा ने पुलिस कंट्रोल रूम में आयोजित प्रेसवार्ता में किया।इस दौरान उन्होंने बताया कि चोरी की यह वारदात केवल अपराध नहीं, बल्कि अंधविश्वास और तंत्र-मंत्र की आड़ में रची गई सुनियोजित आपराधिक साजिश थी। पुलिस ने गिरोह के कब्जे से चोरी गया अधिकांश मशरूका बरामद कर लिया है, जबकि मामले में कुछ आरोपियों से पुलिस रिमांड लेकर अन्य वारदातों के संबंध में भी पूछताछ की जाएगी।

पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा ने कहा कि पिछले कुछ समय से जिले में ऐसे मामले सामने आ रहे हैं, जिनमें कुछ लोग तंत्र-मंत्र, साधना और गड़े धन जैसी भ्रांतियों का सहारा लेकर अपराधों को अंजाम देने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि न तो तंत्र-मंत्र से किसी को वश में किया जा सकता है और न ही किसी प्रकार गड़ा धन प्राप्त होता है। यह केवल अंधविश्वास है, जिसका फायदा उठाकर कुछ लोग अपराध कर रहे हैं। ऐसे मामलों में अंततः नुकसान आम लोगों का होता है और अपराधियों को जेल की सलाखों के पीछे जाना पड़ता है।

रात में सूने मकान को बनाया निशाना, 9.80 लाख किये पार

एसपी ने बताया कि 10 जुलाई को ग्राम खोलवा निवासी कमलेश राहंगडाले ने थाना बैहर में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 9-10 जुलाई की दरमियानी रात लगभग एक से दो बजे के बीच अज्ञात चोर उनके सूने मकान में घुस गए। आरोपियों ने घर की आलमारियों के कुंदे तोड़कर

करीब 4.80 लाख रुपये मूल्य के सोने-चांदी के आभूषण, दो मोबाइल फोन तथा नगदी सहित लगभग पांच लाख रुपये का सामान चोरी कर लिया। फरियादी की शिकायत पर थाना बैहर में भारतीय न्याय संहिता की धारा 331 एवं 305(ए) के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना प्रारंभ की गई।

साइबर इनपुट से खुला राज

घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में थाना बैहर की विशेष टीम गठित की गई। पुलिस ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण कर वैज्ञानिक साक्ष्य जुटाए। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले गए, पुराने चोरी के आरोपियों, निगरानी बदमाशों और संदिग्ध व्यक्तियों से पूछताछ की गई। साथ ही साइबर सेल की तकनीकी सहायता और मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया गया। जांच के दौरान पुलिस को ग्राम पौनी, थाना मलाजखंड निवासी शांति तेकाम पर संदेह हुआ। हिरासत में लेकर पूछताछ करने पर उसने अपने साथियों के साथ मिलकर चोरी की पूरी साजिश और वारदात को अंजाम देना स्वीकार कर लिया। इसके बाद पुलिस ने अलग-अलग स्थानों पर दबिश देकर गिरोह के अन्य सदस्यों को भी गिरफ्तार कर लिया।

तंत्र-मंत्र के नाम पर रची चोरी की साजिश, यूट्यूब देखकर किया टोटका

प्रेसवार्ता में पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा ने बताया कि चोरी की वारदात को अंजाम देने से पहले आरोपियों ने तंत्र-मंत्र और पूजा-पाठ का सहारा लिया। पुलिस जांच में सामने आया कि गिरोह के कथित पुजारी जितेंद्र उर्फ जीतू बिजेवार ने गांव की सीमा पर विशेष पूजा और तंत्र-साधना कर यह दावा किया था कि इससे घर के सभी सदस्य गहरी नींद में सो जाएंगे और चोरी के दौरान कोई जागेगा नहीं। इसके बाद आरोपियों ने सूने मकान में घुसकर वारदात को अंजाम दिया। एसपी ने बताया कि पूछताछ में यह भी सामने आया है कि जितेंद्र उर्फ जीतू ने यह तथाकथित तंत्र-मंत्र किसी सिद्ध साधना से नहीं, बल्कि यूट्यूब पर वीडियो देखकर और अपने एक कथित गुरु से मिली जानकारी के आधार पर सीखा था। आरोपियों ने स्वीकार किया कि उन्होंने पहली बार इस तरह का प्रयोग किया था और इसी विश्वास के साथ चोरी की योजना बनाई। पुलिस जांच में यह तथ्य भी सामने आया है कि महाराष्ट्र के भंडारा जिले का एक सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर भी इस पूरे घटनाक्रम में संदिग्ध भूमिका में सामने आया है। प्रारंभिक जांच के अनुसार उसने कथित पुजारी को वीडियो और अन्य माध्यमों से इस प्रकार की जानकारी उपलब्ध कराने या सहयोग करने का काम किया हो सकता है। हालांकि पुलिस इस पहलू की गंभीरता से जांच कर रही है और उसकी भूमिका की पुष्टि के लिए तकनीकी एवं अन्य साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं।

मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र के आरोपियों का संगठित गिरोह

जांच में सामने आया कि चोरी की वारदात को मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र के आरोपियों ने मिलकर अंजाम दिया। गिरोह में बैहर, किरनापुर, लालबर्रा, मलाजखंड तथा महाराष्ट्र के भंडारा जिले के आरोपी शामिल हैं। पुलिस का मानना है कि यह गिरोह पूर्व में भी कई संपत्ति संबंधी अपराधों में शामिल रहा हो सकता है।

गिरफ्तार आरोपी

पुलिस ने इस मामले में शांति तेकाम (पौनी, मलाजखंड), पंकज रावर्डे (रजेगांव, किरनापुर), संजय कामथे (तुमसर, भंडारा), अमन धवंगाये (गोबरवाही, भंडारा), जिशान खान उर्फ सलमान (लालबर्रा), कुलदीप नागवंशी (धड़ी, किरनापुर), जितेंद्र उर्फ जीतू बिजेवार (आवासटोली बगडमारा), कमल नागपुरे (नवेगांव), सुखदेव मेरावी (खोलवा), सुभाष मेरावी (भरूक, मलाजखंड) तथा अशोक सिरयाम (खोलवा) को गिरफ्तार किया है।

पदोन्नति से वंचित वनकर्मियों का फूटा गुस्सा, सीसीएफ कार्यालय पहुंचकर सौंपा ज्ञापन

छोटी प्रशासनिक त्रुटियों के नाम पर रोकी गई पदोन्नति, वन एवं वन्यप्राणी संरक्षण संगठन ने कहा जंगलों में जान जोखिम में डालने वालों के साथ हो रहा अन्याय

पद्मेश न्यूज।बालाघाट। वन विभाग में हाल ही में जारी पदोन्नति सूची को लेकर वनकर्मियों में असंतोष खुलकर सामने आने लगा है। सोमवार को वन एवं वन्यप्राणी संरक्षण संगठन के बैनर तले जिले के एक दर्जन से अधिक वनकर्मी मुख्य वन संरक्षक (सीसीएफ) कार्यालय पहुंचे और मुख्य वन संरक्षक के नाम ज्ञापन सौंपते हुए पदोन्नति प्रक्रिया पर गंभीर सवाल उठाए। कर्मचारियों ने आरोप लगाया कि विभाग द्वारा जारी पदोन्नति सूची में कई योग्य और लंबे समय से सेवाएं दे रहे वनकर्मियों को केवल छोटी-छोटी विभागीय त्रुटियों या तकनीकी कारणों का हवाला देकर पदोन्नति से वंचित कर दिया गया है, जिससे कर्मचारियों में गहरा असंतोष व्याप्त है। ज्ञापन सौंपने के बाद संगठन के पदाधिकारी रोशनलाल पटवार एवं श्रीराम घरते ने मीडिया से चर्चा करते हुए कहा कि 10 जुलाई को जारी पदोन्नति आदेश के बाद प्रदेशभर के वनकर्मियों में नाराजगी का माहौल है। उनका कहना था कि कई ऐसे कर्मचारी, जिन्होंने वर्षों तक कठिन परिस्थितियों में विभाग की सेवा की, उन्हें मामूली कारणों से पदोन्नति सूची से बाहर कर दिया गया। विभाग यदि किसी छोटी प्रशासनिक त्रुटि या तकनीकी कमी को आधार बनाकर कर्मचारियों के पूरे सेवा जीवन पर प्रश्नचिह्न लगा देगा, तो इससे कर्मचारियों का मनोबल टूटेगा। उन्होंने कहा कि वन विभाग का कार्य अन्य विभागों की तुलना में कहीं अधिक चुनौतीपूर्ण है। वनकर्मी दिन-रात जंगलों में रहकर वनों की सुरक्षा, वन्यजीवों

के संरक्षण, अवैध कटाई रोकने, वन अपराधों पर नियंत्रण और प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा जैसे महत्वपूर्ण दायित्व निभाते हैं। कई बार उन्हें अपनी जान जोखिम में डालकर तस्करों और शिकारियों का सामना करना पड़ता है। इसके बावजूद यदि वर्षों की सेवा के बाद केवल छोटी-छोटी विभागीय टिप्पणियों या मामूली त्रुटियों के कारण पदोन्नति रोक दी जाए, तो यह कर्मचारियों के साथ अन्याय है। संगठन के पदाधिकारियों ने कहा कि विभाग को पदोन्नति प्रक्रिया में केवल तकनीकी आधार नहीं, बल्कि कर्मचारियों के सेवा रिकॉर्ड, कार्यक्षमता, अनुभव और समर्पण को भी समान महत्व देना चाहिए। यदि किसी कर्मचारी से अनजाने में कोई छोटी गलती हुई है और उसका कोई गंभीर प्रभाव नहीं पड़ा है, तो उसे पदोन्नति से वंचित करना उचित नहीं कहा जा सकता। विभाग को ऐसे मामलों में मानवीय और न्यायसंगत दृष्टिकोण अपनाना चाहिए। वनकर्मियों ने मांग की कि हाल ही में जारी पदोन्नति सूची की दोबारा समीक्षा की जाए और जिन कर्मचारियों को छोटी प्रशासनिक या तकनीकी त्रुटियों के आधार पर बाहर रखा गया है, उनके मामलों का पुनर्मूल्यांकन कर उन्हें भी पदोन्नति का लाभ दिया जाए। उनका कहना था कि इससे कर्मचारियों में विश्वास कायम होगा और विभाग के प्रति सकारात्मक वातावरण बनेगा। संगठन ने यह भी स्पष्ट किया कि यह समस्या केवल बालाघाट जिले तक सीमित नहीं है, बल्कि मध्यप्रदेश के अनेक जिलों में इसी प्रकार के मामले सामने आए हैं। इसलिए अब इस मुद्दे को प्रदेश स्तर पर उठाया जाएगा। पदाधिकारियों ने बताया कि जल्द ही प्रदेशभर के वनकर्मियों को एक मंच पर लाकर सरकार के समक्ष अपनी मांगें रखी जाएंगी। आवश्यकता पड़ने पर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा जाएगा और बड़े स्तर पर आंदोलन की रणनीति भी बनाई जाएगी। वनकर्मियों ने कहा कि उनका उद्देश्य विभाग का विरोध करना नहीं, बल्कि वर्षों से सेवा दे रहे कर्मचारियों को न्याय दिलाना है। उन्होंने उम्मीद जताई कि विभाग उनकी भावनाओं और मांगों को गंभीरता से लेते हुए पदोन्नति प्रक्रिया की निष्पक्ष समीक्षा करेगा, ताकि पात्र कर्मचारियों के साथ न्याय हो सके। ज्ञापन सौंपने के दौरान बड़ी संख्या में वनकर्मी उपस्थित रहे। सभी ने एक स्वर में मांग की कि पदोन्नति प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, न्यायपूर्ण और कर्मचारी हितैषी बनाया जाए, ताकि भविष्य में किसी भी कर्मचारी को छोटी-मोटी त्रुटियों के कारण उसके अधिकार से वंचित न होना पड़े।

जंतर-मंतर के आंदोलन की गूंज बालाघाट तक, शिक्षा सुधार और पेपर लीक के विरोध में छात्रों ने निकाली रैली

नीट, व्यापम और शिक्षा व्यवस्था से जुड़े मुद्दों पर छात्रों का प्रदर्शन, केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग, कालीपुतली चौक पर जताया विरोध

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। देश की राजधानी दिल्ली के जंतर-मंतर पर शिक्षा व्यवस्था में सुधार, पेपर लीक और विभिन्न छात्र हितों को लेकर चल रहे आंदोलन की गूंज सोमवार को बालाघाट में भी सुनाई दी। जिले के दर्जनों छात्र सड़कों पर उतरे और शिक्षा व्यवस्था में सुधार की मांग को लेकर शहर में पैदल रैली निकालते हुए प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान छात्रों ने नीट परीक्षा, व्यापम घोटाले, विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपर लीक और युवाओं के भविष्य से जुड़े मुद्दों को उठाते हुए केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग की। प्रदर्शन की शुरुआत स्थानीय अंबेडकर चौक स्थित गार्डन से हुई, जहां बड़ी संख्या में छात्र एकत्रित हुए। इसके बाद छात्रों ने हाथों में स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के चित्र और तख्तियां लेकर शहर में पैदल मार्च निकाला। रैली अंबेडकर चौक से विभिन्न मार्गों से होती हुई कालीपुतली चौक पहुंची, जहां छात्रों ने शांतिपूर्ण ढंग से विरोध प्रदर्शन कर अपनी मांगों के समर्थन में नारे लगाए। प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे छात्र आदर्श मेश्राम और छात्रा आस्था रंगारे ने बताया कि दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रसिद्ध शिक्षा सुधारक एवं पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक सहित विभिन्न छात्र संगठनों द्वारा शिक्षा सुधार और छात्रों के अधिकारों को लेकर लगातार आंदोलन किया जा रहा है। उसी आंदोलन के समर्थन में बालाघाट के छात्र भी सड़क पर उतरे हैं ताकि शिक्षा से जुड़े गंभीर मुद्दों पर सरकार का ध्यान आकर्षित किया जा सके। छात्रों ने कहा कि देश में लगातार प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपर लीक, भर्ती प्रक्रियाओं में अनियमितता और परीक्षा प्रणाली पर उठ रहे सवालों से युवाओं का भविष्य प्रभावित हो रहा है। उनका कहना था कि लाखों विद्यार्थी वर्षों तक मेहनत कर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करते हैं, लेकिन बार-बार सामने आने वाली अनियमितताओं से उनका विश्वास व्यवस्था से उठता जा रहा है। उन्होंने मांग की कि शिक्षा व्यवस्था को पारदर्शी और जवाबदेह बनाया जाए तथा दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। रैली के दौरान कालीपुतली चौक पर कुछ समय के लिए स्थिति को देखते हुए कोतवाली थाना प्रभारी अजय गुर्जर भी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने प्रदर्शन कर रहे छात्रों से चर्चा कर उन्हें सड़क जाम या किसी प्रकार का उग्र प्रदर्शन नहीं करने की समझाइश दी। इस पर छात्रों ने आश्वस्त किया कि उनका आंदोलन पूरी तरह शांतिपूर्ण रहेगा और किसी भी आम नागरिक को असुविधा नहीं होने दी जाएगी। वही दयाल वासनिक ने कहा कि उनका उद्देश्य किसी प्रकार का व्यवधान उत्पन्न करना नहीं, बल्कि शिक्षा व्यवस्था में सुधार, छात्रों के भविष्य की सुरक्षा और परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता की मांग को लोकतांत्रिक तरीके से सरकार तक पहुंचाना है। प्रदर्शन के बाद छात्र शांतिपूर्वक अपने-अपने गंतव्य के लिए रवाना हो गए।

हार्ड ड्यूटी व वसूली के आधार पर पदोन्नति से वंचित वन कर्मचारियों ने उठाई आवाज

वन एवं वन्य प्राणी संरक्षण कर्मचारी संघ ने मुख्य वन संरक्षक को सौंपा ज्ञापन, पदोन्नति नियम 2025 में संशोधन और 20 कर्मचारियों को पदोन्नति देने की करी मांग

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मध्यप्रदेश वन एवं वन्य प्राणी संरक्षण कर्मचारी संघ, जिला बालाघाट ने चौथी हार्ड ड्यूटी, वसूली एवं प्रतावसूली के आधार पर पदोन्नति से वंचित किए गए वन कर्मचारियों के हित में मुख्य वन संरक्षक, वन वृत्त बालाघाट को ज्ञापन सौंपकर पदोन्नति नियम-2025 में संशोधन की मांग की है। संघ का कहना है कि कई वन कर्मचारियों को बिना किसी जांच या स्पष्ट कारण बताए पदोन्नति सूची से बाहर रखा गया है। इससे कर्मचारियों में असंतोष व्याप्त है वही उनके भविष्य, सम्मान और सामाजिक प्रतिष्ठा पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है।ज्ञापन में बताया गया कि सामान्य वनमंडल के कर्मचारियों को कई बार ऐसी परिस्थितियों में वसूली या प्रतावसूली का सामना करना पड़ता है, जिनमें उनकी प्रत्यक्ष गलती नहीं होती।वहीं उत्पादन वनमंडल के कर्मचारियों को भी विभागीय कार्यों के दौरान वाहन संचालन, श्रमिकों की उपस्थिति, लकड़ी परिवहन सहित अन्य प्रशासनिक कारणों से प्रतिकूल परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है। संघ का आरोप है कि इन परिस्थितियों के आधार पर कर्मचारियों की पदोन्नति रोकना न्यायसंगत नहीं है।

कर्मचारियों को दिया जाए पदोन्नति का लाभ

संघ पदाधिकारियों के अनुसार पदोन्नति नियम -2025 में ऐसे प्रावधान हैं जिनके कारण जिन कर्मचारियों पर वसूली अथवा प्रतावसूली लंबित है या किसी प्रकार का आरोप दर्ज है, उन्हें पदोन्नति से वंचित किया जा रहा है। जबकि कई मामलों में वसूली राशि बाद में जमा हो जाती है अथवा परिस्थितिजन्य कारणों से मामला उत्पन्न होता है।संघ ने मांग की है कि पदोन्नति नियम-2025 के नियम 40(2) में संशोधन कर वसूली, शासन के प्रति राजस्व हानि एवं एफआईआर से जुड़े अंकों के प्रावधान पर पुनर्विचार किया जाए। साथ ही 10 जुलाई 2026 को जारी पदोन्नति आदेश की समीक्षा करते हुए ऐसे कर्मचारियों को भी पदोन्नति का लाभ दिया जाए, जिनकी वसूली बाद में जमा हो चुकी है या जिनकी वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो चुकी है।ज्ञापन के साथ संघ ने 20 पदोन्नति से वंचित कर्मचारियों की सूची भी संलग्न की है विभाग से शीघ्र निर्णय लेकर न्यायोचित कार्रवाई करने की मांग की है। संघ का कहना है कि इससे कर्मचारियों का मनोबल बढ़ेगा और विभागीय कार्यों में भी सकारात्मक प्रभाव देखने को मिलेगा।

हाई स्कूल मार्ग पर अज्ञात वाहन ने हाई मास्क लाइट के चबूतरे को मारी जोरदार टक्कर, बड़ा हादसा टला

चबूतरा एवं पोल हुआ क्षतिग्रस्त, अज्ञात वाहन की पंचायत कर रही पतासाजी

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

नगर के सबसे व्यस्ततम और महत्वपूर्ण माने जाने वाले हाई स्कूल मार्ग पर बीती रात एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। रात के अंधेरे में किसी अज्ञात वाहन ने मार्ग पर लगी हाई मास्क लाइट के चबूतरे को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि स्ट्रीट लाइट का सीमेंटेड चबूतरा पूरी तरह से टूटकर क्षतिग्रस्त हो गया एवं जिस पोल पर हाई मास्क लाइट लगा हुआ था उसे भी नुकसान पहुंचा है। जिसके चलते लाइट बंद हो चुकी है और मैन चौक पर अंधेरा रहने से आवागमन करने वालों को परेशानियों का भी सामना करना पड़ा। गनीमत यह रही कि पोल सीधे तौर पर गिरकर नहीं टूटा, अन्यथा एक बड़ी दुर्घटना घटित हो सकती थी।

दिन के समय होती घटना, तो मच सकती थी चीख-पुकार

आपकों बता दे कि ग्राम पंचायत पांढरवानी के द्वारा लालबर्रा के हाई स्कूल मार्ग सड़क के डिवाईडर के बीच में दो स्थानों पर हाई मास्क लाइट वं अन्य स्थानों पर स्ट्रीट लाइट लगाई गई है जिससे रात्रि में प्रकाश की व्यवस्था बनी रहती है। लेकिन बीती रात्रि में अज्ञात चौपहिया वाहन चालक ने राजाभोज जैविक/प्राकृतिक कृषि उपज मंडी काम्पलेक्स के समीप, माँ सरस्वती मंच, पोस्ट आफिस कार्यालय के सामने स्थित हाई मास्क लाइट के चबूतरे को जबरदस्त टक्कर मार दी। जिससे वह क्षतिग्रस्त हो चुका है। जिस तरह से सीमेन्ट का चबूतरा क्षतिग्रस्त हुआ है जिससे अनुमान लगाया जा रहा है कि वाहन तेज गति में रहा होगा। अगर यह घटना दिन के समय होता तो बडी दुर्घटना घटित हो सकती थी क्योंकि यह एक व्यस्तम मार्ग है और समीप में स्कूल भी है। लोगों का आवागमन जारी रहता है वे उसकी चपेट में आ सकते थे लेकिन रात्रि के समय होने के कारण बड़ी दुर्घटना टल गई। किन्तु संभावना व्यक्त की जा रही है कि वाहन में सवार व्यक्तियों को चोटे आई होगी लेकिन किस चौपहिया वाहन से यह हाई मास्क लाइट का चबूतरा क्षतिग्रस्त हुआ है जिसकी जानकारी सामने नही आई है। लेकिन पांढरवानी पंचायत के द्वारा घटना स्थल के आसपास लगे सीसीटीव्ही कैमरे के फुटेज देखे जा रहे है और अज्ञात चौपहिया वाहन की भी पतासाजी की जा रही है ताकि शासकीय संपत्ति को नुकसान पहुंचाने वाले उक्त वाहन चालक पर वैधानिक कार्यवाही की जा सके। वहीं स्थानीय नागरिकों और राहगीरों का कहना है कि यह घटना यदि दिन के समय हुई होती, तो जान-माल का बड़ा नुकसान हो सकता था। हाई स्कूल मार्ग नगर मुख्यालय का एक बेहद व्यस्त और वीआईपी मार्ग माना जाता है। इस मार्ग पर तहसील कार्यालय, शासकीय स्कूल, कॉलेज सहित कई प्रमुख सरकारी कार्यालय और व्यावसायिक प्रतिष्ठान स्थित हैं। इस वजह से दिनभर इस मार्ग पर छात्र-छात्राओं, अधिकारियों और आम जनता की भारी आवाजाही लगी रहती है। रात का समय होने के कारण सड़क सूनी थी, जिससे कोई हताहत नहीं हुआ। अगर दिन के व्यस्त समय में कोई अनियंत्रित वाहन इस तरह टक्कर मारता, तो वहां मौजूद लोग इसकी चपेट में आ सकते थे।

अज्ञात वाहन चालक की तलाश जारी, सुरक्षा पर उठे सवाल

घटना को अंजाम देने के बाद अज्ञात वाहन चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया। अंधेरे का फायदा उठाकर भागने वाले इस वाहन की तलाश की जा रही है। इस घटना ने एक बार फिर रात के समय नगर की सड़कों पर तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाने वालों पर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े कर दिये हैं। वहीं सड़क के बीचों-बीच क्षतिग्रस्त पड़े चबूतरे के मलबे से अब दिन के समय यातायात बाधित होने और अन्य वाहनों के दुर्घटनाग्रस्त होने का खतरा बना हुआ है। स्थानीय लोगों ने स्थानीय प्रशासन और संबंधित विभाग से मांग की है कि क्षतिग्रस्त चबूतरे और स्ट्रीट लाइट की तत्काल मरम्मत करवाई जाये, अज्ञात वाहन और उसके चालक की पहचान कर उचित कानूनी कार्यवाही करने, रात के समय नगर के मुख्य मार्गों पर भारी वाहनों की गति सीमा तय करने के लिए पुलिस गश्त बढ़ाये जाने की मांग की है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से चबूतरा हुआ है क्षतिग्रस्त - अनीस

दूरभाष पर चर्चा में पांढरवानी सरपंच अनीस खान ने बताया कि लालबर्रा के हाई स्कूल मार्ग माँ सरस्वती मंच, पोस्ट आफिस कार्यालय के सामने स्थित हाई मास्क लाइट के चबूतरे को बीती रात्रि में अज्ञात चौपहिया वाहन चालक ने जबरदस्त टक्कर मार दी, जिससे वह क्षतिग्रस्त हो चुका है। श्री खान ने बताया कि अज्ञात वाहन की पतासाजी की जा रही है एवं पुलिस थाने में शिकायत भी की जायेगी और पुलिस प्रशासन से मांग है कि चबूतरे व हाई मास्क लाइट को नुकसान पहुंचाने वाले अज्ञात वाहन चालक पर कठोर कार्यवाही करें।

लालबर्रा में पहली बार धूमधाम से निकली भगवान जगन्नाथ की भव्य रथ यात्रा, उमड़ा श्रध्दा का जनसैलाब

श्री मनकामेश्वर मंदिर में विधि-विधान से हुई पूजा अर्चना, महाआरती एवं भंडारा का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर के धार्मिक इतिहास में आज सोमवार 20 जुलाई को एक स्वर्णिम अध्याय जुड़ गया। सर्व हिन्दू संगठन लालबर्रा और इस्कॉन मंदिर (बालाघाट) के संयुक्त तत्वाधान में लालबर्रा में पहली बार भगवान जगन्नाथ की पावन व भव्य रथ यात्रा अत्यंत हर्षोल्लास और गरिमामय

वातावरण में निकाली गई। इस ऐतिहासिक पल का साक्षी बनने के लिए पूरा क्षेत्र सनातनी रंग में रंग गया और सड़कों पर श्रध्दा का अभूतपूर्व जनसैलाब उमड़ पड़ा।

अमोली बजरंग मंदिर से शुरू हुआ आस्था का सफर

लालबर्रा में पहली बार धूमधाम से निकाली गई भगवान जगन्नाथ भी भव्य रथयात्रा। यह यात्रा शाम 5 बजे अमोली स्थित बजरंग मंदिर में विधि-विधान पूर्वक पूजा-अर्चना और आरती की गई। तत्पश्चात भगवान जगन्नाथ, भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा के विग्रहों को भव्य रूप से सजाये गये रथ पर विराजमान करवाया गया। जिसके बाद डीजे की धुन पर रथयात्रा निकाली गई। जैसे ही भक्तों ने जय जगन्नाथ और हरे कृष्णा के उदघोष के साथ रथ के रस्से को खींचना शुरू किया, पूरा माहौल भक्तिमय हो उठा। अमोली से शुरू हुए रथ यात्रा का जगह-जगह स्वागत किया गया और रथ पर फूलों की वर्षा भी की गई। साथ ही उपस्थित श्रध्दालुओं ने भक्ति गीतों पर जमकर नृत्य भी किये। यह रथयात्रा अमोली एवं नगर मुख्यालय का भ्रमण करते हुए अपने अंतिम गंतव्य मानपुर हॉस्पिटल कॉलोनी स्थित मनकामेश्वर मंदिर पहुंची। जहां मंत्रोच्चार के बीच भगवान की भव्य महाआरती उतारी गई, जिससे क्षेत्र का वातावरण गुंजायमान हो उठा। वहीं रथ यात्रा के समापन के पश्चात आयोजित विशाल भंडारे में हजारों धर्मप्रेमियों ने पूरी श्रध्दा के साथ महाप्रसाद ग्रहण किया। पहली बार निकली भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा में बड़ी संख्या में श्रध्दालुजन शामिल होकर भगवान के दर्शन कर पुण्य लाभ अर्जित किये। जिससे नगर मुख्यालय भक्तिमय नजर आया।

सनातन संस्कृति को मजबूत करने का सफल प्रयास

आयोजन समिति के पदाधिकारियों ने इस ऐतिहासिक आयोजन की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा लालबर्रा के इतिहास में यह पहला अवसर था जब भगवान जगन्नाथ स्वयं नगर भ्रमण पर निकलकर भक्तों को दर्शन देने पहुंचे। एक कदम प्रभु की ओर, एक संकल्प सनातन के लिए का यह ध्येय वाक्य आज पूरी तरह सार्थक सिध्द हुआ। इस यात्रा ने सर्वसमाज को एक सूत्र में पिरोने का काम किया है। वहीं पहली बार हो रहे इस विशाल आयोजन को लेकर सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाये रखने के लिए पुलिस प्रशासन के साथ मिलकर वॉलिंटियर्स मुस्तैद रहे, जिससे पूरी यात्रा गरिमापूर्ण और शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुई। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रध्दालुजन उपस्थित रहे।

सड़क मरम्मत कार्य के चंद दिनों बाद ही हाईवे मार्ग खस्ताहाल

बालाघाट-सिवनी हाईवे मार्ग पर बने गड्ढे दुर्घटना को दे रहे आमंत्रण, जिम्मेदार मौन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से होकर गुजरे बालाघाट से सिवनी हाईवे पहुंच मार्ग की स्थिति एक बार फिर दयनीय हो गई है। कंजई से लेकर गर्रा तक यह मुख्य मार्ग पूरी तरह से गड्डों में तब्दील हो चुका है, जिससे जगह-जगह जानलेवा स्थिति निर्मित हो रही है। विगत दिनों ही सड़क विभाग द्वारा इस मार्ग में बने गड्डों का मरम्मत कार्य करवाया गया था परंतु यह कार्य इतना गुणवत्ताहीन किया गया था कि चंद दिनों के अंदर ही सड़क की हालत जस की तस हो गई है। डामर उखड़ने के कारण सड़क पर दोबारा गहरे गड्डे उभर आये हैं, जिससे राहगीरों और वाहन चालकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। लगातार हो रही दुर्घटनाओं के बावजूद जिम्मेदार विभाग मौन साधे बैठा है, जिसे क्षेत्रवासियों में शासन-प्रशासन के प्रति भारी रोष व्याप्त है।

खानापूर्ति साबित हुई मरम्मत, बारिश के पानी से बढ़ी आफत

आपकों बता दें कि बालाघाट से सिवनी हाईवे मार्ग में लालबर्रा बस स्टैंड से मजार तक एवं अन्य स्थानों पर सड़क विभाग ने कुछ दिनों पूर्व ही जानलेवा गड्डों को भरने का काम किया था। लेकिन तकनीकी मानकों की अनदेखी और घटिया निर्माण सामग्री के उपयोग के कारण कुछ ही दिनों में डामर उखड़ने लगा है। वर्तमान में स्थिति यह है कि इन जानलेवा गड्डों में बारिश का पानी जमा हो गया है। इसके चलते स्कूली बच्चों, राहगीरों और ग्रामीणों को आवागमन करने में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही गड्डों में पानी जमा होने से दुर से गड्डे दिखाई नही दे रहे है जिससे दुर्घटनाएं भी घटित हो रही है। राहगीरों ने बताया कि यह हाईवे बालाघाट से सिवनी और छिंदवाड़ा होते हुए प्रदेश की राजधानी भोपाल को जोड़ने वाला एक अत्यंत महत्वपूर्ण मार्ग है। इसके बावजूद विभाग द्वारा मरम्मत के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति की गई, जो अब जनता के लिए जी का जंजाल बन चुकी है। इसलिए शासन-प्रशासन से मांग है कि मरम्मत कार्य में अनियमितता बरतने वाले संबंधित अधिकारियों और ठेकेदार पर सख्त कार्यवाही करने, सड़क में बने गड्डों का गुणवत्तापूर्ण मरम्मत कार्य करवाने, बरसात का मौसम समाप्त होने के बाद इस मार्ग के लिए स्वीकृत हो चुकी फोरलेन सड़क का निर्माण कार्य अविलंब प्रारंभ किये जाने की मांग की है ताकि क्षेत्र की जनता को इस स्थाई समस्या और आये दिन हो रहे हादसों से निजात मिल सके।

हाईवे मार्ग में बने जानलेवा गड्डे, दुर्घटना को दे रहे न्यौता - दीपक

जनपद सदस्य दीपक कावरे ने बताया कि बालाघाट से सिवनी हाईवे मार्ग का खस्ताहाल हो चुका है और करीब एक सप्ताह पहले ही इस मार्ग पर गड्डों को भरने और मरम्मत का कार्य किया गया था। लेकिन यह मरम्मत कार्य इतना घटिया और गैर-जिम्मेदाराना था कि महज कुछ ही दिनों में सड़क की स्थिति पहले से भी 'यादा खराब हो गई है। वर्तमान में मानपुर पुलिया, सिहोरा, पाथरशाही, मजार के समीप, बस स्टैण्ड सहित अन्य स्थानों पर जगह-जगह जानलेवा गड्डे बन गये है जिससे आये दिन दुर्घटनाएं घटित हो रही है। साथ ही स्कूल प्रारंभ हो चुके है, सड़क खराब होने से बच्चों को आवागमन करने वालों को बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है और गड्डों का जो मरम्मत कार्य किया गया है वह मरम्मत के नाम पर सिर्फ औपचारिकता पूरी की गई थी। श्री कावरे ने बताया कि इस मार्ग के निर्माण को लेकर अब तक 3-4 बार घोषणाएं हो चुकी हैं और कागजों पर भी स्वीकृति मिल चुकी है, लेकिन जमीनी स्तर पर कोई काम नहीं हुआ। हाल ही में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के सिवनी आगमन के दौरान भी इस मार्ग को लेकर पुनः उन्होने घोषणा की है, जो कि इस सड़क के संबंध में चौथी या पांचवीं घोषणा है। लेकिन अब तक काम शुरू नही हो पाया है। माननीय विधायक एवं सांसद महोदया जी से अपील है वे इस गंभीर मुद्दे को विधानसभा और लोकसभा में पूरी प्रखरता के साथ उठाये। जब तक इस सड़क का स्थाई और गुणवत्तापूर्ण निर्माण कार्य पूरा नहीं हो जाता, तब तक जनप्रतिनिधियों को लगातार सदन में अपनी आवाज बुलंद रखनी चाहिए। जल्द ही सड़क का सुदृढ़ीकरण नहीं किया गया, तो क्षेत्र की जनता के साथ मिलकर उग्र कदम उठाने बाध्य होना पड़ेगा।

मिरेगांव की पूर्व पंच श्रीमती गितेश्वरी चौधरी का शोकाकुल माहौल में किया गया अंतिम संस्कार

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 5 किमी दूर ग्राम पंचायत मिरेगांव के वार्ड नंबर 2 की पूर्व पंच श्रीमती गितेश्वरी/ धनपाल चौधरी का 19 जुलाई को हद्यगति रूक जाने से दु:खद निधन हो गया। जिनका अंतिम संस्कार 20 जुलाई को मिरेगांव स्थित मोक्षधाम में शोकाकुल माहौल में किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार मिरेगांव की वार्ड नंबर 2 की पूर्व पंच श्रीमती गितेश्वरी चौधरी बीते फरवरी 2026 से कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से जूझ रही थीं। जिनका उपचार रायपुर के एम्स अस्पताल में चल रहा था। जहां उपचार के दौरान रविवार को प्रात: साढे ग्यारह बजे हद्यगति रूक जाने से दु:खद निधन हो गया। निधन की खबर लगते ही चित, परिचितों एवं परिजनों में शोक की लहर व्याप्त हो गई। स्व. श्रीमती गितेश्वरी चौधरी सरल, स्वभाव व मृदुभाषी की धनी थी, अपने पीछे पति, एक पुत्र और दो पुत्रियों सहित भरा-पूरा परिवार छोड़ गई हैं। जिनका अंतिम संस्कार 20 जुलाई को मिरेगांव स्थित मोक्षधाम में शोकाकुल माहौल में किया गया। इस अवसर पर उपस्थितजनों ने दो मिनट का मौन धारण कर मृतात्मा की शांति एवं परिवार को दु:ख सहन करने की शक्ति प्रदान करने ईश्वर से कामना की है।

सीएम हेल्पलाइन शिकायतों के निराकरण में बालाघाट प्रदेश में प्रथम

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मुख्यमंत्री हेल्पलाइन के अंतर्गत वित्त विभाग से संबंधित शिकायतों के निराकरण में बालाघाट जिले ने जून माह में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। जिले को यह उपलब्धि शिकायतों के त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण के आधार पर मिली है। अग्रणी जिला प्रबंधक श्री संजीव कुमार ने बताया कि जून माह में वित्त विभाग से संबंधित कुल 94 शिकायतें प्राप्त हुई थीं, जिनमें से 92 शिकायतों का निर्धारित समय सीमा में संतोषजनक निराकरण किया गया। जिले का कुल वेटेज 99.06 प्रतिशत दर्ज किया गया, जो प्रदेश में सर्वोच्च रहा। उन्होंने बताया कि 60 दिवस से अधिक लंबित शिकायतों के निराकरण में जिले को 20 में से 19.70 अंक प्राप्त हुए। वहीं निम्न गुणवत्ता से बंद की गई शिकायतों तथा नॉन-अटेंडेड शिकायतों की श्रेणी में जिले ने 10 में से पूरे 10 अंक हासिल किए। इस उल्लेखनीय सफलता के लिए प्रतिदिन शिकायतों की प्रगति की निगरानी की गई। बैंकों के एल-1, एल-2 अधिकारियों, शाखा प्रबंधकों एवं जिला समन्वयकों से लगातार संपर्क बनाए रखा गया। शिकायतकर्ताओं को कॉन्फ्रेंस कॉल के माध्यम से जोड़कर उनकी समस्याओं का समयबद्ध समाधान कराया गया। शिकायतकर्ता का कार्य पूर्ण होने तक बैंक और संबंधित व्यक्ति से निरंतर संपर्क बनाए रखते हुए शिकायतों का संतोषजनक निराकरण सुनिश्चित किया गया। इस उपलब्धि का श्रेय कलेक्टर श्री मृणाल मीणा के प्रभावी मार्गदर्शन, जिले के सभी बैंक शाखा प्रबंधकों, एलडीएम कार्यालय के अधिकारियों तथा समस्त कार्यालयीन स्टाफ की टीम भावना और कड़ी मेहनत को दिया गया।

शासकीय प्राथमिक शाला तुमडीटोला में किचन शेड बदहाल

ऑफिस कक्ष में बन रहा मध्यान्ह भोजन, दुर्घटना की बनी हैं संभावना

पद्मेश न्यूज । वारासिवनी । वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत सावंगी के तुमड़ीटोला स्थित शासकीय प्राथमिक शाला में कुछ वर्षो से गंभीर समस्या बनी हुई है। स्कूल का किचन शेड बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो जाने के कारण यहाँ छात्र छात्राओं के लिए मध्यान्ह भोजन स्कूल भवन के ऑफिस कक्ष में तैयार किया जा रहा है। इससे ना केवल विद्यार्थियों के अध्ययन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है, बल्कि भविष्य में किसी अनहोनी या हादसे की आशंका भी लगातार बनी हुई है।

क्षतिग्रस्त किचन शेड में भोजन बनाना असंभव

प्राप्त जानकारी के अनुसार शासकीय प्राथमिक शाला तुमड़ीटोला स्कूल परिसर में पूर्व में निर्मित किचन शेड देखरेख के अभाव और जर्जर स्थिति के चलते पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुका है। शेड की स्थिति इतनी दयनीय हो चुकी है कि वहाँ भोजन पकाना संभव नहीं है। स्कूल भवन में छपरी तीन कमरे हैं जिसमें ऑफिस कक्ष में मजबूरीवश भोजन पकाने का कार्य किया जा रहा है। भवन के ऑफिस कक्ष में चूल्हा जलाकर भोजन तैयार किए जाने से हलचल के कारण विद्यार्थियों का ध्यान भटक रहा हैं। जिससे शैक्षणिक वातावरण प्रभावित हो रहा है इसके अलावा छोटे बच्चों की मौजूदगी के बीच रसोई में गैस का काम होने से हर समय दुर्घटना की आशंका बनी

रहती है। ग्राम के निवासियों और स्कूल प्रबंधन के द्वारा इस गंभीर समस्या को लेकर शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को कई बार लिखित व मौखिक रूप से अवगत कराया जा चुका है। इसके बावजूद अब तक ना तो जर्जर हो चुके किचन शेड की मरम्मत कराई गई है और ना ही नए किचन शेड के निर्माण की दिशा में कोई ठोस कदम उठाया गया है। ग्रामीणों और स्कूल प्रबंधन ने शासन प्रशासन से मांग की है कि विद्यार्थियों की सुरक्षा और सुचारू अध्ययन व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए जल्द से जल्द नए किचन शेड का निर्माण कराया जाए या मौजूदा शेड की मरम्मत करवायी जायें।

एक ही भवन में मध्यान भोजन बनाना और बच्चों को शिक्षा देने का काम चल रहा है-जयनीला पंचेश्वर

ग्रामीण जयनीला पंचेश्वर ने बताया की तुमड़ीटोला प्राथमिक शाला में मेरे बच्चे पढ़ने के लिए जाते हैं अभी उन्होंने स्कूल जाना शुरू ही किया है। स्कूल में किचन शेड मध्यान भोजन बनाने के लिए अलग से बनाना चाहिए अभी एक ही भवन में मध्यान भोजन बनाना और बच्चों को शिक्षा देने का काम चल रहा है। यहाँ कभी भी दुर्घटना घटित हो सकती है कुकर में खाना बनता है तो वह फट सकता है या गैस में खाना बनाते हैं। हादसे बताकर नहीं होते हैं आज तक नहीं हुआ तो आगे भी नहीं होगा ऐसा नहीं है जिम्मेदार अधिकारी ध्यान देना चाहिए।

किचन शेड उपलब्ध नहीं है जिससे मध्यान भोजन बनाने में भारी परेशानी हो रही है-दिनेश बिसेन

शिक्षक दिनेश बिसेन ने बताया कि किचन शेड यहां पर उपलब्ध नहीं है पहले जहां पर था वहां पंप घर बना है। फि लहाल ऑफ्सि में मध्यान भोजन बनवाया जा रहा है यह जानकारी हमने अधिकारियों को दे दी है उनके संज्ञान में सभी चीज हैं। मैं वर्ष २०१६ में यहां आया था तब से यहां पर खाना बन रहा है पंचायत एवं विभाग को जानकारी है की स्कूल में किचन शेड नहीं है। जो किचन शेड है वह जर्जर है वहां खाना नहीं बना सकते हैं इसलिए यहां बना रहे हैं यह अलग से किचन शेड बनना चाहिए।

इनका कहना हैं

दूरभाष पर चर्चा में बताया कि तुमड़ीटोला स्कूल की यह समस्या हमारे संज्ञान में है। इस संबंध में पूर्व में हमारे द्वारा प्रस्ताव तैयार कर वरिष्ठ अधिकारियों को देकर मांग की गई थी। परंतु वर्तमान तक कुछ हो नहीं पाया है इस संबंध में पुनः अधिकारियों से चर्चा की जायेगी।

सतेन्द्र शरणागत
बीआरसी वारासिवनी

दिल्ली आंदोलन के समर्थन में नगर में निकली आक्रोश रैली

जमकर हुई नारेबाजी, धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की उठी मांग

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर में नागरिकों एवं विधार्थियो के द्वारा २० जुलाई को एकजुट होकर दिल्ली में शांतिपूर्वक चल रहे आंदोलन के समर्थन में तथा उसे समाप्त कराने के प्रयासों के विरोध में विशाल आक्रोश रैली निकाली कर सरकार की नीतियों के खिलाफ जमकर विरोध दर्ज कराया। आक्रोश रैली की शुरुआत महात्मा ज्योतिबा राव फुले चौक से हुई। डीजे पर गूंजते देशभक्ति गीतों के बीच नागरिकों का हुजूम रामपायली रोड से होते हुए आगे बढ़ा। रैली नगर के प्रमुख मार्गों और चौक.चौराहों में दीनदयाल चौक, बस स्टैंड, जय स्तंभ चौक, नेहरू चौक और आंबेडकर चौक से गुजरती हुई विभिन्न गलियों का भ्रमण कर वापस जय स्तंभ चौक पहुंची। चौक पर पहुंचकर रैली धरना प्रदर्शन में बदल गई उपस्थित लोगों ने दिल्ली में शांतिपूर्ण ढंग से चल रहे धरने को खत्म करने की कोशिशों पर कड़ा आक्रोश व्यक्त कर सरकार पर जनभावनाओं की अनदेखी करने का आरोप लगाया और आंदोलकारियों का पूर्ण समर्थन किया। पूरे नगर भ्रमण के दौरान आक्रोशित नागरिकों के द्वारा जोरदार नारेबाजी कर शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा दो, इस्तीफ ा दो के नारे लगाए और अपनी मांगों के समर्थन में आवाज बुलंद की। प्रदर्शन के पश्चात रैली दीनदयाल चौक पहुंची जहां समापन किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में विद्यार्थी एवं गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

आजादी की लड़ाई हमने देखी नहीं यही हमारे लिए आजादी की लड़ाई है-प्रवीण डोंगरे

पार्षद प्रवीण डोंगरे ने बताया कि यह तारीख भारतीय इतिहास में महत्वपूर्ण दिन है। सारे कोचिंग संचालक वैज्ञानिक विद्वान लोग दिल्ली पहुंचे हैं सोनम वांगचुक जो भूख हड़ताल कर रहे थे उन्हें बर्बरता पूर्वक पुलिस ने उठा लिया। वह हमारे बच्चों के लिए २० दिन से वहां पर भूखे बैठे थे हम लोग दिल्ली नहीं गए तो उनके समर्थन में यहां आंदोलन कर रहे हैं। अच्छे विषय के लिए सामने लोगों को आना चाहिए गलत का विरोध करो किसी पार्टी संगठन का कोई भी व्यक्ति हो उसे देश में गलत हो तो बोलना चाहिए। जिंदगी क्या है रोज लोग मर रहे हैं कल हम मर जाएंगे मगर अच्छी बात के लिए आगे आना चाहिए। आजादी की लड़ाई हमने देखी नहीं परंतु यही हमारे लिए आजादी की लड़ाई है।

यह आंदोलन जनता का है हम सभी ने इसे सहयोग किया है-मनीष मिश्रा

मनीष मिश्रा ने कहा कि गलती होने पर किसी का तो दायित्व होना चाहिए ऐसा नहीं की बच्चों का भविष्य ही नहीं है। जब यह सिस्टम फेल हुआ तो उसकी जवाबदारी शिक्षा मंत्री भारत सरकार धर्मेंद्र प्रधान की थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को ध्यान देना था कि शिक्षा मंत्री का इस्तीफ ा ले और यह भी नहीं तो आंदोलन कर रहे सोनम वांगचुक से सरकार का कोई प्रतिनिधिमंडल या प्रतिनिधि को संपर्क करना था कि आपकी मांग उचित है । सुधार हम करेंगे पर ऐसा कुछ हुआ नहीं जिस कारण से आज यह सिविल मूवमेंट बन गया। यह बीजेपी कांग्रेस सपा बसपा किसी का नहीं जनता का आंदोलन है सभी ने इसे सहयोग किया है ,क्योंकि यह हमारे बच्चों के भविष्य का सवाल है और सरकार की होने वाली गलती की जिम्मेदारी का सवाल है।

सूर्यांश की चंदन नदी में डूबने से दर्दनाक मौत

दोस्तों के साथ गया था नहाने झाड़ियों में फंसा मिला शव

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के किनारे से होकर बहने वाली चंदन नदी में रविवार को डूबे ११ वर्षीय सूर्यांश देशमुख का शव सोमवार सुबह घटना स्थल से करीब २०० मीटर दूरी पर बरामद कर लिया गया। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद उसे परिजनों

को सौंप दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सूर्यांश पिता देवेंद्र देशमुख उम्र ११ वर्ष रविवार १९ जुलाई को अपने साथी बच्चों के साथ रोज़ की तरह खेल रहा था। इसी दौरान बच्चे साइकिल लेकर चंदन नदी की ओर चले गए और नदी में स्नान करने लगे। नहाते समय सूर्यांश अचानक गहरे पानी में गायब हो गया ,घबरायें साथी बच्चे बिना किसी को बताए चुपचाप अपने घर लौट आए। शाम करीब ५ बजे तक सूर्यांश के घर नही पहुँचने पर परिजनों ने साथ खेल रहे बच्चों से कड़ाई से पूछताछ की तब जाकर उन्होंने नदी में डूबने की बात स्वीकार की। परिजन तुरंत नदी तट पर पहुँचे जहाँ सूर्यांश की साइकिल तो मिल गई पर बालक का पता नहीं चला। पुलिस को तत्काल सूचना दी गई लेकिन रात में अंधेरा अधिक होने के कारण खोज अभियान रोकना पड़ा। सोमवार सुबह से परिजन और वार्डवासी पुनः नदी तट पर बालक की तलाश में जुटे। जहाँ उन्हें घटना स्थल से लगभग २०० मीटर दूर पानी की ऊपरी सतह पर घास में बालक का शव फंसा हुआ दिखाई दिया। तत्पश्चात उनके द्वारा पुलिस को सूचना दी गई जिन्होंने मौके पर पहुँचकर शव को बाहर निकाला और पंचनामा कार्यवाही के बाद सिविल अस्पताल के शव गृह में पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया। पुलिस ने मामले में मर्ग दर्ज कर आगे की वैधानिक जाँच शुरू कर दी है। देवेंद्र देशमुख ने बताया कि सूर्यांश देशमुख मेरा लड़का है मैं घर से सुबह काम पर चला गया था तो मुझे करीब शाम ६.३० बजे घटना का पता चला। भैया ने बताया कि सूर्यांश नहीं है नदी से साइकिल लाये हैं सूर्यांश डूब गया घर में पता चला। यह चार से पांच बच्चे थे जो नदी गए थे इन्होंने आकर तुरंत नहीं बताया पूछने पर बताया कि सूर्यांश पानी में डूब गया है। हम सभी लोग नदी पर गए रात में ढूंढने के लिए टीम भी आई परंतु अंधेरा होने से वह नहीं उतरे। सुबह ही हम सभी लोग ढूंढने के लिए नदी में गए तो हमारे जवाई को घास में कुछ देखा और वहां जाकर देखें तो सूर्यांश था। नहाने वाली जगह से २०० मीटर की दूरी है हमने पुलिस को बताया और उसे बाहर निकाला यह जो साथ में बच्चे गए थे वह हमारे परिवार के ही हैं।

नहर सफाई में बड़ा खेल उजागर जेसीबी से हुआ काम, मजदूरों का मारा हक

शिकायत के बाद भी नहीं अधिकारियों पर कार्यवाही हुई

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। जल संसाधन विभाग वैनगंगा संभाग के अधर नहर अनुविभाग वारासिवनी में नहर सफाई कार्य में बड़ा घोटाला सामने आया है। आरोप है कि नियमों को दरकिनार कर मजदूरों की जगह जेसीबी मशीन से सफाई कराई गई। जिससे नहर कई जगह टूट.फूट गई और गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। ग्रामीणों के मुताबिक माइनर नहर खुर्सीपार से खैरी और खुर्सीपार से फोगल टोला तक सिर्फ ऊपर ऊपर दिखावटी सफाई की गई है, जबकि अंदर गाद और कचरा जस का तस पड़ा हुआ है। इससे साफजाहिर होता है कि काम सिर्फकागजों में पूरा दिखाने की कोशिश की गई है। सबसे बड़ा आरोप यह है कि ठेकेदार सावनकर बालाघाट ने मजदूरों को काम देने के बजाय मशीनों का उपयोग कर उनका हक छीन लिया। वहीं इस पूरे मामले मे कोमल गजभिये की भूमिका भी सवालों के घेरे में है। ग्रामीणों ने ठेकेदार और अधिकारियों के बीच मिलीभगत का आरोप लगाया है। इस मामले को लेकर भारत शिवहरे के द्वारा करीब एक महीने पहले मुख्यमंत्री हेल्पलाइन १८१ पर शिकायत दर्ज कराई गई थी। लेकिन हैरानी की बात यह है कि आज तक कोई ठोस कार्यवाही नहीं हुई। इससे विभाग की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठने लगे हैं। खैरलांजी जनपद उपाध्यक्ष दुर्गा प्रसाद लिल्हारे ने चर्चा कर बताया कि अगर जल्द कार्यवाही नहीं हुई तो आंदोलन किया जाएगा। इस लापरवाही का सीधा असर किसानों पर पड़ेगा। नहर सही तरीके से साफ नहीं होने के कारण सिंचाई व्यवस्था प्रभावित हो सकती है। इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर सख्त कार्यवाही और भ्रष्टाचार में शामिल अधिकारियों को निलंबित करने की मांग की है।

ओवरब्रिज के पास अज्ञात बाइक की टक्कर से युवती घायल जिला अस्पताल रिफर

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के वार्ड क्रमांक ४ स्थित बालाघाट मार्ग पर ओवरब्रिज के पास २० जुलाई को एक सड़क हादसा सामने आया है। इसमें अज्ञात मोटरसाइकिल चालक ने स्कूटी सवार २७ वर्षीय युवती को ज़बरदस्त टक्कर मार दी और मौके से फरार हो गया। हादसे में युवती गंभीर रूप से घायल हो गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सुनार काकोड़ी लांजी निवासी एवं वर्तमान में वार्ड नंबर ४ में रह रही प्रियंका पिता रामप्रसाद बड़गैया २७ वर्ष नगर की बीएसएस फ इनेंस कंपनी में जॉइनिंग के सिलसिले में गई हुई थी। वह कंपनी से वापस अपने घर ज़रूरी दस्तावेज़ लेने लौट रही थी तभी ओवरब्रिज के प्रारंभ में शिव मंदिर के सामने सड़क पार करते समय एक अज्ञात बाइक चालक ने उसकी स्कूटी को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज़ थी कि प्रियंका मौके पर ही गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गई।

आसपास के लोगों की मदद से उसे उठाया गया जबकि दुर्घटना के बाद बाइक चालक वाहन सहित मौके से भाग निकला। घटना की सूचना मिलते ही परिजन तुरंत पहुंचे और घायल युवती को सिविल अस्पताल ले जाया गया। जहाँ प्राथमिक उपचार के बाद सिर हाथ पैर और शरीर के विभिन्न हिस्सों में आई गंभीर चोटों को देखते हुए डॉक्टरों ने उसे बेहतर इलाज के लिए जिला चिकित्सालय रिफर कर दिया है।

वारासिवनी पुलिस ने बस स्टैंड पर चलाया नशे से दूरी है जरूरी नुक्कड़ जागरूकता अभियान

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के बस स्टैंड परिसर में वारासिवनी पुलिस की ओर से जन जागरूकता के उद्देश्य से एक नुक्कड़ अभियान का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आम नागरिकों और राहगीरों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना और उन्हें हर प्रकार के व्यसन से दूर रहने के लिए प्रेरित करना था। यह जागरूकता अभियान सहायक उप निरीक्षक हेमलता शुक्ला, प्रधान आरक्षक रामप्रसाद भरने एवं आरक्षक ओमकार उइके सहित पुलिस विभाग के अन्य कर्मचारियों की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुआ। इस दौरान पुलिस अधिकारियों ने नशे से दूरी है जरूरी विषय पर उपस्थित जनसमुदाय को अत्यंत सारगर्भित और प्रभावी ढंग से समझाया। पुलिस टीम ने बस स्टैंड पर मौजूद लोगों, यात्रियों और स्थानीय दुकानदारों को संबोधित करते हुए कहा कि बीड़ी, सिगरेट, तंबाक, गुटका, शराब व अन्य हानिकारक नशीली वस्तुओं का सेवन स्वास्थ्य और परिवार दोनों के लिए अत्यंत घातक है। सार्वजनिक स्थानों पर तंबाकू और धूम्रपान से होने वाली बीमारियों तथा इससे समाज पर पड़ने वाले बुरे प्रभावों के प्रति विस्तार से जानकारी दी गई। पुलिस अधिकारियों ने नागरिकों से अपील की कि वे स्वयं को व्यसनमुक्त रखें और अपने आसपास के लोगों को भी नशे की लत से दूर रहने के लिए प्रेरित करें।

सदियों पुरानी परंपरा का जीवंत उत्सव है जगन्नाथ रथ यात्रा

भारत की धार्मिक और सांस्कृतिक परंपराएं अनादि काल से मानवता को आध्यात्मिकता, समरसता और भक्ति की राह पर चलने की प्रेरणा देती आई हैं। इन्हीं पवित्र परंपराओं में एक है उड़ीसा के पुरी में निकलने वाली जगन्नाथ रथ यात्रा, जो केवल एक धार्मिक उत्सव नहीं बल्कि करोड़ों आस्थाओं, परंपराओं और लोक मान्यताओं का प्रतीक है। हिंदू पंचांग के अनुसार, आषाढ़ मास के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि से शुरू हुई यह यात्रा नौ दिनों तक चलती है, जो 24 जुलाई को समाप्त होगी। इस दौरान भगवान जगन्नाथ अपने बड़े भाई बलराम और बहन सुभद्रा के साथ भव्य रथों पर सवार होकर पुरी के मुख्य मंदिर से निकलकर मौसी के घर गुंडिचा मंदिर तक की यात्रा करते हैं। यह आयोजन न केवल भारत के सबसे प्राचीन धार्मिक उत्सवों में से एक है बल्कि विश्व के सबसे बड़े वार्षिक सार्वजनिक आयोजनों में भी इसकी गिनती होती है, जिसमें लाखों श्रद्धालु देश-विदेश से भाग लेने आते हैं। पुरी का जगन्नाथ मंदिर भारत के चार प्रमुख धामों (बद्रीनाथ, द्वारका, रामेश्वरम और पुरी) में से एक है। यह मंदिर न केवल वास्तुकला की दृष्टि से विशिष्ट है बल्कि इसकी महत्ता धार्मिक ही नहीं, सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और आध्यात्मिक दृष्टि से भी अत्यंत विशिष्ट है। भगवान जगन्नाथ को विष्णु के अवतार के रूप में पूजा जाता है और यह मंदिर उनके भाई बलभद्र तथा बहन सुभद्रा के साथ विराजने वाले एकमात्र मंदिर के रूप में प्रसिद्ध है। रथ यात्रा के माध्यम से यह 'त्रिदेव' जब मंदिर की सीमाओं से बाहर निकलते हैं तो भक्तों के लिए यह अवसर होता है प्रभु को निकट से देखने, उनके रथ को खींचने और मोक्ष की दिशा में एक कदम बढ़ाने का। इस रथ यात्रा की परंपरा का उल्लेख स्कंद पुराण, ब्रह्म पुराण और अन्य पुरातन ग्रंथों में मिलता है। मान्यता है कि रथ यात्रा में भाग लेने और विशेषकर रथ खींचने से समस्त पापों का नाश होता है और व्यक्ति को जन्म-मरण के चक्र से मुक्ति मिलती है। यह यात्रा मानवीय समर्पण और भक्ति की पराकाष्ठा का जीवंत प्रदर्शन है, जहां हर कोई, चाहे वह राजा हो या आमजन, एक ही पंक्ति में खड़ा होकर भगवान की सेवा करता है। रथ यात्रा की सबसे अनूठी परंपरा है 'छेरा' की रस्म। यह रस्म रथ यात्रा के पहले दिन पुरी के राजा द्वारा निभाई जाती है, जिसमें वे सोने की झाड़ू से तीनों रथों की सफाई करते हैं। इस परंपरा का आध्यात्मिक और सामाजिक संदेश अत्यंत गहन है। एक राजा, जो स्वयं राज्य का सर्वोच्च होता है, भगवान के समक्ष स्वयं को एक सेवक मानकर झाड़ू लगाता है। यह प्रतीक है भगवान के समक्ष सभी के समान होने का, जहां न कोई ऊंचा है, न कोई नीचा। यह सामाजिक समरसता का वह आदर्श उदाहरण है, जो आज के समाज में अत्यंत आवश्यक है। जब लाखों की भीड़ 'जय जगन्नाथ' के उद्घोष के साथ इन रथों को खींचती है, तब वह केवल रथ नहीं खींच रही होती, वह अपनी भक्ति, आस्था, सेवा और आत्मशुद्धि की भावना को आगे बढ़ा रही होती है। भगवान जगन्नाथ, बलराम और सुभद्रा के रथों को नंदीघोष, तालध्वज और दर्पदलन कहा जाता है, जिन्हें हर वर्ष नए सिरे से विशेष प्रकार की नीम की लकड़ी से निर्मित किया जाता है। इन रथों का निर्माण विशेष रीति-रिवाज और शास्त्र सम्मत विधियों से होता है, जिसमें सैंकड़ों शिल्पकार और सेवक कई महीनों तक जुटे रहते हैं। हर रथ की अपनी आकृति, रंग, ध्वज और प्रतीक होते हैं, जो देवताओं के स्वरूप और गुणों का प्रतिनिधित्व करते हैं। रथों की ऊंचाई और आकृति निश्चित नियमों के अनुसार होती है। नंदीघोष रथ की ऊंचाई लगभग 45 फीट होती है और इसमें 16 चक्के होते हैं।

अमेरिकी जलवायु अनुसंधान संस्था क्लाइमेट सेंटर रिपोर्ट 2026 -क्या जलवायु परिवर्तन हमारी नींद चुरा रहा है?

वैश्विक स्तरपर पिछले कुछ वर्षों में जलवायु परिवर्तन पर अधिकांश चर्चा बाढ़,सूखा,समुद्र-स्तर वृद्धि और भीषण हीटवेव तक सीमित रही है।किंतु अब वैज्ञानिकों ने एक ऐसे प्रभाव की ओर ध्यान आकर्षित किया है,जो प्रत्यक्ष रूप से हर व्यक्ति के जीवन,स्वास्थ्य, उत्पादकता और अर्थव्यवस्था को प्रभावित करता है। वह है नींद का नुकसान (स्लीप लॉस)। अमेरिका की जलवायु अनुसंधान संस्था क्लाइमेट सेंटर द्वारा 2020 से 2025 के बीच विश्व के 1,300 से अधिक शहरों (लगभग 1,338 शहरों) पर किए गए विश्लेषण में पाया गया कि बढ़ते रात्रिकालीन तापमान के कारण एक औसत व्यक्ति वैश्विक स्तरपर प्रति वर्ष लगभग 56 घंटे की नींद खो रहा है। भारत के कई बड़े शहरों में यह नुकसान 65 से 93 घंटे प्रति वर्ष तक पहुँच गया है।अध्ययन में यह भी बताया गया कि इस तापमान- जनित नींद हानि का कम से कम लगभग 10 प्रतिशत भाग सीधे मानव-जनित जलवायु परिवर्तन से जुड़ा है।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र अधिवक्ता होने के नाते यह कहना चाहूंगा कि यहाँ एक महत्वपूर्ण तथ्य समझना आवश्यक है कि यह मूल दावा काफी हद तक सही है,लेकिन इसमें एक छोटा-सा स्पष्टीकरण आवश्यक है। अध्ययन यह नहीं कहता कि पूरे भारत का प्रत्येक नागरिक 65-93 घंटे की नींद खो रहा है,बल्कि यह आँकड़ा भारत के कई बड़े शहरों के लिए है। उदाहरण के तौर पर चेन्नई में लगभग 93 घंटे, मुंबई में लगभग 84 घंटे और कोलकाता में लगभग 80 घंटे वार्षिक नींद हानि का अनुमान लगाया गया। वैश्विक औसत लगभग 56 घंटे प्रतिवर्ष बताया गया। साथियों, भारत जैसे उष्ण कटिबंधीय देश में समस्या इसलिए अधिक गंभीर है क्योंकि यहाँ गर्मी अब केवल दिन तक सीमित नहीं रहती।पहले सूर्यास्त के बाद तापमान में पर्याप्त गिरावट आ जाती थी, जिससे शरीर को ठंडा होने और गहरी नींद (डीप स्लीप) में जाने का अवसर मिलता था। अब महानगरों में कंक्रीट, डामर, वाहनों की गर्मी और हरित क्षेत्र में कमी के कारण अर्बन हीट आइलैंड इफेक्ट विकसित हो गया है।परिणाम स्वरूप रात का तापमान भी ऊँचा बना रहता है और शरीर अपनी प्राकृतिक ताप- नियंत्रण प्रक्रिया पूरी नहीं कर पाता।यही कारण है कि भारत के अनेक शहरों में लोग यह अनुभव कर रहे हैं कि रात में भी बेचैनी बनी रहती है और नींद सटीकता से बार-बार टूटती है। साथियों,चिकित्सकीय दृष्टि से देखा जाए तो गहरी नींद मानव शरीर की प्राकृतिक मरम्मत प्रक्रिया है। इसी अवस्था में मस्तिष्क दिनभर की सूचनाओं को व्यवस्थित करता है,स्मरण शक्ति मजबूत होती है,प्रतिरक्षा तंत्र सक्रिय होता है,हार्मोन संतुलित होते हैं तथा हृदय एवं रक्त वाहिनियों को विश्राम मिलता है। यदि लगातार गहरी नींद कम हो जाए तो सबसे पहले मानसिक थकान, चिड़चिड़ापन निर्णय क्षमता में कमी और ध्यान केंद्रित करने में कठिनाई दिखाई देती है। इसके बाद धीरे-धीरे उच्च रक्तचाप, मधुमेह, मोटापा, हृदय रोग, स्ट्रोक, अवसाद, चिंता तथा रोग प्रतिरोधक क्षमता में कमी जैसी समस्याओं का खतरा बढ़ जाता है। साथियों, वैज्ञानिक शोध बताते हैं कि शरीर को सोने के लिए अपने आंतरिक तापमान को थोड़ा कम करना पड़ता है। यदि रात का वातावरण अधिक गर्म हो, तो यह प्राकृतिक प्रक्रिया बाधित होती है। व्यक्ति को नींद आने में अधिक समय लगता है,रात में कई बार जागना पड़ता है और सबसे महत्वपूर्ण,गहरी नींद का समय घट जाता है। यही कारण है कि सुबह उठने के बाद भी व्यक्ति स्वयं को थका हुआ महसूस करता है।इसका प्रभाव केवल स्वास्थ्य तक सीमित नहीं है। नींद की कमी सीधे अर्थव्यवस्था पर भी असर डालती है।पर्याप्त नींद न मिलने से कर्मचारियों की कार्यक्षमता घटती है, औद्योगिक दुर्घटनाओं का जोखिम बढ़ता है, विद्यार्थियों की सीखने की क्षमता प्रभावित होती है और स्वास्थ्य सेवाओं पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ता है। जब किसी देश की बड़ी आबादी लगातार कम गुणवत्ता वाली नींद लेने लगे तो उसका प्रभाव राष्ट्रीय उत्पादकता और आर्थिक विकास पर भी दिखाई देता है। साथियों, भारत में यह चुनौती इसलिए भी अधिक जटिल है क्योंकि यहाँ तेज़ी से शहरीकरण हो रहा है। कंक्रीट के जंगल, कम होते पेड़, एयर कंडीशनरों से निकलने वाली गर्म हवा, घनी आबादी और सीमित खुले स्थान शहरों को दिन और रात दोनों समय अधिक गर्म बनाए रखते हैं। गरीब और निम्न आय वर्ग के परिवार, जिनके पास पर्याप्त शीतलन व्यवस्था नहीं होती, इस समस्या से सबसे अधिक प्रभावित होते हैं।हाल के वर्षों में भारत के अनेक क्षेत्रों में यह भी देखा गया है कि गर्म रातों के दौरान अस्पतालों में हीट स्ट्रोक, निर्जलीकरण, उच्च रक्तचाप और हृदय संबंधी मामलों में वृद्धि होती है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि रात के समय शरीर को पर्याप्त ठंडक और आराम न मिले तो दिनभर की गर्मी से उत्पन्न तनाव समाप्त नहीं हो पाता, जिससे स्वास्थ्य जोखिम सटीकता से कई गुना बढ़ जाते हैं। साथियों, मानसिक स्वास्थ्य पर इसका प्रभाव भी अत्यंत गंभीर है। लगातार नींद की कमी व्यक्ति में अवसाद, चिंता तनाव,भावनात्मक अस्थिरता तथा निर्णय क्षमता में गिरावट ला सकती है। कई अध्ययनों ने संकेत दिया है कि जलवायु परिवर्तन और अत्यधिक गर्मी मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं को भी बढ़ा सकती है जिसमें विशेषकर उन समुदायों में जो पहले से सामाजिक या आर्थिक दबावों का सामना कर रहे हैं। इस चुनौती से निपटने के लिए केवल एयर कंडीशनर ही समाधान नहीं हैं। वैज्ञानिक शहरों में हरित क्षेत्र बढ़ाने,छतों पर परावर्तक (कूलरू?) तकनीक अपनाने,वर्षा जल संरक्षण, बेहतर वेंटिलेशन वाले भवन, शहरी वृक्षारोपण, ऊर्जा- कुशल निर्माण सामग्री और हीट एक्शन प्लान को अधिक प्रभावी बनाने की सलाह दे रहे हैं। साथ ही नागरिकों को भी रात में कमरे का तापमान कम रखने, पर्याप्त पानी पीने, सोने से पहले भारी भोजन और कैफीन से बचने तथा नियमित नींद का समय बनाए रखने जैसी आदतें सटीकता से अपनानी चाहिए। साथियों, जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न नींद का संकट सभी आयु वर्गों को समान रूप से प्रभावित नहीं करता। बच्चे, किशोर,गर्भवती महिलाएँ, बुजुर्ग और पहले से हृदय मधुमेह या श्वसन संबंधी रोगों से पीड़ित लोग सबसे अधिक जोखिम में हैं। बच्चों में गहरी नींद मस्तिष्क के विकास, सीखने की क्षमता, स्मरण शक्ति तथा शारीरिक वृद्धि के लिए अत्यंत आवश्यक होती है। यदि लगातार गर्म रातों के कारण उनकी नींद बाधित होती है तो पढ़ाई, व्यवहार, एकाग्रता और मानसिक विकास पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। युवाओं में नींद की कमी अवसाद, चिंता,डिजिटल लत, कार्यक्षमता में गिरावट और सड़क दुर्घटनाओं की संभावना बढ़ाती है।वहींबुजुर्गों में पहले से ही नींद हल्की होती है,इसलिए अत्यधिक गर्म रातें उनके लिए उच्च रक्तचाप, हृदयाघात और स्ट्रोक का खतरा और अधिक बढ़ा देती हैं। इस प्रकार जलवायु परिवर्तन का यह प्रभाव केवल पर्यावरणीय नहीं बल्कि पीढ़ियों के भविष्य और सार्वजनिक स्वास्थ्य से सटीकता से जुड़ा हुआ विषय बन गया है।

साथियों,भारत के महानगरों तथा तेजी से विकसित हो रहे मध्यम शहरों में कंक्रीट,डामर की सड़कों,ऊँची इमारतों वाहनों तथा एयर कंडीशनरों से निकलने वाली गर्म हवा के कारण अर्बन हीट आइलैंड प्रभाव तेजी से बढ़ रहा है। शहर दिनभर सूर्य की ऊष्मा को अपने भीतर संचित कर लेते हैं और रात के समय धीरे-धीरे उसे छोड़ते रहते हैं। परिणामस्वरूप ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में शहरों का रात्रिकालीन तापमान कई डिग्री अधिक बना रहता है। यही कारण है कि लोगों को देर रात तक बेचैनी महसूस होती है, बार-बार नींद खुलती है और सुबह उठने पर भी थकान बनी रहती है। यदि शहरी नियोजन में हरित क्षेत्र, जलाशय, खुली भूमि, वृक्षारोपण तथा कूल रूफ जैसी तकनीकों को प्राथमिकता नहीं दी गई तो आने वाले वर्षों में यह समस्या और गंभीर हो सकती है। हमें ध्यान देना होगा जलवायु परिवर्तन और अर्थव्यवस्था का अदृश्य संबंध नींद की कमी केवल व्यक्तिगत स्वास्थ्य का विषय नहीं बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए भी एक बड़ी चुनौती है। पर्याप्त नींद न मिलने से कर्मचारियों की उत्पादकता घटती है, निर्णय लेने की क्षमता कमजोर होती है, औद्योगिक दुर्घटनाओं की संभावना बढ़ती है तथा स्वास्थ्य सेवाओं पर अतिरिक्त वित्तीय बोझ पड़ता है। विश्व स्तर पर यदि करोड़ों लोग हर वर्ष दर्जनों घंटे कीगुणवत्तापूर्ण नींद खो रहे हैं तो उसका प्रभाव सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी), श्रम उत्पादकता, स्वास्थ्य बजट और सामाजिक कल्याण पर भी दिखाई देगा। इसलिए विशेषज्ञ अब जलवायु परिवर्तन को केवल पर्यावरण का नहीं बल्कि आर्थिक विकास, मानव पूंजी और राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धात्मकता का भी मुद्दा मान रहे हैं।

भारत के लिए समय की माँग सटीकता से राष्ट्रीय स्लीप हेल्थ मिशन हैं।

साथियों, भारत ने हीट एक्शन प्लान, राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम और जलवायु परिवर्तन से संबंधित अनेक योजनाएँ शुरू की हैं, किंतु अब आवश्यकता इस बात की है कि स्लीप हेल्थ को भी सार्वजनिक स्वास्थ्य नीति का हिस्सा बनाया जाए। राष्ट्रीय स्तर पर नींद संबंधी

जागरूकता अभियान, स्कूलों और कॉलेजों में स्वस्थ नींद की शिक्षा, अस्पतालों में स्लीप क्लीनिकों का विस्तार, शहरों में रात्रिकालीन तापमान की निगरानी तथा वैज्ञानिक शहरी नियोजन को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। यदि आज इस दिशा में समन्वित प्रयास किए जाते हैं तो भविष्य में करोड़ों लोगों को मानसिक और शारीरिक बीमारियों से बचाया जा सकता है। जलवायु परिवर्तन के विरुद्ध हरित विकास की नीति वास्तव में स्वस्थ और सुकूनभरी नींद की भी नीति है।

अत: अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन करे इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि अब जलवायु परिवर्तन का नया पैमाना होगी हमारी नींद अब यह स्पष्ट है कि जलवायु परिवर्तन अब केवल पर्यावरण का विषय नहीं रहा। यह मानव स्वास्थ्य,मानसिक संतुलन, उत्पादकता शिक्षा, अर्थव्यवस्था और जीवन की गुणवत्ता से जुड़ा वैश्विक मुद्दा बन चुका है। यदि बढ़ती गर्म रातों को नियंत्रित करने के लिए वैश्विक और स्थानीय स्तर पर प्रभावी कदम नहीं उठाए गए, तो आने वाले वर्षों में नींद का संकट भी जलवायु परिवर्तन की सबसे बड़ी सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौतियों में शामिल हो सकता है। इसलिए जलवायु परिवर्तन के विरुद्ध उठाया गया प्रत्येक कदम केवल पृथ्वी को बचाने का प्रयास नहीं होगा, बल्कि आने वाली पीढ़ियों की स्वस्थ, गहरी और सुकूनभरी नींद की रक्षा का भी संकल्प होगा।

-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं

साइबर ठगी से बचाव की समझ ही सबसे बड़ी सुरक्षा

मल्टी लेवल मार्केटिंग और पिरामिड स्कीम के जाल से युवाओं को बचाने का समय

देश में तेजी से बढ़ रही साइबर ठगी और फर्जी निवेश योजनाएं आज युवाओं के लिए सबसे बड़ी चुनौती बन चुकी हैं। बेरोजगारी और जल्दी अमीर बनने की चाह का फायदा उठाकर ठग नए नए तरीके अपनाते हैं। हाल ही में वाराणसी में साइबर क्राइम पुलिस ने एक ऐसे अंतरराज्यीय गिरोह का पर्दाफाश किया जिसने मल्टी लेवल मार्केटिंग और पिरामिड स्कीम के नाम पर एक हजार से अधिक युवाओं से करोड़ों रुपये की ठगी की। पुलिस ने इस मामले में मास्टरमाइंड समेत उन्नीस आरोपियों को गिरफ्तार किया और रोहनिया स्थित एक भवन से लगभग तीन सौ प्रशिक्षु युवक युवतियों को मुक्त कराया। जांच में सामने आया कि मास्टरमाइंड के बैंक खातों में केवल सात महीनों के भीतर चार करोड़ रुपये से अधिक का लेनदेन हुआ। यह मामला बताता है कि साइबर ठगी अब केवल मोबाइल या इंटरनेट तक सीमित नहीं रही बल्कि संगठित नेटवर्क के रूप में युवाओं को अपना शिकार बना रही है। ऐसी ठगी का सबसे बड़ा हथियार लोगों के सपने होते हैं। ठग पहले बेरोजगार युवाओं को नौकरी या व्यापार का आकर्षक प्रस्ताव देते हैं। उन्हें बताया जाता है कि बिना किसी अनुभव के लाखों रुपये कमाए जा सकते हैं। शुरुआत में छोटी राशि जमा कराई जाती है और फिर नए लोगों को जोड़ने का दबाव बनाया जाता है। इस पूरी व्यवस्था को मल्टी लेवल मार्केटिंग या पिरामिड स्कीम का नाम दिया जाता है जबकि वास्तव में इसका उद्देश्य केवल लोगों से पैसा इकट्ठा करना होता है। जब नए सदस्य मिलना बंद हो जाते हैं तब पूरी योजना ढह जाती है और सबसे अधिक नुकसान आम लोगों को उठाना पड़ता है। साइबर ठग हमेशा भरोसा जीतने की कोशिश करते हैं। वे महंगे होटल में सेमिनार आयोजित करते हैं। बड़े कार्यालय दिखाते हैं। महंगी गाड़ियां और शानदार जीवनशैली का प्रदर्शन करते हैं ताकि लोगों को विश्वास हो जाए कि यह कारोबार पूरी तरह सफल और सुरक्षित है। कई बार सोशल मीडिया पर नकली सफलता की कहानियां भी दिखाई जाती हैं। युवाओं को यह विश्वास दिलाया जाता है कि यदि वे जल्दी निर्णय नहीं लेंगे तो जीवन का सबसे बड़ा अवसर खो देंगे। इसी जल्दबाजी में लोग अपनी मेहनत की कमाई गंवा बैठते हैं। ऐसी ठगी से बचने के लिए सबसे पहले किसी भी योजना की सच्चाई को परखना जरूरी है। यदि कोई संस्था कम समय में बहुत अधिक मुनाफे का वादा कर रही है तो सतर्क हो जाना चाहिए। कोई भी वैध व्यापार बिना जोखिम के निश्चित और असाधारण लाभ की गारंटी नहीं देता। यदि किसी योजना में कमाई का मुख्य आधार नए सदस्य जोड़ना है और उत्पाद या सेवा केवल दिखावे के लिए है तो वह पिरामिड स्कीम हो सकती है। किसी भी संस्था में पैसा लगाने से पहले उसका पंजीकरण और कानूनी स्थिति अवश्य जांचनी चाहिए। कंपनी का पूरा पता उसका लाइसेंस और सरकारी पंजीकरण देखना चाहिए। यदि संस्था इन जानकारियों को छिपाती है या स्पष्ट उत्तर नहीं देती तो उससे दूरी बनाना ही समझदारी है। केवल सोशल मीडिया वीडियो या किसी परिचित की बात पर भरोसा करके निवेश नहीं करना चाहिए। बेरोजगार युवाओं को विशेष रूप से सावधान रहने की आवश्यकता है क्योंकि ठग सबसे अधिक उन्हें ही निशाना बनाते हैं। नौकरी दिलाने के नाम पर पहले प्रशिक्षण शुल्क फिर सदस्यता शुल्क और बाद में निवेश के नाम पर लगातार पैसे मांगे जाते हैं। किसी भी नौकरी के लिए अत्यधिक पंजीकरण शुल्क या निवेश की मांग की जाए तो उसकी सत्यता की जांच अवश्य करनी चाहिए। वास्तविक कंपनियां प्रतिभा के आधार पर भर्ती करती हैं न कि भारी रकम जमा कराने के बाद। डिजिटल युग में साइबर सुरक्षा भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। किसी अनजान व्यक्ति के साथ बैंक खाते की जानकारी एटीएम कार्ड का विवरण ओटीपी पासवर्ड या पहचान संबंधी दस्तावेज साझा नहीं करने चाहिए। ठग कई बार फोन कॉल संदेश या फर्जी वेबसाइट के माध्यम से लोगों की निजी जानकारी हासिल कर लेते हैं और फिर बैंक खातों से पैसे निकाल लेते हैं। इसलिए किसी भी संदिग्ध लिंक पर क्लिक करने से बचना चाहिए और केवल आधिकारिक वेबसाइट का ही उपयोग करना चाहिए। यदि किसी योजना को लेकर मन में जरा भी संदेह हो तो परिवार के सदस्यों या किसी विश्वसनीय विशेषज्ञ से सलाह लेनी चाहिए। जल्दबाजी में लिया गया निर्णय अक्सर भारी नुकसान का कारण बनता है। किसी भी निवेश से पहले उसके नियम शर्तें और जोखिम को अच्छी तरह समझना आवश्यक है। यदि सामने वाला व्यक्ति बार बार दबाव बनाकर तुरंत पैसा जमा कराने की बात कर रहा है तो यह खतरे का संकेत हो सकता है। सरकार और पुलिस भी लगातार लोगों को जागरूक कर रही हैं। राष्ट्रीय साइबर अपराध हेल्पलाइन और साइबर पोर्टल के माध्यम से शिकायत दर्ज कराई जा सकती है। यदि किसी व्यक्ति के साथ ऑनलाइन ठगी हो जाए तो तुरंत बैंक को सूचना देनी चाहिए और बिना देर किए साइबर पुलिस से संपर्क करना चाहिए। शुरुआती समय में शिकायत दर्ज होने पर कई मामलों में धनराशि वापस मिलने की संभावना भी रहती है। शिक्षण संस्थानों और सामाजिक संगठनों की भी जिम्मेदारी है कि वे युवाओं को वित्तीय साक्षरता और साइबर सुरक्षा की जानकारी दें। स्कूल कॉलेज और विश्वविद्यालयों में समय समय पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित होने चाहिए ताकि विद्यार्थी वास्तविक और फर्जी योजनाओं के बीच अंतर समझ सकें। परिवारों को भी अपने बच्चों के साथ आर्थिक निर्णयों पर खुलकर चर्चा करनी चाहिए ताकि वे किसी लालच या दबाव में गलत कदम न उठाएं। वाराणसी का मामला केवल एक गिरोह की गिरफ्तारी भर नहीं है बल्कि पूरे समाज के लिए चेतावनी है। यह दिखाता है कि अपराधी आधुनिक तकनीक और मनोवैज्ञानिक तरीकों का उपयोग करके लोगों को आसानी से अपने जाल में फंसा सकते हैं। इसलिए केवल कानून के भरोसे रहना पर्याप्त नहीं है बल्कि प्रत्येक नागरिक को स्वयं भी जागरूक और सतर्क रहना होगा। सच्चाई यह है कि मेहनत का कोई विकल्प नहीं होता। कम समय में करोड़पति बनाने के दावे अक्सर धोखे का हिस्सा होते हैं। यदि हर व्यक्ति निवेश से पहले जांच करेगा और बिना पुष्टि के किसी भी योजना में पैसा नहीं लगाएगा तो ऐसे गिरोह अपने आप कमजोर पड़ जाएंगे। जागरूकता ही साइबर ठगी के खिलाफ सबसे मजबूत हथियार है। जब समाज सतर्क होगा तब ही युवाओं की मेहनत की कमाई सुरक्षित रहेगी और ठगों के लिए लोगों को धोखा देना आसान नहीं होगा।

-कांतिलाल मांडोत

विक्रम-1 की सफलता के साथ अंतरिक्ष क्षेत्र में बढ़ा भारत का दबदबा

-विनोद कुमार विक्की

निजी अंतरिक्ष प्रक्षेपण कंपनी स्काईरूट एयरोस्पेस द्वारा विकसित विक्रम-1 की सफलता के पश्चात भारत अमेरिका और चीन के बाद निजी क्षेत्र में आर्बिटल स्थापित करने वाला विश्व का तीसरा देश बन चुका है।18 जुलाई को श्री हरिकोटा से प्रक्षेपण के पांचवें चरण में 450 किमी की ऊंचाई पर पृथ्वी के निचली कक्षा में उपग्रह उपकरण को स्थापित कर विक्रम-1 ने विजयी लक्ष्य हासिल कर लिया। इस सफलता के साथ भारत दुनिया में लघु उपग्रह के प्रक्षेपण को पूर्ण करने में नये विकल्प के रूप में उभरा है।

मानव सभ्यता के विकास का इतिहास इस बात का साक्षी है कि जिसने विज्ञान और प्रौद्योगिकी पर प्रभुत्व स्थापित किया, उसी ने विश्व मंच पर नेतृत्व की भूमिका निभाई। इक्कीसवीं सदी में यह प्रतिस्पर्धा धरती की सीमाओं से निकलकर अंतरिक्ष तक पहुँच चुकी है। अंतरिक्ष विज्ञान अब केवल वैज्ञानिक जिज्ञासा का विषय नहीं रह गया है, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा, संचार, मौसम पूर्वानुमान, कृषि, आपदा प्रबंधन, शिक्षा, अर्थव्यवस्था और वैश्विक कूटनीति का भी महत्वपूर्ण आधार बन चुका है। ऐसे समय में भारत ने अपनी वैज्ञानिक प्रतिभा, स्वदेशी तकनीक और दूरदर्शी नीतियों के बल पर जिस प्रकार अंतरिक्ष क्षेत्र में निरंतर सफलता अर्जित की है, वह न केवल प्रत्येक भारतीय के लिए गौरव का विषय है, बल्कि यह संकेत भी है कि भारत अंतरिक्ष महाशक्ति बनने की दिशा में तेज़ी से आगे बढ़ रहा है।

भारत की पहली निजी अंतरिक्ष प्रक्षेपण कंपनी स्काईरूट एयरोस्पेस द्वारा विकसित विक्रम-1 प्रक्षेपण यान की सफलता इस यात्रा का एक ऐतिहासिक पड़ाव है। पूर्णत: स्वदेशी डिज़ाइन और आधुनिक तकनीक से निर्मित इस प्रक्षेपण यान ने यह सिद्ध कर दिया कि भारत की निजी कंपनियाँ भी अब वैश्विक स्तर पर अत्याधुनिक अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी विकसित करने में सक्षम हैं। विक्रम-1 ने पृथ्वी की निचली कक्षा में सफलतापूर्वक उपग्रह उपकरण स्थापित कर न केवल अपनी तकनीकी क्षमता का परिचय दिया, बल्कि यह भी स्पष्ट कर दिया कि भारत अब लघु उपग्रह प्रक्षेपण के वैश्विक बाज़ार में एक मजबूत और विश्वसनीय विकल्प बनकर उभर रहा है।

यह उपलब्धि केवल एक रॉकेट की सफलता भर नहीं है, बल्कि भारत की बदलती अंतरिक्ष नीति और वैज्ञानिक आत्मविश्वास का प्रतीक भी है। वर्षों तक अंतरिक्ष गतिविधियाँ मुख्यत: सरकारी संस्थानों तक सीमित थीं, किंतु अब निजी क्षेत्र के लिए दरवाज़े खुलने के बाद भारतीय स्टार्टअप नई ऊर्जा और नवाचार के साथ इस क्षेत्र में उतर रहे हैं। इससे अनुसंधान, रोजगार, निवेश और तकनीकी विकास के नए अवसर उत्पन्न हुए हैं। अंतरिक्ष क्षेत्र में बढ़ती निजी भागीदारी भारत को वैश्विक प्रतिस्पर्धा में अधिक सक्षम बना रही है।

वर्ष 2014 के आसपास जहाँ भारत में अंतरिक्ष क्षेत्र से जुड़ी निजी कंपनियाँ उँगलियों पर गिनी जा सकती थीं, वहीं आज उनकी संख्या सैकड़ों तक पहुँच चुकी है। यह परिवर्तन केवल संख्या का नहीं, बल्कि सोच का भी है। आज भारतीय युवा अंतरिक्ष विज्ञान को केवल सरकारी नौकरी के रूप में नहीं, बल्कि नवाचार और उद्यमिता के विशाल अवसर के रूप में देख रहे हैं। यही कारण है कि भारत वैश्विक अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में अपनी हिस्सेदारी लगातार बढ़ाने की दिशा में अग्रसर है। आने वाले वर्षों में लघु उपग्रह प्रक्षेपण, उपग्रह निर्माण, अंतरिक्ष संचार, पृथ्वी अवलोकन सेवाओं तथा अंतरिक्ष-आधारित डिजिटल तकनीकों में भारत की भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण होने की संभावना है।

हालाँकि भारत की अंतरिक्ष यात्रा केवल निजी क्षेत्र की उपलब्धियों तक सीमित नहीं है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने पिछले छह दशकों में जो विश्वास अर्जित किया है, वही आज इस सफलता की सबसे मजबूत नींव है। सीमित संसाधनों के बावजूद इसरो ने विश्व को बार-बार यह दिखाया है कि इच्छाशक्ति, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और आत्मनिर्भर तकनीक के बल पर असंभव लगने वाले लक्ष्य भी प्राप्त किए जा सकते हैं।

वर्ष 2013 में प्रक्षेपित मंगलयान (मार्स ऑर्बिटर मिशन) ने भारत को पहले ही प्रयास में मंगल ग्रह की कक्षा में पहुँचने वाला विश्व का पहला देश बना दिया। यह उपलब्धि वैज्ञानिक दृष्टि से जितनी महत्वपूर्ण थी, उतनी ही आर्थिक दृष्टि से भी, क्योंकि अत्यंत कम लागत में इस मिशन की सफलता ने भारत की दक्षता का विश्वभर में लोहा मनवाया।

इसी प्रकार PSLV-C37 द्वारा एक ही मिशन में 104 उपग्रहों का सफल प्रक्षेपण विश्व रिकॉर्ड बना। इस उपलब्धि ने भारतीय प्रक्षेपण प्रणाली की विश्वसनीयता और क्षमता को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाई। इसके बाद चंद्रयान-3 ने चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के निकट सफल सॉफ्ट लैंडिंग कर इतिहास रच दिया। भारत ऐसा करने वाला विश्व का पहला देश बना। इस उपलब्धि ने न केवल भारतीय वैज्ञानिकों की प्रतिभा को विश्व के सामने स्थापित किया, बल्कि यह भी सिद्ध किया कि भारत जटिलतम अंतरिक्ष अभियानों को सफलतापूर्वक पूरा करने में सक्षम है।

इसी क्रम में आदित्य-एल1 मिशन भारत के अंतरिक्ष अनुसंधान को नई दिशा प्रदान कर रहा है। सूर्य के अध्ययन के लिए समर्पित यह भारत का पहला मिशन है, जो सौर गतिविधियों, अंतरिक्ष मौसम और पृथ्वी पर उनके प्रभावों को समझने में महत्वपूर्ण वैज्ञानिक जानकारी उपलब्ध करा रहा है। भविष्य में गगनयान, शुक्रयान तथा अन्य महत्त्वाकांक्षी मिशन भारत की वैज्ञानिक क्षमता को और अधिक विस्तार देंगे।

अंतरिक्ष विज्ञान की ये उपलब्धियाँ केवल वैज्ञानिक गौरव तक सीमित नहीं हैं। आज भारत के उपग्रह करोड़ों लोगों के जीवन को प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित कर रहे हैं। मौसम की सटीक जानकारी किसानों को खेती में सहायता देती है। चक्रवात और बाढ़ जैसी प्राकृतिक आपदाओं की पूर्व चेतावनी लाखों लोगों की जान बचाने में सहायक होती है। दूरदराज़ क्षेत्रों तक संचार और इंटरनेट सेवाएँ पहुँचाने, शिक्षा और टेलीमेडिसिन को बढ़ावा देने तथा राष्ट्रीय सुरक्षा को सुदृढ़ करने में भी अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी की महत्त्वपूर्ण भूमिका है।

आर्थिक दृष्टि से भी अंतरिक्ष उद्योग भविष्य का सबसे तेज़ी से विकसित होने वाला क्षेत्र माना जा रहा है। वैश्विक स्तर पर अरबों डॉलर के इस बाज़ार में भारत की भागीदारी निरंतर बढ़ रही है। निजी कंपनियों, स्टार्टअप, अनुसंधान संस्थानों और इसरो के बीच बढ़ता सहयोग भारत को अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था का प्रमुख केंद्र बना सकता है। इससे निवेश, रोजगार, तकनीकी नवाचार और निर्यात के नए अवसर पैदा होंगे तथा भारत की आर्थिक प्रगति को नई गति मिलेगी।

आज भारत का अंतरिक्ष कार्यक्रम आत्मनिर्भर भारत की अवधारणा को वास्तविक स्वरूप प्रदान कर रहा है। स्वदेशी तकनीक, युवा वैज्ञानिकों की प्रतिभा, निजी क्षेत्र की सक्रिय भागीदारी और इसरो का दशकों का अनुभव—ये सभी मिलकर भारत को अंतरिक्ष विज्ञान के एक नए स्वर्णिम युग की ओर ले जा रहे हैं। विक्रम-1 की सफलता इस परिवर्तन की सशक्त घोषणा है कि भारत अब केवल अंतरिक्ष अभियानों में भाग लेने वाला देश नहीं, बल्कि वैश्विक अंतरिक्ष उद्योग की दिशा निर्धारित करने वाले देशों की पंक्ति में खड़ा है।

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। एजेंसी। कमजोर मलिगत के चलते सोमवार को अनाज मंडी में चना बड़त पर रहा। मसूर व मूंग में बाजार सुर्खी पर रहे। खाद्य तेलों में व्यापार की मात्रा कम ही रही। तिलहनों में सोयाबीन मजबूत बना रहा। किराना जिंसों में नारियलों में पूछपरख रही। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार चने में मिलगत कमजोर है, जिसके चलते भावों में तेजी बनी हुई है। मसूर व मूंग में भी बाजार बड़त पर रहे। खाद्य तेलों में एक बार पुन: आयातित मालों की आवकें प्रभावित होने की आशंका में बाजार बड़त पर देखे गये। तिलहनों में सोयाबीन 7350 रू. क्विंटल पर मजबूत रहा। उधर, किराना जिंसों में नारियलों में माँग रही। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 4700-4850, खोपरा गोला 390-450, खोपरा बूरा 3200-6800 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 280-285, ऊंझा हल्का 290-295, बेस्ट 315-325, हल्दी निजामाबाद 210-230, सांगली 275-280, साबूदाना हल्का 5200-5350, मीडियम 5450-5600, बेस्ट 6000-6100, सच्चा मोती 5700, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 275-350, बेस्ट 350-400, सौंफ बारिक 180-300, एक्स्ट्रा बोल्ड 350-400, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 750-755, मीनी मटरदाना 770-800, मटरदाना 825-850, खसखस अनक्लीन 1150-1250, क्लीन 1300-1350, दालचीनी 250-260, जायफल 725-750, वाद्यान फूल 405-600, शाहजीरा 350-400, तेजपान 90-100, पत्थर फूल 235-425, जावत्री 1675-1750, केसर 200-250, नाग केसर 925-975, सौंठ 325-500, धोली मूसली 1400-1600, लौंग 700-720, बेस्ट 760-790, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, सिंघाडा छोटा 100-120, बड़ा 120-130, सिंदूर (25 कि.ग्रा. पैकिंग) 7300, देशी कपूर 850-860, बेस्ट 875-900, पूजा बादाम 115-125, बेस्ट 220-230, पूजा सुपारी 425-450, अरीठा 180-200, हरी इलायची एवरेज 2700-2800, मीडि?यम 2900-3050, बेस्ट 3150-3250, एक्ट्रा बेस्ट 3300-3500, पानबार 2450, बड़ी इलायची 1800-2100, तरबूज मगज 525-550, काजू (240) 880-925, काजू (210) 950-1000, काजू डब्ल्यू (340) 840-870, काजू एस.डब्ल्यू (300) 800-825, काजू जे.एच. 840-870, टुकड़ी 780-820, बादाम मगज 840-870, सिंगापुरी 850-860, बादाम टांच 700-725, अखरोट 590-850, अखरोट गिरी 1250-1550, जर्दालु 375-500, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 450-600, इंडियन 400-450, चारौली 1450-1750, मुनक्का 350-550, अंजीर 850-950, मखाना 850-1200, बेस्ट 1350-1400, खारक एवरेज 75-80, मीडि?यम 90-130, बेस्ट 140-260, पिस्ता पिशोरी 2900-3100, कंधारी 2500-2700, नमकीन पिस्ता 1000-1150, बेस्ट 1200-1250, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2500, (160) 2900, (200) 3100, (250) 3600,

तेल- सींगदाना 1720-1740, मुम्बई 1700, राजकोट तेलिया 2630, सोया साल्वेंट 1405-1410, सोया रिफाइंड 1470-1480, कपास्या 1525-1530, धूलिया 1530, कड़ी 1535,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1650, मुम्बई पाम 1490, मुम्बई सोया 1510,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2600, देवास-उज्जैन 2600, खंडवा-बुरहानपुर 2575, अकोला 3925 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 8100-8500, रायडा 7000-7200, सोयाबीन 7350, टोली (महुआ बीज) 5300-5400, करंज 4400-4500, अलसी 8500-9000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 6400-6450, एवरेज 6100-6200, विशाल 6250-6300, महाराष्ट्र विशाल 5900-5950, काबूली चना डॉलर 7000-8300, काबूली चना रशि?यन 5600-5800, बिटकी 5200-5300, मसूर बेस्ट 6000-6050, एवरेज 5800-5900, मूंग गर्मी बेस्ट नया 7100-7250, मूंग पुराना बोल्ड 7600-7900, मीडि?यम 7400-7700, मोगर 5500-6500, तुअर निमाड़ी बेस्ट 7200-7400, एवरेज 6500-6600, हल्की 6400-6500, महाराष्ट्र सफेद 7400-7500, महाराष्ट्र लाल 7700-7900, उड़द बेस्ट 9800-9900, उड़द गर्मी 8800-9500, ग्रेविटी क्लीन 10000-10200, हल्की 5000-7000,

दाल- चना दाल एवरेज 7400-7500, मीडियम 7600-7700, बोल्ड 7900-8100, तुअर दाल सवा नं. 8200-8400, तुअर दाल 7300-7600, तुअर दाल मीडियम 8500-8800, बेस्ट 9900-10200, मसूर दाल 6800-7100, मूंग दाल 8700-8900, मूंग मोगर 10100-10600, उड़द दाल 9900-10300, मोगर 10800-11000,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2500-2550, लोकवन एवरेज 2550-2650, बेस्ट 2750-2800, मालवराज 2600-2650, गेहूँ पूर्णा एवरेज 2400-2550, बेस्ट 2650-2750, मक्का पीली 1975-2000,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3100, सेला 3500-3700, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-5500, राजभोग 7500, काली मुंछ डिनर किंग 9000, बासमती दुबार 9500-10000, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 5000-7000, तिबार 10500-11500, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4500-5100,

मावा- इन्दौर 340, उज्जैन 280, रतलाम 275 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। एजेंसी। सोमवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार की मात्रा कम ही रही। दोनों ही मूल्यवान धातुओं में बाजार तेजी के बने रहे। भाव इस प्रकार रहे -

चाँदी (9999) 220500, चाँदी (99) 220400, टंच 219600, सिक्का 2600, सोना 10 ग्राम 141200,

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई। एजेंसी। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सोमवार को भारतीय रुपया 10 पैसे की गिरावट के साथ ही 96.40 पर बंद हुआ। रुपया शुरुआत कारोबार में 12 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 96.42 पर आ गया। पश्चिम एशिया संकट गहराने के मद्देनजर कच्चे तेल की कीमतों में उछाल से घरेलू मुद्रा पर दबाव है। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि घरेलू शेयर बाजारों से विदेशी पूंजी की निकासी का भी भारतीय मुद्रा पर दबाव रहा। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया कमजोर रुख के साथ 96.53 प्रति डॉलर पर खुला। बाद में इसमें कुछ सुधार हुआ और यह 96.42 प्रति डॉलर पर आ गया जो पिछले बंद भाव के मुकाबले 12 पैसे की गिरावट है।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

मुम्बई। एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार सोमवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों में मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव बढ़ने के कारण पश्चिम एशिया में संकट गहराने से भी बाजार नीचे आया है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स अंत में 442.93 अंक फिसलकर 77,708.52 अंक पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 95.80 अंक टूटकर 24,238.50 अंक पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स के 30 में से 11 शेयर गिरे। इस दौरान बैंकिंग शेयर सबसे अधिक टूटे। एक्सिस बैंक और एचडीएफसी बैंक के शेयर 5 फीसदी से ज्यादा नीचे आये। वहीं दिग्गज कंपनी मारुति, कोटक बैंक, इन्फोसिस और टीसीएस के शेयर भी गिरे। वहीं दूसरी ओर ट्रेंट के शेयरों में सबसे ज्यादा 3.02 फीसदी तेजी आई। इसके अलावा पावरग्रिड, एनटीपीसी,

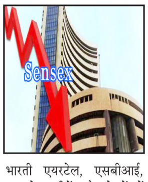

भारती एयरटेल, एसबीआई, अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयरों में बढ़त रही। वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार की तेज गिरावट के साथ शुरुआत हुई। सेंसेक्स 532 अंक से अधिक टूटकर 77,619 के स्तर पर आ गया, वहीं निफ्टी 142 अंकों की गिरावट के साथ 24,191 पर कारोबार कर रहा था। बाजार में यह गिरावट वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच आई है, जहां निवेशकों ने सुरक्षित निवेश की ओर रुख किया। निफ्टी मिडकैप और निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स भी मामूली गिरावट के साथ कारोबार करते दिखे, जो बाजार में समग्र दबाव को दर्शाता है। सेक्टोरल इंडेक्स की बात करें तो, निफ्टी प्राइवेट बैंक में सबसे अधिक गिरावट दर्ज की गई, जिससे वित्तीय सेवाओं और बैंकिंग क्षेत्र पर व्यापक दबाव बना। एशियाई शेयर बाजारों में आज मिला-जुला कारोबार हुआ। दक्षिण कोरिया का कोस्पी करीब 2.8 प्रतिशत फिसल गया, जबकि हांगकांग का हेंगसेंग लगभग 1.7 प्रतिशत की बढ़त के साथ कारोबार करता दिखा। निवेशक अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के संभावित आर्थिक असर का आकलन कर रहे हैं। वहीं शुक्रवार को अमेरिकी शेयर बाजारों में बिकवाली का दबाव देखने को मिला।

भारतीय कंपनियों के लिए उत्साहजनक रही वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही

नई दिल्ली। एजेंसी। भारतीय कंपनी जगत के लिए वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही के नतीजों का मौसम बेहद उत्साहजनक रहा है। शुरुआती आंकड़ों के अनुसार, कंपनियों ने शुद्ध मुनाफे और आय दोनों में दोहरे अंक की मजबूत वृद्धि दर्ज की है। यह वृद्धि मुख्य रूप से बैंक, तेल एवं गैस, खनन तथा धातु क्षेत्रों के दमदार प्रदर्शन के कारण हुई, जबकि रुपये की नरमी से आईटी कंपनियों के मुनाफे को भी बल मिला है। अभी तक नतीजे जारी करने वाली 156 कंपनियों का कुल शुद्ध मुनाफा चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 19.4 प्रतिशत बढ़ा है, जो पिछले 11 तिमाहियों में सबसे तेज वृद्धि है। यह आंकड़ा पिछले वित्त वर्ष की पहली तिमाही के 11 प्रतिशत और वित्त वर्ष 2026 की चौथी तिमाही के 6.8 प्रतिशत की वृद्धि से कहीं अधिक है। इन कंपनियों का कुल शुद्ध मुनाफा 1.09 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 1.3 लाख करोड़ रुपये हो गया है। इसी अवधि में इन कंपनियों की कुल शुद्ध बिक्री या आय 17.6 प्रतिशत बढ़ी, जो पिछली 14 तिमाहियों में सबसे तेज वृद्धि है। यह आंकड़ा वित्त वर्ष 2026 की पहली तिमाही के 4.9 प्रतिशत और चौथी तिमाही के 9.1 प्रतिशत की वृद्धि से काफी बेहतर है। इन कंपनियों की शुद्ध बिक्री 8.45 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 9.93 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गई। प्रारंभिक नतीजों में बैंकों, आईटी कंपनियों और रिलायंस इंडस्ट्रीज का प्रदर्शन मुख्य रहा है। कुल शुद्ध मुनाफे में बैंकों की हिस्सेदारी करीब 52 प्रतिशत रही, जबकि आईटी क्षेत्र का योगदान 19.5 प्रतिशत रहा। कुल आय में रिलायंस इंडस्ट्रीज का सबसे अधिक 31.2 प्रतिशत योगदान रहा, इसके बाद बैंकों का 31 प्रतिशत और आईटी का 16.4 प्रतिशत योगदान रहा।

एआई और डेटा सेंटर से भारतीय रियल एस्टेट को संरचनात्मक अवसर

नई दिल्ली। एजेंसी। आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई) और हाइपरस्केल डेटा सेंटरों के तीव्र विस्तार से भारतीय रियल एस्टेट क्षेत्र के लिए एक मजबूत संरचनात्मक अवसर उभर रहा है। हालांकि, विश्लेषकों का मानना है कि इससे लंबी अवधि में आय में क्रमिक वृद्धि ही देखने को मिलेगी, क्योंकि फिलहाल अधिकांश परियोजनाएं नियोजन या शुरुआती चरण में हैं। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, पारंपरिक वाणिज्यिक रियल एस्टेट के विपरीत, अब डेवलपरों की सफलता केवल भूमि स्वामित्व पर निर्भर नहीं करेगी। बिजली की अबाध आपूर्ति, फाइबर कनेक्टिविटी, त्वरित सरकारी मंजूरी, वैश्विक हाइपरस्केलरों के साथ साझेदारी और पूंजी-बहुल परियोजनाओं के लिए वित्त जुटाने की क्षमता जैसे कारक निर्णायक होंगे। इक्विरस कैपिटल के एक अधिकारी ने कहा कि यह क्षेत्र एक वैकल्पिक अवसर से रणनीतिक दीर्घकालिक परिसंपत्ति वर्ग की ओर बढ़ रहा है। उद्योग के अनुमान बताते हैं कि अगले पांच से सात वर्षों में इस क्षेत्र में 1.6 से 2 लाख करोड़ रुपये का भारी निवेश हो सकता है। कोटक सिक्योरिटीज के अनुसार देश का डेटा सेंटर आईटी लोड वित्त वर्ष 26 के 1.6 गीगावॉट से बढ़कर वित्त वर्ष 35 तक 14-15 गीगावॉट होने की उम्मीद है। इसके लिए लगभग 16 लाख वर्ग फुट निर्मित स्थान की आवश्यकता होगी। लोढ़ा, डीएलएफ, माइंडस्पेस रीट और अनंत राज जैसे डेवलपर अपनी रणनीतिक भूमि उपलब्धता और वैश्विक साझेदारियों के कारण बेहतर स्थिति में हैं। लोढ़ा मुंबई के पास पालावा में 1 गीगावॉट क्षमता विकसित कर रही है और महाराष्ट्र में 2.5 गीगावॉट डेटा सेंटर पार्क में 1 लाख करोड़ रुपये के निवेश की प्रतिबद्धता जताई है। अनंत राज ने हरियाणा में 20,000 करोड़ रुपये के निवेश की घोषणा की है, जबकि माइंडस्पेस बिजनेस पार्क्स रीट नवी मुंबई में प्रिंसटन डिजिटल ग्रुप के साथ 10 लाख वर्ग फुट से अधिक का डेटा सेंटर विकसित कर रही है। हालांकि, विश्लेषकों का कहना है कि इन परियोजनाओं से कमाई में योगदान में अभी कुछ साल लगेंगे, क्योंकि घोषित क्षमता का लगभग 60 प्रतिशत नियोजन या शुरुआती चरण में है।

मेष- आज का दिन आपके मान-सम्मान और प्रतिष्ठा में वृद्धि के संकेत दे रहा है। आपकी मेहनत का असर अब लोगों के सामने दिखाई देने लगेगा और आपकी पहचान मजबूत होगी। हालांकि किसी भी फैसले में जल्दबाजी करने से बचें, क्योंकि छोटी-सी चूक भी परेशानी का कारण बन सकती है। आर्थिक मामलों में कोई बड़ा निर्णय भविष्य के लिए लाभदायक साबित होगा।

वृषभ- आज जिम्मेदारियों के साथ-साथ खुशियों के भी कई मौके मिलेंगे। परिवार के साथ बिताया गया समय आपको सुकून और अपनापन महसूस कराएगा। यदि किसी बात को लेकर मन में तनाव था, तो उसका समाधान भी आज मिल सकता है। मित्रों की मदद करने का अवसर मिलेगा और इससे आपको आत्मिक संतोष मिलेगा। संतान की ओर से कोई सुखद समाचार आपके चेहरे पर मुस्कान ला सकता है।

मिथुन- आज बड़ों का मार्गदर्शन आपके लिए सफलता का रास्ता खोल सकता है। किसी भी महत्वपूर्ण निर्णय से पहले धैर्य के साथ सोच-विचार करना जरूरी होगा। संतान पर जरूरत से ज्यादा जिम्मेदारी डालने से बचें और उनके साथ प्रेमपूर्वक व्यवहार करें। यदि किसी जरूरतमंद की सहायता करने का अवसर मिले, तो पीछे न हटें। व्यापार में नई योजनाओं पर काम शुरू कर सकते हैं, जो भविष्य में लाभ देने वाली साबित होंगी।

कर्क- आज आपको आय और खर्च के बीच संतुलन बनाकर चलने की जरूरत होगी। लंबे समय से रुके हुए कार्य पूरे होने लगेंगे, जिससे मन को राहत मिलेगी। कार्यक्षमता बढ़ेगी और आप अपने काम तेजी से पूरे करेंगे। मन की कोई बड़ी इच्छा पूरी होने से खुशी दोगुनी हो सकती है। जीवनसाथी के साथ बिताया गया समय रिश्तों को और मजबूत बनाएगा।

सिंह- आज का दिन आपको सतर्क रहने का संकेत दे रहा है। अपने आसपास मौजूद लोगों को पहचानें और किसी पर आंख बंद करके भरोसा न करें। व्यस्तता के कारण कामों को टालने की आदत नुकसान पहुंचा सकती है। यदि नई प्रॉपर्टी खरीदने का विचार बना रहे हैं, तो समय आपके पक्ष में दिखाई दे रहा है। परिवार के साथ बिताया गया समय मानसिक शांति देगा।

कन्या- आज मेहनत और धैर्य आपकी सबसे बड़ी ताकत साबित होंगे। काम का दबाव अधिक रहेगा, लेकिन यही मेहनत भविष्य में सफलता का रास्ता खोलेगी। प्रेम संबंधों में मधुरता बनी रहेगी और साथी के साथ यादगार पल बिताने का अवसर मिलेगा। आर्थिक मामलों में सतर्कता बरतें और बिना सोचे-समझे कोई फैसला न लें। विद्यार्थियों का मन नई चीजें सीखने में लगेगा। यदि पढ़ाई पर पूरा ध्यान देंगे, तो अच्छे परिणाम प्राप्त होंगे।

तुला- आज का दिन शांति और समझदारी से आगे बढ़ने का है। किसी भी विवाद से दूरी बनाए रखना आपके हित में रहेगा। धन कमाने के नए अवसर सामने आएंगे और सही समय पर लिया गया निर्णय लाभ दिला सकता है। परिवार में चल रही परेशानियां बातचीत के जरिए समाप्त हो सकती हैं। किसी को उधार देने से बचें और अपनी वाणी पर संयम रखें। प्रॉपर्टी से जुड़ा कोई मामला थोड़ी चिंता दे सकता है, लेकिन व्यापार में अच्छे परिणाम मिलने के संकेत हैं।

वृश्चिक- आज व्यापार के लिए दिन काफी अनुकूल रहेगा। पुराने निवेश से अच्छा लाभ मिलने की संभावना है, जिससे आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। धार्मिक कार्यों में मन लगेगा और परिवार के साथ किसी तीर्थ यात्रा की योजना बन सकती है। माता-पिता का सम्मान करें और उनकी जिम्मेदारियों को समय पर पूरा करने का प्रयास करें। सरकारी मामलों में विशेष सावधानी रखें, क्योंकि छोटी-सी लापरवाही भी परेशानी का कारण बन सकती है।

धनु- आज हर कदम सोच-समझकर उठाने की जरूरत होगी। कार्यक्षेत्र में कई विचार और योजनाएं मन में चलती रहेंगी, इसलिए निर्णय लेते समय जल्दबाजी न करें। यदि बैंक से लोन लेने का प्रयास कर रहे थे, तो सफलता मिलने की संभावना है। संतान की संगति और भविष्य पर विशेष ध्यान दें। परिवार में किसी नए सदस्य के आने से खुशियों का माहौल बनेगा। रुका हुआ धन मिलने की भी संभावना है और नए प्रयास सकारात्मक परिणाम दे सकते हैं।

मकर- आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहेगा। साझेदारी में किया गया कार्य लाभदायक साबित हो सकता है। सरकारी नौकरी से जुड़े लोगों की मेहनत और ईमानदारी की सराहना होगी। दिन के दौरान मनपसंद भोजन का आनंद लेने का अवसर मिलेगा। ससुराल पक्ष से किसी के आने से रिश्तों में मधुरता बढ़ेगी। हालांकि किसी अजनबी के साथ व्यापारिक जानकारी साझा करने से बचें।

कुंभ- आज स्वास्थ्य को लेकर लापरवाही बिल्कुल न करें। कार्यक्षेत्र में जल्दबाजी से बचें और हर काम धैर्य के साथ पूरा करें। रहन-सहन में सुधार लाने की आपकी कोशिश सफल होगी और व्यक्तित्व में निखार आएगा। लंबे समय से बनाई गई योजनाएं आगे बढ़ेंगी। किसी सहयोगी की बात थोड़ी बुरी लग सकती है, लेकिन संयम बनाए रखें।

मीन- आज आर्थिक मामलों में पूरी सावधानी बरतने की जरूरत है। किसी बड़े निवेश का फैसला फिलहाल टालना बेहतर रहेगा। शेयर बाजार या निवेश से जुड़े मामलों में अनुभवी व्यक्ति की सलाह लेना जरूरी होगा। किसी अजनबी की बातों में आकर निर्णय लेने से बचें। पिताजी की सेहत को लेकर चिंता बढ़ सकती है, इसलिए समय रहते उनका ध्यान रखें।

शब्दजाल - 8326

शब्दजाल में 'मुमताज' अभिनीत 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे व तिरछे हैं.

आ	व	मे	रि	दु	ला	से	ह	रा	ट	र्जी
क	ग	क	दू	इं	जी	ने	शि	या	प	नी
सू	पी	अ	न	प	ढ़	बा	द	ह	त्थ	ल
र	ग	ए	रा	जा	बा	बू	ल	ह	र	प्रे
ज	रा	म	न	ह	ला	कि	यो	के	मे	
रो	इ	वि	मो	ग	प	म	शी	ह	स	रे
न	वी	ल	रा	व	मा	जो	रा	व	न	स
क	रि	र	य	र	प	म	ज	म	न	
रा	म	औ	र	श्या	म	ज	जी	शा	जू	म
र	ग	ल	नो	ला	व	प	स	री	टि	प
बां	स	सा	ज	ल	ड़	का	ल	ड़	की	ल

सेहरा, मेरे सनम, हमराज, सूरज, पत्थर के सनम, रोटी, राम और श्याम, अनपढ़, आग, लड़का लड़की

शब्दजाल - 8325 का हल

दैनिक पंचांग

21 जुलाई को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

मंगलवार 2026 वर्ष का 202 वा दिन **दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2083 **शक संवत्** 1948 **मास** आषाढ़ **पक्ष** शुक्ल **तिथि** अष्टमी 05.17 बजे प्रात: को समाप्त। **नक्षत्र** चित्रा 20.49 बजे को समाप्त। **योग** सिद्ध 18.26 बजे को समाप्त। **करण** विष्टि 16.36 बजे तदनन्तर बव 05.17 बजे प्रात: को समाप्त। **चन्द्रायु** 6.6 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 20° 30' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872777 **जूलियन दिन** 2461242.5 **कलियुग संवत्** 5128 **कल्पारंभ संवत्** 1972949128 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885128 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1448 **महीना** सफर **तारीख** 06 **विशेष** मासिक दुर्गाष्टमी, पार्वती जयंती।

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	कर्क में	कर्क	05.07 बजे से
चंद्र	कन्या में	सिंह	07.27 बजे से
मंगल	वृष में	कन्या	09.39 बजे से
बुध	मिथुन में	तुला	11.50 बजे से
गुरु	कर्क में	वृश्चिक	14.05 ब.से
शुक्र	सिंह में	धनु	16.21 बजे से
शनि	मीन में	मकर	18.26 बजे से
राहु	कुंभ में	कुंभ	20.12 बजे से
केतु	सिंह में	मीन	21.45 बजे से
राहुकाल		मेष	23.15 बजे से
3.00 से 4.30		वृष	00.56 बजे से
बजे तक		मिथुन	02.54 बजे से

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 7270

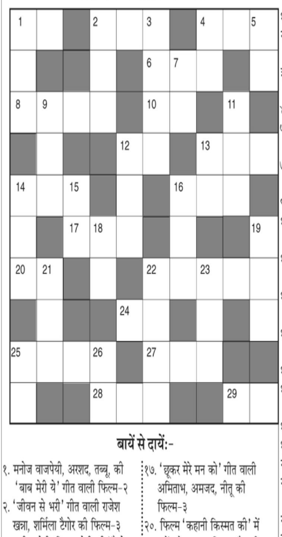

ऊपर से नीचे:-

१. सनी देओल, मीनाक्षी की फिल्म-३
२. संजयदत्त, जूही चावला की 'आलारे पाउस अला' गीत वाली फिल्म-३
३. आशुतोष गोवारीकर की बहुचर्चित फिल्म 'लगान' के संगीतकार कौन है-४
४. जीतेंद्र, रीना रामेश्वरी की फिल्म-२
५. संजय खान, मुमताज की 'ऐ हसीनों नाजनीनों' गीत वाली फिल्म-२
७. 'दिल मेरा अकेला' गीत वाली आमिर, फैजल, ट्विंकल की फिल्म-२
९. फिल्म 'मन की आँखें' की नायिका थी-३
११. शाहरूख, माधुरी की 'बड़ी मुश्किल है' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'गोरिया रे गोरिया रे' गीत वाली जैकी, जूही, अमृता की फिल्म-३
१३. राजकपूर, नर्गिस की 'काहे कोयल शोर मचाये' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'तन्हा तन्हा दिल धड़के' गीत वाली अक्षय कुमार, सोनाली की फिल्म-३
१५. 'अभिमान' में अमिताभ की नायिका-२
१६. राज बब्बर, रेखा की 'राधारानी ना जइयो' गीत वाली फिल्म-३
१८. राजेश खन्ना, बबीता की फिल्म-२
१९. 'बेचारा दिल क्या करे' गीतवाली फिल्म-३
२१. धर्मेन्द्र, राजेश खन्ना, वहीदा की फिल्म-३
२२. 'कोयल बोली दुनिया डोली' गीत वाली फिल्म-४
२३. अमिताभ, संजीव, शर्मिला की फिल्म-३
२५. 'मैं तो हुँ पागल मुंडा' गीत वाली फिल्म-२
२६. संजयदत्त, सलमान, रवीना की फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. मनोज वाजपेयी, अरशद, तब्बू, की 'बाब मेरी ये' गीत वाली फिल्म-२
२. 'जीवन से भरी' गीत वाली राजेश खन्ना, शर्मिला टैगोर की फिल्म-३
४. सुनील शेट्टी, शिल्पा शेट्टी की 'हैलो हैलो बोलके' गीत वाली फिल्म-३
६. 'ऐसा मिलन कल हो ना' गीत वाली सैफअली, काजोल की फिल्म-३
८. कुमार गौरव, विजयेता की 'याद आ रही है' गीत वाली फिल्म-२,२
१०. 'आँखें' ती नायिका कौन थी-२
१२. 'दिल में छुपाके प्यार' गीत वाली दिलीपकुमार, निम्मी की फिल्म-२
१३. दिलीपकुमार, मीना की 'राधा ना बोले ना' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'किसी से तुम' गीत वाली लारा दत्ता, प्रियंका, अक्षय की फिल्म-३
१६. राजकपूर, राजेंद्र, वैजयंती की 'मैं क्या करूंराम' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'छूकर मेरे मन को' गीत वाली अमिताभ, अमजद, नीतू की फिल्म-३
२०. फिल्म 'कहानी किस्मत की' में धर्मेंद्र के साथ नायिका कौन थी-२
२२. नसीर, आमिर, सौनाली, उपासना की 'जो हाल दिल' गीत वाली फिल्म-५
२४. 'दिल में जागी धड़कन' गीत वाली लक्की अली, गौरी की फिल्म-२
२५. अशोककुमार के गाये बालगीत 'रेलगाड़ी रेलगाड़ी' वाली फिल्म-४
२७. 'घर आजा परदेसी' गीत वाली सनी देओल, अमीषा की फिल्म-३
२८. संजयदत्त, मनीषा की 'कसम से कसम से' गीत वाली फिल्म-३
२९. अजय, अभिषेक, रानी, एशा की 'कभी नीम नीम' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 7269

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगत: अद्‌भुत बलिदान

यह उस समय की बात है जब चीन के महान विद्वान ह्वेनसांग भारत आए हुए थे। वह भारत की शिक्षा व संस्कृति से बेहद प्रभावित थे। उन्होंने नालंदा विश्वविद्यालय में भारतीय धर्मग्रंथों का गहन अध्ययन किया। अध्ययन करने के साथ-साथ उन्होंने अनेक धर्मग्रंथों का संग्रह किया ताकि अपने देश वापस लौटने के बाद वह वहां इनके महत्व बता सकें। जब वह अपने देश की ओर रवाना हुए तो उन्होंने अपने साथ अनेक ग्रंथ और कई कलात्मक मूर्तियां रख लीं। मार्ग में नदी पड़ती थी इसलिए वह नौका में अपनी इस बहुमूल्य संपदा के साथ बैठ गए। पांच भारतीय छात्र भी उनके साथ थे। अभी वे कुछ ही दूर पहुंचे थे कि अचानक नदी में जोर का भंवर आया और नौका डगमगाने लगी। यह देखकर नौका चालक ने कहा, 'यदि नौका में से कुछ वजन कम कर दिया जाए तो यह डूबने से बच सकती है।' यह सुनकर ह्वेनसांग चिंता में पड़ गए और बोले, 'अब तो पुस्तकों के गट्ठरों को पानी में फेंकना ही होगा। इनके पानी में बहने के साथ ही मेरा उद्देश्य अधूरा रह जाएगा। वापस पहुंचने पर मैं अपने देश में भारत के महान धर्मशास्त्रों का प्रचार नहीं कर पाऊंगा। इतने कठोर परिश्रम से एकत्रित किए गए धर्मशास्त्र व्यर्थ हो जाएंगे।' विद्वान ह्वेनसांग की बात सुनकर पांचों भारतीय छात्र बोले, 'आप चिंतित न हों। आपका परिश्रम व्यर्थ नहीं होगा और न ही आपका उद्देश्य अधूरा रहेगा। ग्रंथों की जगह हम नदी में कूद जाते हैं।' यह कहकर वे पांचों तुरंत उफनती नदी में कूद गए। उनमें से तीन तो तैरकर सकुशल नदी पार कर गए लेकिन दो छात्र भारतीय धर्मशास्त्रों की अमूल्य धरोहर को बचाने के लिए नदी की भेंट चढ़ गए। ह्वेनसांग ने चीन पहुंच कर इन धर्मशास्त्रों का अनुवाद किया और इनकी रक्षा के लिए अपने प्राणों का बलिदान करने वाले छात्रों के प्रति जीवन भर कृतज्ञता व्यक्त करते रहे।

सूडोकु नवताल- 7579

★★★★★ कठिनतम

				1			6	
					5			
2		3	9			8		
6							5	
			8		3			
	1							4
		7			1	3		9
			2					
	5			6				

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7578 का हल

7	6	8	2	1	9	3	4	5
2	1	5	6	3	4	8	7	9
3	4	9	5	7	8	6	1	2
5	7	4	8	6	1	9	2	3
9	2	1	3	4	5	7	8	6
8	3	6	7	9	2	1	5	4
1	5	3	4	8	6	2	9	7
4	9	7	1	2	3	5	6	8
6	8	2	9	5	7	4	3	1

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 8794

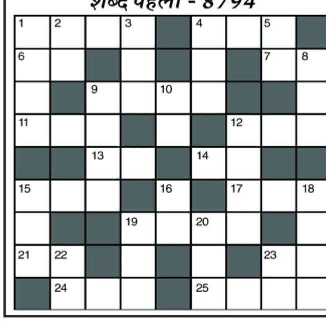

बाएँ से दाएँ

1. कलाकार, अदाकार-4
4. फूलों की छोटी माला, वेणी-3
6. पैर, पांव-2
7. अधिकार-2
9. खानाबदोश, बंजारा-4
11. राशन, खाद्य सामग्री-3
12. टेसू के फूल-3
13. कपोल, रुखसार-2
14. विजय-2
15. डोली उठाने वाले-3
17. जल प्रपात-3
18. गठबंधन-4
21. पानी, जल-2
23. नौका-2
24. देह, काया, शरीर-3
25. अगुवा, राह दिखाने वाला-4

ऊपर से नीचे

1. उपवास का खाना-4
2. झुका हुआ-2
3. व्यवहार-3
4. समयघोष-3
5. मार्ग, पथ-2
8. गागर, घड़ा, घट-3
9. स्मारक-4
10. हत्या, कत्ल-2
12. पत्तों के गिरने का मौसम-4
15. कथा, गाथा-3
16. अष्टम-2
18. नामचीन-4
19. रवाना होना-3
20. विदूषक, मसखरा-3
22. ईश्वर, भगवान-2
23. बटन, स्विच-2

शब्द पहेली -8793 का हल

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

मॉडिफाइड सायलेंसर से निकलने वाली तेज कर्कश आवाज व तेज रफ्तार दौड़ती बाइकों ने बिगाड़ा शहर का माहौल

पद्मेश न्यूज। लांजी। धर्मनगरी लांजी की सड़कों पर इन दिनों कुछ बुलेट और अन्य मोटरसाइकिल चालकों की लापरवाही आम लोगों के लिए परेशानी का सबब बनती जा रही है। मॉडिफाइड (कर्कश) सायलेंसर से निकलने वाली तेज धमाकेदार आवाज और तेज रफ्तार से दौड़ती बाइकों ने शहर का माहौल बिगाड़ दिया है। हालात ऐसे हैं कि सड़क किनारे चल रहे बुजुर्ग, महिलाएं और छोटे बच्चे अचानक तेज आवाज से घबरा जाते हैं, जबकि कई बार अन्य वाहन चालक भी चौंक जाने से दुर्घटना की स्थिति बन जाती है। शाम के समय मुख्य बाजार, बस स्टैंड, अस्पताल मार्ग और अन्य व्यस्त क्षेत्रों में कुछ युवक तेज गति से बुलेट और अन्य बाइक दौड़ाते हुए स्टंटनुमा अंदाज में निकलते हैं। कर्कश सायलेंसर की आवाज न केवल ध्वनि प्रदूषण फैला रही है, बल्कि आम नागरिकों की शांति और सुरक्षा के लिए भी खतरा बनती जा रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि कई बार अचानक तेज आवाज से छोटे बच्चे डर जाते हैं और बुजुर्गों को भी असहज स्थिति का सामना करना पड़ता है। नागरिकों ने पुलिस प्रशासन से ऐसे वाहन चालकों पर विशेष अभियान चलाकर कार्रवाई करने की मांग की है। लोगों का कहना है कि बिना अनुमति मॉडिफाइड सायलेंसर लगाकर वाहन चलाना नियमों का उल्लंघन है और इससे दुर्घटनाओं की आशंका भी बढ़ जाती है। थाना प्रभारी मुकेश दुबोलिया ने कहा कि ऐसे बाइक चालकों की पहचान कर उनके विरुद्ध शीघ्र ही विशेष अभियान चलाकर सख्त कार्रवाई की जाएगी। यातायात नियमों का उल्लंघन करने, मॉडिफाइड सायलेंसर का उपयोग करने और तेज गति से वाहन चलाने वालों को किसी भी स्थिति में बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने नागरिकों से भी यातायात नियमों का पालन करने, निर्धारित गति सीमा में वाहन चलाने तथा अनावश्यक रूप से ध्वनि प्रदूषण फैलाने से बचने की अपील की है। पुलिस का कहना है कि सड़क पर थोड़ी-सी लापरवाही भी किसी बड़े हादसे का कारण बन सकती है। इसलिए वाहन चालक स्वयं भी जिम्मेदारी निभाएं और दूसरों की सुरक्षा का ध्यान रखते हुए नियमों के अनुरूप वाहन चलाएं।

पुलिस ने बालभाऊ देवरस सरस्वती शिशु मंदिर कारंजा के बच्चों को नशे के विरुद्ध किया जागरूक

पद्मेश न्यूज। लांजी। नशा आज समाज के साथ-साथ हमारी युवा पीढ़ी और स्कूली बच्चों के भविष्य को भी अंधकार में धकेल रहा है। इसी गंभीर विषय को ध्यान में रखते हुए पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार चलाए जा रहे जागरूकता अभियान के तहत विद्या भारती बालभाऊ देवरस सरस्वती शिशु मंदिर हायर सेकंडरी विद्यालय कारंजा में एक विशेष नशा मुक्ति कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्थित लांजी थाना प्रभारी मुकेश दुबोलिया ने स्कूली बच्चों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति विस्तार से जागरूक किया। उन्होंने बच्चों को समझाया कि जीवन में सफलता पाने के लिए नशे से दूरी बनाना बेहद जरूरी है। टीआई दुबोलिया ने विद्यार्थियों से अपील की कि वे स्वयं तो नशे से दूर रहें ही, साथ ही अपने आसपास और परिवार में भी यदि कोई इस लत का शिकार है, तो उसे इससे मुक्त कराने का प्रयास करें। इस बेहद महत्वपूर्ण और प्रेरणादायक कार्यक्रम के दौरान लांजी थाने के पुलिस स्टाफ के साथ-साथ विद्यालय के प्राचार्य, शिक्षक-शिक्षिकाएं और समस्त स्टाफ उपस्थित रहा। विद्यालय परिवार ने लांजी पुलिस की इस अनूठी पहल की सराहना की। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी बच्चों और स्टाफ ने नशे से हमेशा दूर रहने और एक स्वस्थ समाज के निर्माण में अपना योगदान देने का संकल्प लिया।

श्री लक्ष्मीकांता कॉलेज ऑफ टेक्नालॉजी, लांजी में 'नशे से दूरी हैं जरूरी 2.0' कार्यक्रम का किया गया आयोजन

पद्मेश न्यूज। लांजी। श्री लक्ष्मीकांता कॉलेज ऑफ टेक्नालॉजी, लांजी में "नशे मुक्ति 2.0" अभियान के अन्तर्गत एक प्रभावशाली जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य

विद्यार्थियों एवं युवाओं को नशे के दुष्प्रभाव के प्रति जागरूक करना तथा नशा मुक्त समाज के निर्माण हेतु प्रेरित करना था। कर्यक्रम का शुभारंभ द्वीप प्रज्जवल के साथ हुआ। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य एवं प्राध्यापकों ने विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुये कहा कि नशा व्यक्ति के शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक जीवन को प्रभावित करता हैं। उन्होने युवाओं से अपील की वे नशे से दूर रहे और अपने आस-पास के लोगों को भी इसके प्रति जागरूक करें। इस दौरान लांजी पुलिस थाना से उपनिरीक्षक विधि पाण्डेय एवं समस्त थाना स्टॉफ भी कार्यक्रम में उपस्थित रहें। उन्होने विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभाव के बारे में विस्तार से जानकारी दी। तथा साथ ही कानून के दृष्टिकोण से भी इसके दुष्परिणामों को समझाया। एस.आई. विधि पाण्डेय ने अपने सम्बोधन में युवाओं से अपील की वे नशे से दूर रहकर अपने भविष्य को सुरक्षित बनाये और समाज में जागरूकता फैलाने में सहयोग करे। कार्यक्रम के अन्त में सभी छात्र-छात्राओं एवं समस्त शैक्षणिक व अशैक्षणिक स्टॉफ एवं उपस्थितजनों ने नशा न करने तथा समाज को नशा मुक्त बनाने के लिए संकल्प लिया। साथ ही छात्र-छात्राओं को "नशा मुक्ति मित्र" बनकर समाज में जागरूकता फैलाने के लिए प्रेरित किया गया।

डायरिया रोको अभियान के तहत 10 गांवों में हैंडपंपों का सुधार

पेयजल स्त्रोतों का किया गया क्लोरीनीकरण

पद्मेश न्यूज। लांजी। जिले में संचालित डायरिया रोको अभियान के अंतर्गत लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग (पीएचई) द्वारा विभिन्न विकासखंडों के गांवों में पेयजल स्त्रोतों को सुरक्षित बनाने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है । इस अभियान के अंतर्गत सोमवार 20 जुलाई को 10 गांवों में खराब पड़े हैंडपंपों की मरम्मत की गई तथा सभी हैंडपंपों में जर्मेक्स डालकर क्लोरीनीकरण किया गया। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन यंत्री बी एल उईके ने बताया कि लांजी विकासखंड की टीमों ने ग्राम देवलगांव, कारंजा, बापड़ी में पहुंचकर पेयजल स्त्रोतों का निरीक्षण किया गया। अभियान के दौरान खराब पड़े हैंडपंपों को तत्काल सुधारकर चालू किया गया, ताकि ग्रामीणों को स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध हो सके। इसके साथ ही गांवों के सभी हैंडपंपों में जर्मेक्स डालकर क्लोरीनीकरण किया गया। इस प्रक्रिया से पानी में मौजूद हानिकारक जीवाणुओं और कीटाणुओं का नाश होता है तथा डायरिया सहित अन्य जलजनित बीमारियों की आशंका कम होती है। पीएचई विभाग ने

ग्रामीणों से अपील की है कि वे पेयजल को हमेशा छानकर और ढककर रखें, घर एवं आसपास साफ-सफाई बनाए रखें तथा किसी भी पेयजल स्त्रोत में गंदगी दिखाई देने पर तत्काल विभाग को सूचना दें। विभाग ने बताया कि डायरिया रोको अभियान के तहत जिलेभर में पेयजल स्त्रोतों की नियमित निगरानी और आवश्यक सुधार कार्य लगातार जारी रहेंगे।

नशा मुक्ति अभियान नशे से दूरी बहुत हैं जरूरी 2.0 के तहत् स्कूलों,कालेजों,ग्रामों में जाकर दिलाई शपथ

पद्मेश न्यूज। किरनापुर। जिला पुलिस अधीक्षक महोदय श्रीमान आदित्य मिश्रा के कुशल नेतृत्व में वर्तमान में मध्यप्रदेश में चलाये जा रहे नशा मुक्ति अभियान नशे से दूरी हैं बहुत जरूरी के अन्तर्गत थाना प्रभारी किरनापुर निरीक्षक राजकुमार चौधरी के नेतृत्व में थाने में टीम गठित कर थाना क्षेत्र अन्तर्गत किरनापुर बस स्टैंड ,गुजरी चौक किरनापुर ,अवंती बाई चौक किरनापुर ,एसडीएम कार्यालय के सामने किरनापुर ,ग्राम जोधीटोला स्कूल, ग्राम मौदा हाई स्कूल व ग्राम लोढ़ांगी में वरिष्ठ कार्यालय के आदेशानुसार चलाये जा रहे नशा मुक्ति अभियान नशे से दूरी हैं बहुत जरूरी के अन्तर्गत स्कूलों,कालेजों,व थाना क्षेत्र के ग्रामीणजनों,नागरिकों को अभियान के दौरान शपथ दिलाई जाकर,पाम्पलेट वितरण कर, डिजिटल शपथ प्रमाण पत्र दिया जाकर आनलाईन फेसबुक के माध्यम से नशा मुक्ति अभियान के तहत् जागरूकता अभियान चलाया जा रहा हैं एवं लोगो को नशे से होने वाले दुष्प्रभाव के संबंध में समझाईश दी जाकर नशें में वाहन न चलाने की हिदायत दी गई ,स्वस्थ हालात में वाहन चलाने से वाहनो से होने वाले वाहन एक्सीडेन्ट की घटना में कमी आ सके एंव परिवार को आर्थिक ,शारिरीक व मानसिक रूप से स्वस्थ रहने के बारे में बताया गया किरनापुर पुलिस व्दारा नशा मुक्ति का प्रचार प्रसार जोर शोर से किया किया जा रहा हैं । जिससे बालाघाट जिला नशा मुक्त हो सके । आज दिनांक से बालाघाट पुलिस द्वारा हस्ताक्षर अभियान की शुरुआत की गई है जिसमें लोगों से नशा करने के लिए शपथ के साथ हस्ताक्षर भी कराए जा रहे है ,हस्ताक्षर अभियान द्वारा भी पुलिस द्वारा लोगों को जागरूक कर करीब

350 व्यक्तियों द्वारा पुलिस की नशा मुक्त अभियान में हस्ताक्षर कर सहभागिता की है।

स्कूटी और मोटरसाइकिल आपस में टकराई- एक महिला सहित दो घायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। गोंदिया रोड आनंद रेड्डी हाउस के सामने स्कूटी और मोटरसाइकिल आपस में टकराने से एक महिला सहित दो लोग घायल हो गए। दोनों घायल का इलाज जिला अस्पताल बालाघाट में किया गया दोनों घायल जिनमे आरती पति विजय टेकाम 29 वर्ष वार्ड नंबर 32 नर्मदा नगर बालाघाट और राजकुमार पिता रंगलाल हिरवाने 21 वर्ष वार्ड नंबर 32 पावर हाउस गली बालाघाट निवासी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार आरती घरेलू काम करती है। 19 जुलाई की शाम 7-30 बजे आरती स्कूटी में बालाघाट नगर से किराना सामान खरीद कर अपने घर लौट रही थी और राजकुमार मोटरसाइकिल में सरेखा दुकान से अपने घर लौट रहा था। तभी गोंदिया रोड आनंद रेडियो हाउस के सामने सुजान धर्मशाला के पास दोनों वाहन आपस में टकरा गए और इसी के साथ ही आरती और राजकुमार दोनों अपने वाहन से गिरने से घायल हो गए ।दोनों को डायल 112 से जिला अस्पताल बालाघाट लाया गया। जहां दोनों का इलाज किया गया है। जिला अस्पताल पुलिस ने आरती और राजकुमार का बयान लेकर अस्पताल तहरीर अग्रिम कार्रवाई हेतु कोतवाली भिजवा दी है।

परीक्षा एवं शिक्षा व्यवस्था को पारदर्शी, निष्पक्ष एवं जवाबदेह बनाये जाने की मांग को लेकर छात्र छात्राओं ने किरनापुर मे निकाली विशाल रैली, एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

पद्मेश न्यूज। किरनापुर। राष्ट्रीय क्रांति मोर्चा, छात्र संगठन तथा सर्व सामाजिक संगठन के तत्वावधान मे देश मे हुए नीट पेपर लीक मामले एवं सोनम वांगचुक के समर्थन मे, परीक्षा एवं शिक्षा व्यवस्था को पारदर्शी, निष्पक्ष एवं जवाबदेह बनाये जाने की मांग को किरनापुर मे एक विशाल रैली निकाली गई। डॉ बाबा साहब अम्बेडकर बस स्टैण्ड प्रांगण किरनापुर से सर्वप्रथम बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर एवं राष्ट्रीय गीत जन गण मन का सामूहिक रूप से गायन किया गया। तत्पश्चात भारत माता की जय, वंदे मातरम् सहित अन्य गगन भेदी नारे लगाते हुए शांति पूर्वक विशाल रैली निकाली गई जो बस स्टैण्ड, किरनाई मंदिर चौंक, गुजरी चौक, अवंती चौक किरनापुर, कावरे चौक किरनापुर होते हुए एसडीएम कार्यालय के सामने उत्कृष्ट विद्यालय के मैदान मे एकत्रित हुए जहां अनेक वक्ताओं द्वारा अपने विचार व्यक्त किए गए। इस दौरान नीट पेपर लीक की निष्पक्ष सीबीआई जांच, परीक्षा एवं शिक्षा व्यवस्था को पारदर्शी निष्पक्ष और जवाबदेह बनाये जाने, संपूर्ण शिक्षा व्यवस्था में सुधार एवं परिवर्तन किए जाने, छात्रों के भविष्य के साथ किसी भी प्रकार से खिलवाड़ बंद हो। प्रत्येक विद्यार्थी को समान अवसर एवं न्याय पूर्ण परीक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने, नौकरी भर्ती परीक्षा शुल्क फ्री किया जाए, प्रदेश में बेरोजगारी दूर करने के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित किया जाए। शिक्षा का व्यापारीकरण बंद कर गरीब छात्रों को

न्याय दिया जाए, छात्रों को न्याय देने सहित अनेक मांगो को लेकर महामहिम राज्यपाल के नाम से संबोधित ज्ञापन किरनापुर एसडीएम आदित्य नारायण तिवारी को सौंपा गया।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड)
कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

मप्र विधानसभा में यूसीसी बिल पेश

सदन में बिल पर चर्चा के दौरान हंगामें के आसार

भोपाल । मध्य प्रदेश विधानसभा का मानसून सत्र सोमवार को शुरू हुआ। सदन में सरकार ने यूनिफॉर्म सिविल कोड यूसीसी बिल पेश किया। मंत्री गौतम टेटवाल ने पटल पर प्रस्ताव रखा। रविवार 20 जुलाई को डॉ मोहन यादव की कैबिनेट ने इस बिल को मंजूरी दी थी। अब इस बिल पर मानसून सत्र के दूसरे दिन (21 जुलाई) को चर्चा होगी। कांग्रेस विधायक आतिफ अकील यूसीसी के विरोध में काला कपड़ा पहनकर विधानसभा पहुंचे। इस दौरान हाथों में यूसीसी के विरोध का पोस्टर भी था। साथ ही गाय माता को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की मांग का पोस्टर भी लेकर पहुंचे। वहीं आतिफ ने मांग की है कि आदिवासियों की तरह मुसलमान को भी छूट से बाहर रखा जाए।

मध्य प्रदेश विधानसभा में यूसीसी बिल को लेकर सियासत पहले दिन से ही नजर आ रही है। रविवार को कैबिनेट में यूसीसी बिल पारित होने के बाद इस मानसून सत्र में सरकार की तैयारी है। कांग्रेस विधायक आरिफ मसूद ने बिल का विरोध करते हुए कहा कि मुझे उम्मीद है कि हमारे ट्राईबल के सभी विधायक इस पूरे मुद्दे को गंभीरता से समझ लेंगे, तो उनको समझ में आएगा कि मुसलमान को कंधे पर रखकर उनके साथ धोखा किया जा रहा है। पूर्व में भी इनका पारित किया गया है और उसमें कहा गया है कि वह आदिवासियों को इससे बाहर रखेंगे। सदन के पटल पर जब यह आएगा, तब इसके बारे में बताऊंगा कि कैसे उनके साथ धोखा कर के वापस मिला लिया। वहीं उन्होंने रामेश्वर शर्मा के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि हम किसी के भी दबाव में नहीं आते, जनता बहुत समझदार है वो संविधान और ऊपर वाले दबाव में आती है।

यूनिफॉर्म एजुकेशन कोड की बात कर रहा युवा

कांग्रेस के पूर्व मंत्री जयवर्धन सिंह ने कहा कि सामान्य नागरिक संहिता के संबंध में, जो कल कैबिनेट में मंजूरी मिली है। सदन के अंदर भी इस पर चर्चा हो सकती है। देश के युवा, यूनिफॉर्म सिविल कोड की बात नहीं कर रहा है। वह यूनिफॉर्म एजुकेशन कोड की बात कर रहा है। भाजपा के राज में लगातार पेपर लीक हो रहे हैं। पैसों के आधार पर भर्ती करने का प्रयास कर रहे हैं। मुख्यमंत्री के ढाई साल से अधिक समय पूरा हो चुका है। उनके पास मध्य प्रदेश के विकास, युवाओं, किसानों के लिए एक भी योजना नहीं है। भाजपा को हिंदू-मुस्लिम सांप्रदायिक तनाव की बात करनी है। मुख्यमंत्री, यूनिफॉर्म सिविल कोड की बात करने से पहले यूनिफॉर्म एजुकेशन कोड की भी बात करें।

अनुभा मुंजारे बोलीं- महिलाओं को नहीं हो रहा सम्मान

कांग्रेस विधायक अनुभा मुंजारे ने कहा कि अभी यूसीसी पर कुछ कहना जल्दबाजी होगा। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार इस पर अपना वक्तव्य देंगे। महिलाओं के सम्मान की ये बात करते हैं, लेकिन महिलाओं का सम्मान कहा हो रहा है ? नारी शक्ति वंदन' लेकर आते हैं, उसमें भी बहुत सारी शर्तें लेकर आते हैं। मध्य प्रदेश में भी महिलाओं के उत्पीड़न की घटनाएं हो रही हैं। छोटी-छोटी बच्चियों के साथ बलात्कार की घटनाएं हो रही है।

गोपाल भार्गव बोले- यूसीसी में शादी को लेकर व्यवस्था अच्छी है

बीजेपी विधायक गोपाल भार्गव ने कहा कि लिव इन रिलेशन भारतीय संस्कृति का अंग नहीं इसकी मान्यता नहीं है। नए दौर में यह सब प्रचलन में आया है फिर भले ही किसी को खाई में धकेल दिया जाए, इस तरह की बाते होती हैं। यह सब ध्यान में रखकर सरकार इसको लेकर फैसला कर रही है। यूसीसी में शादी को लेकर बहुत अच्छी व्यवस्था दी गई है। आदिवासी, घुमक्कड़ जैसे समुदाय संस्कृति बहुत प्राचीन हैं। जनजातीय के समान वर्गों और मुस्लिम समाज के नियमों में बहुत अंतर है। आपको बता दें कि एमपी विधानसभा में मंगलवार (21 जुलाई) को यूसीसी बिल पर चर्चा होगी।

उज्जैन जमीन खरीदी को लेकर भिड़े सरकार और विपक्ष

- सदन में जोरदार हंगामा, विधानसभा आधे घंटे रही स्थगित

भोपाल। विधानसभा के मानसून सत्र के दौरान शून्य काल की कार्यवाही शुरू होने के बाद विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने उज्जैन में जमीन खरीदी का मामला उठाया। इस पर चर्चा की मांग की। इसका बीजेपी विधायकों और मंत्रियों ने विरोध किया। मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि मेरा पॉइंट ऑफ ऑर्डर है। नियम के अनुसार यह मुद्दा स्थगन प्रस्ताव पर चर्चा में नहीं लाया जा सकता है क्योंकि यह 2023 का मामला है। इसके बाद सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों ओर से शोर-शराबा शुरू हो गया।

स्पीकर नरेंद्र सिंह तोमर ने आसंदी से खड़े होकर सदस्यों से शांत रहने का आग्रह किया। लेकिन कांग्रेस के विधायक गर्भगृह के पास पहुंच गए और नारेबाजी करने लगे। स्पीकर तोमर ने कहा कि इस मुद्दे पर नियम 139 के अंतर्गत चर्चा करेंगे। जवाब में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा- स्थगन प्रस्ताव सिंहस्थ की जमीन छीनने को लेकर और मुख्यमंत्री के परिवार द्वारा जमीन खरीदी को लेकर है। इस पर चर्चा कराई जाए। जब कांग्रेस के विधायकों ने शोर-शराबा खत्म नहीं किया तो विधानसभा अध्यक्ष ने सदन की कार्यवाही आधे घंटे के लिए स्थगित कर दी।

विधायक कप की राशि का क्या हो रहा?

प्रश्न काल के दौरान कांग्रेस विधायक लखन सिंह घनघोरिया ने खेल विभाग द्वारा सामग्री खरीदी का मामला उठाया। उन्होंने कहा कि विधायक कप की राशि का क्या हो रहा है? खेल मंत्री विश्वास सारंग ने कहा कि विधायक ने जो जानकारी मांगी थी, वह दे दी गई है। कांग्रेस की सरकार में 6 करोड़ रुपए खेल बजट था, जो बीजेपी सरकार में 815 करोड़ हो गया है। हर विधानसभा क्षेत्र में कम से कम एक स्टेडियम बनाने का काम किया जा रहा है। कोई विधायक खेल प्रतियोगिता कराने की इच्छा रखते हैं तो प्रस्ताव भेजें। सरकार ऐसे मामले में राशि देने का काम करेगी और सहयोग भी करेगी। सारंग ने कहा कि हम सिर्फ अपने फोटो लगाने के लिए प्रतियोगिता आयोजित नहीं करना चाहते।

कंपनियों को राहत और कर्मचारियों को मिलेगा अटका पैसा

– ईपीएफओ की विश्वास-2026 योजना में पुराने पीएफ विवाद होंगे खत्म

भोपाल । कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने भविष्य निधि (पीएफ) जमा करने में हुई देरी से जुड़े पुराने विवादों और लंबित मामलों के समाधान के लिए 'विश्वास-2026' नाम से एकमुश्त विवाद निपटान योजना शुरू की है। श्रम मंत्रालय की इस पहल से वर्षों से कानूनी विवादों में फंसी कंपनियों को राहत मिलेगी, वहीं कर्मचारियों का अटका हुआ पीएफ भी जल्द उनके खातों में पहुंच सकेगा। यह योजना 29 जून 2026 से लागू हो चुकी है और अगले छह महीने तक प्रभावी रहेगी। इसका लाभ विशेष रूप से उन औद्योगिक इकाइयों और नियोक्ताओं को मिलेगा, जिनके खिलाफ पीएफ अंशदान में देरी को लेकर कार्रवाई या विवाद चल रहे हैं।

व्यापारिक और औद्योगिक संगठनों के अनुसार कई बार आर्थिक मंदी, तकनीकी समस्याओं या वित्तीय संकट के कारण कंपनियां समय पर पीएफ जमा नहीं कर पातीं। इसके बाद उन पर भारी ब्याज, क्षतिपूर्ति और कानूनी कार्रवाई शुरू हो जाती है। 'विश्वास-2026' योजना के तहत देरी से जमा किए गए पीएफ पर लगने वाली क्षतिपूर्ति और ब्याज की गणना रियायती दरों पर की जाएगी। इससे नियोक्ताओं का वित्तीय बोझ कम होगा और वे पुराने मामलों का शीघ्र निपटारा कर सकेंगे।

कर्मचारियों को मिलेगा फंसा हुआ पीएफ

योजना का सबसे बड़ा लाभ कर्मचारियों को मिलेगा। कई मामलों में कंपनियों और ईपीएफओ के बीच चल रहे विवादों के कारण कर्मचारियों का पीएफ वर्षों तक अटका रहता है। अब विवादों के समाधान के बाद कर्मचारियों के पीएफ की लंबित राशि जल्द उनके खातों में स्थानांतरित की जा सकेगी, जिससे हजारों कर्मचारियों को राहत मिलने की उम्मीद है।

इन मामलों पर लागू होगी योजना

'विश्वास-2026' योजना के दायरे में चार प्रकार के विवादित मामले शामिल किए गए हैं- जिन मामलों में क्षतिपूर्ति या जुर्माने के आदेश को अदालत या ट्रिब्यूनल में चुनौती दी गई है। जिन मामलों में अंतिम आदेश जारी हो चुका है, लेकिन वसूली लंबित है या आंशिक रूप से हुई है। जिन मामलों में विभाग की ओर से नोटिस जारी हो चुका है, लेकिन अंतिम आदेश अभी पारित नहीं हुआ है। ऐसे मामले, जिनमें अभी तक क्षतिपूर्ति या जुर्माने का नोटिस भी जारी नहीं किया गया है।

असंगठित क्षेत्र के लिए भी नया पीएफ सिस्टम

ईपीएफओ असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा के दायरे में लाने के लिए भी नई व्यवस्था तैयार कर रहा है। प्रस्तावित यूनिवर्सल प्रोविडेंट फंड (पीएफ) प्रणाली के तहत रेहड़ी-पटरी विक्रेता, ठेला संचालक, डिलीवरी बॉय, गिग वर्कर, फैक्टरी के बाहर काम करने वाले श्रमिक और अन्य असंगठित क्षेत्र के कामगार भी स्वैच्छिक रूप से पीएफ खाते से जुड़ सकेंगे। इस व्यवस्था में कामगार अपनी सुविधा के अनुसार दैनिक, मासिक या वार्षिक आधार पर अपनी आय का एक हिस्सा पीएफ खाते में जमा कर सकेंगे। इसका उद्देश्य असंगठित क्षेत्र के करोड़ों श्रमिकों को भी भविष्य के लिए सामाजिक सुरक्षा उपलब्ध कराना है। श्रम मंत्रालय का मानना है कि 'विश्वास-2026' योजना एक ओर वर्षों पुराने पीएफ विवादों को समाप्त करेगी, वहीं दूसरी ओर कर्मचारियों के हितों की रक्षा करते हुए भविष्य निधि प्रणाली को अधिक प्रभावी और भरोसेमंद बनाएगी।

जिला उपभोक्ता आयोग का बड़ा फैसला

एयर इंडिया को 6 यात्रियों को देने होंगे 96 हजार रुपये

भोपाल। तकनीकी वजहों से कई बार उड़ान निरस्त होती और विमानन कंपनियां टिकट रद्द कर देती हैं। वे टिकट का पैसा तो वापस करती हैं, लेकिन उसकी वजह से होने वाले नुकसान की भरपाई से प्रायः इन्कार कर देती हैं। भोपाल के जिला उपभोक्ता आयोग ने इसे सेवा में कमी बताते हुए उपभोक्ता को 96 हजार रुपये की भरपाई करने का आदेश विमानन कंपनी को दिया है।

मामला कोटरा सुल्तानाबाद निवासी तीन परिवारों डॉ. शैलेंद्र एवं सुषमा निगम, सुदेश एवं शालिनी सक्सेना और डॉ. एमएल बंजारे एवं बुशन बंजारे ने 11 मई 2024 को भोपाल से श्रीनगर जाने के लिए एयर इंडिया की टिकट बुक कराई। 6 यात्रियों का कुल किराया 1.18 लाख रुपये लगा। यात्रियों ने पहलगाम, गुलमर्ग और श्रीनगर में होटल, हाउसबोट तथा स्थानीय वाहनों की अग्रिम बुकिंग कर रखी थी। श्रीनगर से दिल्ली की उड़ान और दिल्ली से रानी कमलापति स्टेशन तक वंदे भारत एक्सप्रेस की एसी-1 और एसी-2 श्रेणी के टिकट भी लगभग 54,670 रुपये में बुक किए गए थे।

दो घंटे पहले दी जानकारी

11 मई को एयर इंडिया ने उड़ान से केवल दो घंटे पहले टिकट निरस्त होने की सूचना दी। तब तक ये लोग हवाई अड्डे के लिए निकल चुके थे। एयर इंडिया ने अगले दिन की उड़ान में टिकट उपलब्ध करा दिए, लेकिन तब तक यात्रियों की कश्मीर में की गई अधिकांश अग्रिम बुकिंग बेकार हो चुकी थी। इससे उन्हें आर्थिक नुकसान के साथ मानसिक तनाव भी झेलना पड़ा। सभी यात्री वरिष्ठ नागरिक श्रेणी में आते हैं और उन्होंने आयोग में विशेष सुविधा न मिलने की भी शिकायत की थी। यात्रियों ने इस नुकसान की भरपाई का दावा किया तो विमानन कंपनी ने इन्कार कर दिया। उसके बाद मामला जिला उपभोक्ता आयोग पहुंचा।

एयर इंडिया ने कहा उसने नियमों का पालन किया

एयर इंडिया ने आयोग के समक्ष दलील दी कि विमान से पक्षी टकराने के कारण उड़ान निरस्त करनी पड़ी थी। कंपनी ने नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) के सीएआर नियमों का पालन करते हुए यात्रियों को अगले दिन की उड़ान उपलब्ध कराई और आवश्यक सहायता दी।

आयोग में नहीं चली दलील

आयोग के अध्यक्ष योगेश दत्त शुक्ल तथा सदस्य अंजुम फिरोज और प्रीति मुद्गल की पीठ ने कंपनी की दलील को नहीं माना। उनका कहना था कि उड़ान निरस्त होने से यात्रियों की पूर्व निर्धारित यात्रा योजना पूरी तरह प्रभावित हुई। उन्हें आर्थिक नुकसान व मानसिक कष्ट उठाना पड़ा। इसकी भरपाई कंपनी को करना होगा। उन्होंने प्रत्येक यात्री को 16-16 हजार रुपये की दर से 96 हजार रुपये देने के आदेश दिए।

प्राथमिक शिक्षक भर्ती में 600 अभ्यर्थियों की नियुक्ति पर संकट

भोपाल। मध्यप्रदेश में चल रही प्राथमिक शिक्षक भर्ती प्रक्रिया के दौरान भारतीय पुनर्वास परिषद के केंद्रीय पुनर्वास रजिस्टर प्रमाणपत्र को लेकर नया विवाद सामने आया है। कर्मचारी चयन मंडल द्वारा 14 हजार पात्र अभ्यर्थियों के दस्तावेजों की दोबारा जांच के दौरान करीब 600 ऐसे अभ्यर्थी मिले, जिन्होंने पहले 5 प्रतिशत अतिरिक्त अंक का दावा सीआरआर प्रमाणपत्र के आधार पर किया था, लेकिन स्क्रूटनी के समय संबंधित प्रमाणपत्र प्रस्तुत नहीं कर सके। ऐसे अभ्यर्थियों की नियुक्ति फिलहाल रोक दी गई है।

मामला अब अदालत में विचाराधीन है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, संबंधित अभ्यर्थियों का कहना है कि उनके आवेदन के साथ सीआरआर प्रमाणपत्र गलती से संलग्न हो गया था। ऐसे में अब अंतिम स्थिति अदालत के फैसले के बाद ही स्पष्ट होगी। वहीं, जिन नए अभ्यर्थियों को इनके स्थान पर मौका मिल सकता है, उनकी नियुक्ति को लेकर भी असमंजस की स्थिति बनी हुई है। जानकारी के अनुसार, सीआरआर विशेष शिक्षा और दिव्यांग पुनर्वास से जुड़े पेशेवरों के लिए अनिवार्य पंजीकरण प्रमाणपत्र है, जो उन्हें इस क्षेत्र में कार्य करने की कानूनी मान्यता प्रदान करता है।

जुलाई में नियुक्ति पत्र देने की तैयारी, ई-अटेंडेंस पर भी सख्ती

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, लोक शिक्षण आयुक्त अभिषेक सिंह ने बताया कि विभाग की कोशिश जुलाई के भीतर ही नियुक्ति पत्र जारी करने की है ताकि नए शिक्षक चालू शिक्षण सत्र में स्कूलों में कार्यभार संभाल सकें। उन्होंने कहा कि यदि किसी अभ्यर्थी की नियुक्ति किसी उचित कारण से बाद में होती है तो उसकी वरिष्ठता पर असर नहीं पड़ेगा। उन्होंने यह भी बताया कि विभाग के ई-अटेंडेंस सिस्टम में लगातार सुधार किया जा रहा है। यदि तकनीकी कारणों से उपस्थिति दर्ज नहीं हो रही है तो उसे ठीक किया जाएगा, लेकिन जानबूझकर ई-अटेंडेंस नहीं लगाने वाले कर्मचारियों के खिलाफ वेतन रोकने सहित दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

अटैचमेंट वाले शिक्षकों को मूल पद पर लौटने के निर्देश

विभाग ने अटैचमेंट पर कार्यरत शिक्षकों को भी मूल पदस्थापना स्थल पर लौटने के निर्देश दिए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, भोपाल में 92 शिक्षक अटैचमेंट से मुक्त किए जा चुके हैं, जबकि अन्य जिलों में भी हजारों शिक्षक अभी अटैचमेंट पर हैं। शिक्षा का अधिकार (आरटीई) अधिनियम के प्रावधानों का हवाला देते हुए विभाग ने स्पष्ट किया है कि शिक्षकों को गैर-शैक्षणिक कार्यों में नहीं लगाया जाएगा।

ई-टोकन के बावजूद किसानों को खाद नहीं

- ई टोकन के नाम पर अवैध वसूली

भोपाल। मध्य प्रदेश में सहकारी समितियों के माध्यम से खाद वितरण व्यवस्था को लेकर विधानसभा में गंभीर सवाल उठे हैं। विधायक जगन्नाथ सिंह रघुवंशी ने सदन में प्रश्न के माध्यम से कहा किसानों को सहकारी समितियों द्वारा 15 रुपये लेकर ई-टोकन जारी किए जा रहे हैं। ई-टोकन होने के बावजूद उन्हें खाद उपलब्ध नहीं कराई जा रही है। खेती के महत्वपूर्ण सीजन में किसानों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। विधानसभा में पूछे गए प्रश्न के लिखित उत्तर में कृषि मंत्री एंदल सिंह कंसाना ने स्वीकार किया कि सहकारी समितियों के माध्यम से किसानों को ई-टोकन जारी किए जा रहे हैं। हालांकि, जिन किसानों के पास ई-टोकन होने के बावजूद खाद नहीं मिल रही है। उसके कारणों और समस्या के समाधान के संबंध में सरकार ने कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी। विपक्ष ने इस मुद्दे को किसानों की परेशानियों से जुड़ा गंभीर मामला बताते हुए सरकार से जवाबदेही तय करने और खाद वितरण व्यवस्था में सुधार की मांग की। किसानों का कहना है, ई-टोकन लेने के बाद भी कई दिनों तक समितियों के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। जिससे बुवाई और फसल प्रभावित हो रही है। अब सरकार के जवाब के बाद खाद वितरण व्यवस्था की पारदर्शिता और प्रभावशीलता पर नए सिरे से सवाल खड़े हो गए हैं।

सरकार के फैसले पर बढ़ेगी सियासी गर्मी

मंडी शुल्क बढ़ाने पर कांग्रेस का बड़ा आंदोलन, 31 जुलाई को प्रदेशभर में होगा विरोध

भोपाल । मध्यप्रदेश सरकार की ओर से मंडी शुल्क में की गई बढ़ोतरी को लेकर अब सियासत तेज हो गई है। कांग्रेस ने इस फैसले के खिलाफ प्रदेशव्यापी आंदोलन का ऐलान कर दिया है। पार्टी का कहना है कि मंडी शुल्क बढ़ने का सीधा असर किसानों, व्यापारियों, आढ़तियों और अंततः आम उपभोक्ताओं पर पड़ेगा। इसी मुद्दे को लेकर 31 जुलाई को प्रदेश के सभी जिलों में मंडी समितियों के बाहर प्रदर्शन कर राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपे जाएंगे। शहरऔर स्थानीय मार्गदर्शिका

कांग्रेस उद्योग एवं व्यापार प्रकोष्ठ की प्रदेश स्तरीय वर्चुअल बैठक में आंदोलन की रूपरेखा तैयार की गई। बैठक में प्रदेशभर के जिला पदाधिकारियों ने हिस्सा लिया और सरकार के फैसले के खिलाफ एकजुट होकर विरोध दर्ज कराने का निर्णय लिया। पार्टी ने सभी जिला इकाइयों को आंदोलन की तैयारियां शुरू करने के निर्देश दिए हैं।

पहले ही सबसे ज्यादा शुल्क, अब फिर बढ़ोतरी

बैठक के दौरान कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि मध्यप्रदेश में पहले से ही मंडी शुल्क देश के कई राज्यों की तुलना में अधिक है। इसके बावजूद सरकार ने शुल्क बढ़ाकर किसानों और व्यापारियों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डाल दिया है। कांग्रेस का कहना है कि इससे कृषि उपज का व्यापार प्रभावित होगा और बाजार व्यवस्था पर भी असर पड़ेगा। कांग्रेस ने इस मुद्दे को केवल राजनीतिक नहीं बल्कि किसानों और व्यापारियों के हित से जुड़ा मामला बताया है। पार्टी का दावा है कि बढ़े हुए शुल्क का असर कृषि उपज की लागत, व्यापारिक गतिविधियों और उपभोक्ताओं तक पहुंचने वाली कीमतों पर भी पड़ सकता है। इसी वजह से सरकार को अपना फैसला वापस लेना चाहिए। कांग्रेस के मुताबिक 31 जुलाई को प्रदेश के सभी जिलों में मंडी समितियों के बाहर विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। इसके बाद राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपकर मंडी शुल्क बढ़ोतरी को वापस लेने की मांग की जाएगी। पार्टी का कहना है कि यदि सरकार ने मांग नहीं मानी तो आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा।

विस- उज्जैन जमीन खरीदी मामले में विपक्ष ने जमकर किया हंगामा

भोपाल। राज्य विधानसभा के मानसून सत्र के पहले दिन प्रश्नकाल के दौरान मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस ने जमकर हंगामा किया। विपक्ष की मांग थी कि उज्जैन में हुई जमीन खरीदी मामले पर सदन में चर्चा हो। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने उज्जैन में जमीन खरीदी का मामला उठाया। इस पर चर्चा की मांग की, जिसका भाजपा विधायकों और मंत्रियों ने विरोध किया। इसके बाद दोनों तरफ से हंगामा शुरु हो गया। भारी शोर गुल के बीच संसदीय कार्य मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा- यह मुद्दा स्थगन प्रस्ताव पर चर्चा में नहीं लाया जा सकता है। इतना सुनते ही कांग्रेस विधायक और ज्यादा गुस्से में आ गए और गर्भगृह के पास पहुंचकर नारेबाजी करने लगे। विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर सदस्यों को शांत रहने और कार्यवाही चलने देने का कहते हुए कहा कि इस मुद्दे पर नियम 139 के अंतर्गत चर्चा करेंगे। जवाब में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा- स्थगन प्रस्ताव सिंहस्थ की जमीन छीनने को लेकर और मुख्यमंत्री के परिवार द्वारा जमीन खरीदी को लेकर है। इस पर चर्चा कराई जाए। जब कांग्रेस के विधायकों ने शोर-शराबा खत्म नहीं किया तो विधानसभा अध्यक्ष ने सदन की कार्यवाही आधे घंटे के लिए स्थगित कर दी। उधर, ओबीसी महासभा मध्य प्रदेश ने 27 प्रतिशत आरक्षण लागू कराने और 13 फीसदी पदों को होल्ड फ्री करने की मांग को लेकर आज विधानसभा घेराव का आयोजन किया है। महासभा के सदस्यों का कहना है कि जब 27 प्रतिशत आरक्षण पर एग्जाम होता है और मेरिट बनती है तो फिर सिर्फ 14 प्रतिशत आरक्षण के आधार पर नियुक्ति क्यों होती है?

शून्य काल में गूंजा उज्जैन में जमीन खरीदी का मामला

विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष ने की तत्काल चर्चा कराने की मांग

भोपाल। मध्यप्रदेश विधानसभा में सोमवार को शून्य काल के दौरान उज्जैन में जमीन खरीदी का मामला गूंजा। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार द्वारा यह मामला उठाते हुए स्थगन प्रस्ताव रखा एवं इस पर तत्काल चर्चा कराने की मांग की, जिसका संसदीय कार्य मंत्री कैलाश विजयवर्गीय द्वारा विरोध किया गया। उन्होने कहा कि यह हाल का विषय नहीं है, इसीलिए स्थगन का विषय नहीं हो सकता। इस पर नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंगार बोले कि जमीन खरीदी के मामले में मुख्यमंत्री और उनके परिजनों पर आरोप लगे हैं। कांग्रेस सदस्यों ने कहा कि हाल में हुई घटनाओं पर चर्चा की बात की जा रही है। ये बताया जाए कि हाल की समय सीमा कितनी होती है। इस पर कांग्रेस सदस्यों ने नारेबाजी शुरू की। नेता प्रतिपक्ष सिंघार ने कहा कि इस पूरे मामले पर सरकार की ओर से स्पष्टीकरण आना चाहिए। इस पर संसदीय कार्य मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने पॉइंट ऑफ आर्डर लिया। उन्होंने कहा कि स्थगन के नियम में यह स्पष्ट है कि हाल ही में घटित घटनाओं को लेकर स्थगन प्रस्ताव लाया जा सकता है। यह मामला 2023 से जमीन खरीदी से जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि विपक्षी सदस्यों द्वारा सदन में जो कुछ भी कहा जा रहा है उसको रिकार्ड में नहीं होना चाहिए। इस पर विधानसभा अध्यक्ष बोले कि कांग्रेस सदस्यों के प्रस्ताव पर विचार होगा।

46 लाख ग्रामीणों को मुफ्त मिलेगा संपत्ति का मालिकाना हक

स्वामित्व योजना में सेस और पंचायत उपकर खत्म, सरकार उठाएगी 3 हजार करोड़ का खर्च

भोपाल। मध्य प्रदेश सरकार ने ग्रामीण संपत्तियों को वैधानिक पहचान देने की दिशा में बड़ा फैसला लेते हुए स्वामित्व योजना के तहत मिलने वाले संपत्ति अधिकार दस्तावेज पूरी तरह निशुल्क करने का रास्ता साफ कर दिया है। अब योजना के अंतर्गत संपत्तियों की रजिस्ट्री पर लगने वाले सेस और पंचायत उपकर दोनों से छूट दे दी गई है। वित्त विभाग ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिए हैं। इससे पात्र ग्रामीणों को बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के उनकी संपत्तियों का वैधानिक स्वामित्व दस्तावेज मिल सकेगा।

सरकार का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों की संपत्तियों का डिजिटल रिकॉर्ड तैयार करना, भूमि विवादों को कम करना और संपत्ति मालिकों को बैंक ऋण जैसी वित्तीय सुविधाओं से जोड़ना है। स्वामित्व योजना को 13 मार्च 2026 को राज्य मंत्रिपरिषद ने मंजूरी दी थी। इसके बाद ग्रामीण विकास विभाग ने पहले ही रजिस्ट्री पर लगने वाले पंचायत उपकर से छूट दे दी थी। अब वित्त विभाग ने भी रजिस्ट्री पर लगने वाले सेस को समाप्त करने का आदेश जारी कर दिया है। दोनों छूट लागू होने के बाद पात्र हितग्राहियों की संपत्तियों की पूरी तरह निशुल्क रजिस्ट्री कराई जाएगी।

46 लाख लोगों को मिलेगा लाभ

राज्य संचालक के सर्वे के अनुसार प्रदेश में करीब 46 लाख ऐसे ग्रामीण हैं, जिनके पास अपनी आवासीय संपत्ति का कोई वैधानिक स्वामित्व दस्तावेज नहीं है। अब सरकार इन सभी पात्र लोगों की संपत्तियों की निशुल्क रजिस्ट्री कराएगी और उस पर लगने वाला स्टांप शुल्क भी स्वयं वहन करेगी। इस पूरी प्रक्रिया पर सरकार के खजाने से करीब 3,000 करोड़ रुपये का अतिरिक्त व्यय होने का अनुमान है।

तहसीलदार भी कर सकेंगे रजिस्ट्री

योजना को तेजी से लागू करने के लिए राज्य सरकार पहले ही तहसीलदार और नायब तहसीलदारों को रजिस्ट्री करने के अधिकार दे चुकी है। इससे अब राजस्व अधिकारी सर्वे के बाद संबंधित नागरिकों के नाम संपत्ति का पंजीयन कर सकेंगे। इस व्यवस्था से पंजीयन कार्यालयों पर काम का दबाव कम होगा और पूरी प्रक्रिया राजस्व विभाग के माध्यम से अधिक तेज़ी से पूरी की जा सकेगी।

ड्रोन सर्वे से तय होगी संपत्ति की सीमा

स्वामित्व योजना केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना है, जिसे राज्यों के सहयोग से लागू किया जा रहा है। इसके तहत गांवों की आबादी क्षेत्र का ड्रोन तकनीक से सर्वेक्षण किया जाता है। प्रत्येक मकान और आवासीय भूखंड की सटीक सीमा निर्धारित की जाती है। सर्वे पूरा होने के बाद दावे और आपत्तियां आमंत्रित की जाती हैं। इनके निराकरण के बाद अंतिम नक्शा तैयार होता है और फिर संपत्ति मालिकों को रजिस्टर्ड स्वामित्व अधिकार अभिलेख जारी किए जाते हैं।

ग्रामीणों को होंगे कई फायदे

स्वामित्व योजना लागू होने से ग्रामीणों को कई स्तरों पर लाभ मिलेगा। संपत्ति का वैधानिक रिकॉर्ड बनने से भूमि और स्वामित्व संबंधी विवादों में कमी आएगी। सभी ग्रामीण संपत्तियों का डिजिटल रिकॉर्ड तैयार होगा, जिससे प्रशासनिक पारदर्शिता बढ़ेगी। संपत्ति का कानूनी दस्तावेज मिलने के बाद ग्रामीण बैंक से ऋण लेने में सक्षम होंगे, क्योंकि वे अपनी संपत्ति को वैध दस्तावेज के रूप में प्रस्तुत कर सकेंगे। वहीं, ग्राम पंचायतों को भी संपत्ति कर निर्धारण और गांवों के विकास की बेहतर योजना बनाने में सुविधा मिलेगी।

डकेट की जगह बेथल को इसलिए मिला प्लेयर ऑफ द मैच अवार्ड

लंदन । बल्लेबाज बेन डेकेट के शानदार शतक से मेजबान इंग्लैंड ने भारतीय टीम के खिलाफ लॉर्ड्स में खेले गये तीसरे और अंतिम एकदिवसीय मैच में जीत के साथ ही सीरीज 2-1 से जीत ली। इस मैच में मेजबान टीम की जीत के बाद से ही डकेट अपनी 141 रनों की पारी के कारण प्लेयर ऑफ द मैच अवार्ड के सबसे बड़े दावेदार बनकर उभरे थे लेकिन अवार्ड उनकी जगह 91 रन और एक विकेट लेने वाले जैकब बेथल को मिला। जिसपर सभी हैरान हो गये। वहीं अब इसका कारण सामने आया है। वह ये है कि बेथेल ने इस मैच भरतीय टीम की ओर से शतकीय पारी खेलने वाले सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा का अहम विकेट लेकर मैच अपनी टीम की ओर मोड़ दिया था। रोहित ने इस मैच में 138 रन बनाये और वह मेजबान टीम की जीत में रोड़ा बने हुए थे। ऐस में डकेट के शतक पर बेथल का ऑलराउंडर प्रदर्शन भारी पड़ा।

इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज डकेट ने इस मैच में पारी की शुरुआत करते हुए 135 गेंदों पर 18 चौके और एक छक्का लगाकर 141 रनों की आक्रामक पारी खेली। डकेट के साथ ही उनके जोड़ीदार बेथल ने भी 91 रन बनाये। इन दोनों बल्लेबाजों ने मिलकर पहले विकेट के लिए 192 रनों की विशाल साझेदारी की, जिसने इंग्लैंड की टीम ने 50 ओवरों में 388 रनों का विशाल स्कोर बनाया।

इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम ने भी अंत तक मुकाबला किया। सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा ने 138 रनों की शानदार पारी खेली, वहीं युवा शुभमन गिल ने 77 और अनुभवी विराट कोहली ने 74 रन बनाये। पर इसके बाद भी टीम निर्धारित 50 ओवरों में 360 रन ही बना सके और उसे 27 रनों से हार का सामना करना पड़ा। इस मैच में सभी की नजरें प्लेयर ऑफ द मैच के अवॉर्ड पर टिकी थीं। सभी का अंदाजा था कि पंडितों और प्रशंसकों को उम्मीद थी कि अपनी शतकीय पारी से टीम को विशाल स्कोर तक पहुंचाने वाले डकेट को ही यह सम्मान मिलेगा पर उनकी जगह पर बेथल को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। इसका कारण बेथल के प्रभावशाली प्रदर्शन को बताया गया है। उन्होंने न केवल डकेट के साथ मिलकर पहले विकेट के लिए एक महत्वपूर्ण और बड़ी साझेदारी निभाई, बल्कि रोहित को आउट किया। उस समय रोहित भारत को लक्ष्य की ओर ले जा रहे थे। रोहित के पवेलियन लौटते ही मैच का पासा पूरी तरह से इंग्लैंड की तरफ पलट गया। बेथल के इस निर्णायक योगदान को डकेट के शतक से भी ऊपर रखा गया। इसी कारण उन्हें अवार्ड दिया गया।

स्पेन ने 16 साल बाद फीफा विश्वकप जीता, टोरेस के गोल से मेसी का सपना टूटा

न्यूजर्सी । फेरान टोरेस के शानदार गोल के साथ ही स्पेन ने अर्जेंटीना को हराकर 16 साल के बाद एक बार फिर फीफा विश्वकप फुटबॉल खिताब जीता है। इस मैच में स्पेन की जीत के साथ ही अर्जेंटीना के कप्तान लियोनल मेसी का लगातार दूसरी बार खिताब जीतने का सपना भी टूट गया। स्पेन की जीत में टोरेस की सबसे अहम भूमिका रही हालांकि ये गोल अकेले टोरेस ने नहीं किया बल्कि यह टीम के दो शीर्ष खिलाड़ियों और दो स्थानापन्न खिलाड़ियों की सहायता के कारण संभव हुआ। जिसकी नींव मैच के महत्वपूर्ण मोड़ पर रखी गई। मैच जब अपने चरम पर था तभी अतिरिक्त समय के दूसरे हाफ की शुरुआत में ही अर्जेंटीना को बड़ा झटका लगा। 93वें मिनट में एंजो फर्नांडिस को दूसरा पीला कार्ड दिखाये जाने के कारण मैदान से बाहर कर दिया गया। जिससे अर्जेंटीना की टीम को दस खिलाड़ियों के साथ खेलना पड़ा। स्पेन ने इसका पूरा लाभ का पूरा उठाया और गोल दागने की रणनीति को अंजाम दिया।

इसके बाद जब स्टार खिलाड़ी लामिन यमाल ने दाहिने विंग से गेंद को बड़ी कुशलता से लेकर उसे पेड्रो पोरो की ओर बढ़ाया। पोरो का दाहिने पैर से लगाया गया क्रॉस भले ही थोड़ा बाहर की ओर जा रहा था, लेकिन तभी 75वें मिनट में मैदान पर आए सब्स्टीट्यूट निको विलियम्स ने एक शानदार हेडर से गेंद को दिशा दी और उसे फेरान टोरेस के कदमों में पहुंचा दिया। एक और सब्स्टीट्यूट खिलाड़ी के तौर पर आए टोरेस ने बिना कोई समय गंवाए, अपने बाएं पैर से गेंद को गोल पोस्ट की तरफ धकेला। अर्जेंटीना के गोलकीपर एमिलियानो मार्तिनेज के पास इसे रोकने का कोई मौका नहीं था और इस प्रकार 106वें मिनट में किये इस गोल से स्पेन ने 1-0 की बढ़त लेने के साथ ही अर्जेंटीनाई प्रशंसकों को सदमे में डाल दिया।

इसके बाद ये बढ़त अंत तक बनी रही। गोल दागने के बाद, जीत के हीरो टोरेस ने अपनी भावनाओं को व्यक्त करते हुए कहा, यह 47 मिलियन लोगों द्वारा किया गया गोल था। मैं बेहद खुश हूं। उन्होंने अपनी पिछली आलोचनाओं को याद करते हुए कहा, विश्व कप में मेरी काफी आलोचना हुई थी पर शायद यह गोल मेरी किस्मत में था। जो अधिकारी होते हैं और भरोसा रखते हैं, भगवान उनकी झोली भर देता है। यह गोल वास्तव में एक खिलाड़ी के धैर्य और दृढ़ विश्वास का प्रतीक बन गया।इस जीत के साथ, रोड्री की कप्तानी वाली स्पेनिश टीम ने 16 साल के अपने खिताबी सूखे को समाप्त किया। गौरतलब है कि स्पेन ने आखिरी बार 2010 में फीफा विश्व कप का खिताब अपने नाम किया था। तब भी, 16 साल पहले स्पेन के सामने विश्व कप के फाइनल में नीदरलैंड की टीम थी और स्पेन ने उस मैच में भी अतिरिक्त समय में ही जीत हासिल की थी। वहीं अब, 16 साल बाद, टीम ने अर्जेंटीना के खिलाफ उसी इतिहास को दोहराया है।

रोहित ने लॉर्ड्स में जिस बल्ले से लगाया शतक वह शार्दुल का निकला

लंदन। भारतीय टीम के अनुभवी सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा ने मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे और अंतिम एकदिवसीय मुकाबले में अपनी आक्रामक पारी से सभी का दिल जीत लिया। रोहित ने अपनी इस पारी में केवल 110 गेंदों पर ही 138 रन बना दिये। इस दौरान उन्होंने 17 चौके और पांच छक्के लगाये। रोहित के इस शानदार प्रदर्शन के बाद खुलासा हुआ है कि उन्होंने ये शतक उधार के बल्ले से लगाया था। रोहित ने ये बल्ला टीम से बाहर चल रहे ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर से लिया था। शार्दुल ने बताया कि वह बल्ले बनानी वाली एसएस कंपनी से जुड़े हैं, जिससे उन्हें हमेशा बेहतरीन गुणवत्ता वाले बल्ले मिलते हैं। उन्हीं बल्लों को देखकर एक दिन रोहित ने उनसे दो बल्ले मांगे थे, जो उन्हें बेहद पसंद आए थे।

शार्दुल ने अपनी खुशी व्यक्त करते हुए कहा, रोहित को मेरे बल्ले सच में बहुत पसंद आए थे। उन्होंने सीधे मुझसे कहा कि मुझे दो बल्ले दे दो। हम सभी रोहित से बहुत प्यार करते हैं। उन्होंने भारतीय क्रिकेट को इतने अविस्मरणीय पल दिए हैं कि उन्हें बल्ला देने से इनकार करने का तो सवाल ही पैदा नहीं होता। शार्दुल ने आगे कहा, सबसे ज्यादा खुशी तो इस बात की है कि उन्होंने लॉर्ड्स जैसे प्रतिष्ठित मैदान पर, अपने करियर का एक यादगार शतक मेरे बल्ले से बनाया। यह मेरे लिए गर्व की बात है। रोहित और शार्दुल दोनों ही खिलाड़ी मुंबई क्रिकेट से निकले हैं। उन्होंने एक ही स्कूल में क्रिकेट के गुर सीखे हैं, घरेलू क्रिकेट में लंबे समय तक कंधे से कंधा मिलाकर खेला है, और आईपीएल में मुंबई इंडियंस के ड्रेसिंग रूम को भी साझा कर चुके हैं।

शुभमन ने हार के लिए खिलाड़ियों के लगातार चोटिल होने को बड़ा कारण बताया

लंदन । इंग्लैंड के खिलाफ तीसर एकदिवसीय क्रिकेट मैच में भारतीय टीम की हार पर कप्तान शुभमन गिल भड़क गये। इस मैच में हार के साथ ही भारतीय टीम सीरीज भी 1-2 से हार गयी। हार के बाद शुभमन ने खिलाड़ियों की फिटनेस पर भी सवाल उठाये। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि तीन मैचों की छोटी सीरीज में भी खिलाड़ियों का फिट न रह पाना एक गंभीर चिंता की बात है। इससे टीम की भविष्य की रणनीतियों और विश्व कप की तैयारियों पर भी विपरीत प्रभाव पड़ा है। गौरतलबह है कि भारतीय टीम के ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या क्वाड्रिसेप्स (जांघ की मांसपेशी) में चोट लगने के कारण पहले से ही इस सीरीज से बाहर थे। हार्दिक को यह चोट बेंगलुरु में बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में लगी थी, जहां वह पीठ की चोट से उबरने के लिए पुनर्वास प्रक्रिया में थे। उनकी जगह टीम में शामिल ऑलराउंडर नितीश रेड्डी भी टीम के इंग्लैंड रवाना होने से कुछ घंटे पहले ही जांघ में चोट के कारण दौरे से बाहर हो गये थे।

यहां तक कि इंग्लैंड पहुंचने के बाद भी खिलाड़ियों के चोटिल होने का सिलसिला जारी रहा। हर्षित राणा और वॉशिंगटन सुंदर हैमस्ट्रिंग की समस्या से परेशान रहे। मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह घुटने की चोट के कारण मैच से बाहर हो गए, जिससे टीम की मुश्किलें और भी बढ़ गईं। शुभमन ने इस पर निराशा जताते हुए कहा, शुरुआत में जो चुनी गई थी उसमें तो कम से कम पांच खिलाड़ी टीम से बाहर थे। साथ ही कहा कि जब एक खिलाड़ी चोटिल होता है तो आपको अलग संयोजन से खेलना पड़ता है। अगर दो चोटिल होते हैं तो एक और अलग संयोजन अपनाना पड़ता है। मुझे लगता है कि अगर हर मैच के बाद एक खिलाड़ी बाहर हो रहा है तो कहीं न कहीं हम कोई गलती कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इसका विपरीत प्रभाव विश्व कप की तैयारियों पर पड़ेगा। साथ ही कहा ,卐विश्व कप को ध्यान में रखते हुए हमें लगातार 11 मैच खेलने हैं और यहां खिलाड़ी दो या तीन मैचों की सीरीज भी पूरी नहीं कर पा रहे हैं। तो जाहिर है कहीं न कहीं कोई कमी है। वे एक या दो मैच खेलते हैं फिर चोट के कारण बाहर होते हैं जिससे हमें मजबूरी में ऐसा संयोजन उतारन पड़ता है जिसके बारे में हमने सोचा भी नहीं होता।

एम्बाप्पे ने गोल्डन बूट से रचा इतिहास

स्पेन के मिडफील्डर रोड्री को गोल्डन बॉल, सिमोन को गोल्डन ग्लव अवार्ड

न्यूयॉर्क । फीफा विश्व कप फुटबॉल में स्पेन ने अर्जेंटीना को 1-0 से हराकर खिताब जीता। फाइनल मुकाबले में स्पेन ने 2010 के बाद अपना दूसरा विश्व कप खिताब जीता है। इस खिताबी जीत के साथ ही पूरे टूर्नामेंट में स्पेनिश खिलाड़ियों का कौशल देखने को मिला, जिससे गोल्डन बूट को छोड़कर सभी प्रमुख व्यक्तिगत पुरस्कार स्पेन ने जीते।

टूर्नामेंट में अपने असाधारण प्रदर्शन के लिए स्पेन के कप्तान और मिडफील्डर रोड्री को प्रतिष्ठित गोल्डन बॉल पुरस्कार मिला। रोड्री पूरे टूर्नामेंट में स्पेन का आधार साबित हुए, उन्होंने टीम के दौरान सभी आठ मैचों में मिडफील्ड पर नियंत्रित बनाया और विरोधी टीमों के हमलों को सफलतापूर्वक नाकाम किया। टीम को चैंपियन बनाने में उनके इस अपार योगदान और मैदान पर उनके निरंतर दबदबे ने उन्हें सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का हकदार बनाया।

वहीं स्पेन के गोलकीपर उनाई सिमोन ने फीफा विश्व कप 2026 का गोल्डन ग्लव अपने नाम किया। सिमोन पूरे टूर्नामेंट में स्पेन के गोलपोस्ट के सामने डटे रहे। उन्होंने आठ मैचों में सिर्फ एक गोल खाया और सात प्रयास नाकाम कर दिये।

ये उनकी अद्भुत रक्षात्मक क्षमता का प्रमाण है। अर्जेंटीना के खिलाफ फाइनल में अतिरिक्त समय में उनका शानदार बचाव निर्णायक साबित हुआ, जिसने स्पेन को चैंपियन बनने में मदद की। सिमोन ने विश्व कप में लगातार 650 मिनट तक कोई गोल न खाने का नया रिकॉर्ड भी अपने नाम किया।

इसके अलावा स्पेन के 19 वर्षीय सेंटर-बैक पाउ कुबार्सी को सर्वश्रेष्ठ युवा खिलाड़ी का अवार्ड मिला। कुबार्सी ने विश्व कप जैसे बड़े मंच पर अपनी उम्र से कहीं अधिक परिपक्वता और सूझबूझ का परिचय दिया। अर्जेंटीना के खिलाफ फाइनल जैसे दबाव वाले मैच में भी वह स्पेन की रक्षापंक्त के मुख्य स्तंभ बने रहे, जिसने उनकी क्षमता को उजागर किया।

वहीं सबसे अधिक गोल के लिए मिलने वाला गोल्डन बूट अवार्ड चौथे स्थान पर रही फ्रांस के स्टार फुटबॉलर किलियन एम्बाप्पे ने जीता है। एम्बाप्पे ने जीता, जिन्होंने टूर्नामेंट में सर्वाधिक 10 गोल दागे। यह लगातार दूसरी बार है जब एम्बाप्पे ने गोल्डन बूट का पुरस्कार जीता है, जो फुटबॉल विश्व कप के इतिहास में एक अनोखा रिकॉर्ड है। इससे पहले किसी भी खिलाड़ी ने लगातार दो विश्व कप में यह उपलब्धि हासिल नहीं की थी। पिछले विश्व कप 2022 में उन्होंने 8 गोल किए थे, जिसमें फाइनल में उनकी यादगार हैट्रिक भी शामिल थी।

फीफा विश्व कप 2026- कई अनजान खिलाड़ी भी छाये रहे

टोरंटो। फीफा विश्व कप फुटबॉल 2026 कुछ अनजान से खिलाड़ियों ने भी अपने शानदार प्रदर्शन से फुटबॉल के इस महाकुंभ में अपनी चमक बिखेरी है। इन अनजान खिलाड़ियों ने दिखाया है कि वे भी किसी से कम नहीं हैं। अपने असाधारण प्रदर्शन से इन लोगों ने खेल प्रेमियों का दिल जीता है। इन खिलाड़ियों ने साबित कर दिया कि विश्व कप सिर्फ बड़े नामों का ही मंच नहीं, बल्कि हर किसी को यहां अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलता है। इन्हीं अनजान खिलाड़ियों में से एक हैं। केप वर्डे के गोलकीपर वोजिन्हा। वोजिन्हा ने स्पेन जैसी मजबूत टीम के खिलाफ अपने पहले मैच में ही अविश्वसनीय बचाव करके सभी को हैरान कर दिया। उनके शानदार प्रदर्शन ने न केवल अपनी टीम को प्रेरणा दी, बल्कि उनके सोशल मीडिया फॉलोअर्स की संख्या 1 करोड़ 30 लाख तक पहुंचा दी, जो उनकी बढ़ती लोकप्रियता का प्रमाण है। इसके अलावा विश्वप में भाग ले रहे सबसे छोटे देश क्यूरासाओ के लिवानो कोमेनेंसिया ने अपनी टीम के लिए पहला गोल दागकर एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। दी। उनकी टीम हालांकि पूर्व चैम्पियन जर्मनी से 7-1 की करारी हार का सामना करना पड़ा हो पर कोमेनेंसिया का वह गोल हमेशा याद किया जाएगा।

इसके अलावा कतर के 35 वर्षीय सेंटर बैक, बौलेम खौखी ने भी प्रभावित किया है। स्विट्जरलैंड के खिलाफ उनकी निर्णायक भूमिका ने कतर को मैच ड्रॉ कराने में सहायत की। खौखी ने स्विस मिडफील्डर मिरो मुहेम के साथ गेंद पर नियंत्रण के लिए हवा में छलांग लगाई, जिसके परिणामस्वरूप मुहेम को आत्मघाती गोल करने के लिए मजबूर होना पड़ा। यह दिखाता है कि कैसे रक्षात्मक कौशल भी मैच का रुख बदल सकता है। इसी तरह, बोस्निया और हर्जेगोविना के जोवो लुकिच ने कनाडा के खिलाफ शुरुआती मैच में अपने देश के लिए अपना पहला अंतरराष्ट्रीय गोल करके सबको हैरान कर दिया। कुछ प्रमुख खिलाड़ियों के चोटिल होने के कारण मिले इस अवसर को उन्होंने बखूबी भुनाया।

न्यूजीलैंड के एलिजा जस्ट भी विशेष खिलाड़ियों में शामिल रहे। ईरान के खिलाफ 2-2 से ड्रॉ रहे मैच में उन्होंने दो शानदार गोल दागकर अपनी टीम के लिए यह मुकाबला यादगार बना दिया।

ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स में मीराबाई और लवलीना रहेंगी भारतीय ध्वजवाहक

नई दिल्ली। ओलंपिक पदक विजेता मीराबाई चानू और लवलीना बोरगोहेन 23 जुलाई से 2 अगस्त तक होने वाले ग्लासगो कॉमनवेल्थ खेलों के लिए भारतीय दल की ध्वजवाहक बनायी गयी हैं। ऐसे में चानू और लवलीना 23 जुलाई को होने वाले उद्घाटन समारोह में 126 सदस्यीय भारतीय दल का नेतृत्व करते हुए तिरंगा लेकर मार्च करेंगी। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पीटी उषा ने इस उपलब्धि के लिए चानू और लवलीन को बधाई दी। साथ ही उम्मीद जतायी कि ये दोनो ही अपने प्रदर्शन से पदक जीतने के साथ ही भारतीय दल को प्रेरित भी करेंगी। उषा ने कहा कि समारोह में दोनो ही महिला खिलाड़ियों को ध्वजवाहक बनाया जाना, भारतीय खेलों में महिला एथलीटों की बढ़ती भूमिका और उनकी असाधारण उपलब्धियों के प्रति सम्मान प्रकट करना भी है।

भारोत्तोलक चानू ने टोक्यो ओलंपिक 2020 में रजत पदक जीता था। इसके अलावा वह विश्व चैंपियनशिप में भी कई पदक जीत चुकी हैं और बर्मिंघम में आयोजित 2022 कॉमनवेल्थ गेम्स में उन्होंने स्वर्ण पदक जीतकर अपनी श्रेष्ठता साबित की थी। हालांकि पेरिस ओलंपिक 2024 में वह पदक नहीं जीत पायी थीं पर अब ग्लासगो में उनका लक्ष्य एक बार फिर स्वर्ण पदक जीतना होगा।

वहीं मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन ने भी टोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीता था। उन्होंने 2023 विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक अपने नाम किया और हांगझोउ एशियन गेम्स 2023 में भी रजत पदक हासिल कर अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया। हालांकि अब तक वह कॉमनवेल्थ गेम्स में पदक नहीं जीत सकी हैं, लेकिन इस बार उनका सपना ग्लासगो में अपने शानदार प्रदर्शन से पदक सुनिश्चित करना और अपने रिकॉर्ड में यह उपलब्धि जोड़ना है।

ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स में भारतीय दल को इन दोनों अनुभवी और उच्च प्रदर्शन वाली खिलाड़ियों से बेहतरीन प्रदर्शन की प्रबल उम्मीदें हैं।

भारतीय क्रिकेट में अच्छी बेंच स्ट्रेंथ से टीम चयन हुआ बेहद कठिन - दिनेश कार्तिक

मुम्बई । पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक के अनुसार भारतीय क्रिकेट में लगातार प्रतिभाएं सामने आ रही हैं। इसी कारण चयनकर्ताओं के लिए अगले साल होने वाले एकदिवसीय विश्वकप के लिए टीम चयन कठिन हो गया है। कार्तिक के अनुसार अभी के समय में भारतीय टीम की बेंच स्ट्रेंथ सबसे अधिक है। इससे टीम में शामिल हर खिलाड़ी पर अपनी जगह बनाए रखने का भारी दबाव है। कार्तिक ने कहा कि साल 2027 एकदिवसीय के लिए उन्हीं खिलाड़ियों को अवसर मिलेगा जो लगातार बेहतर प्रदर्शन करेंगे। इसके साथ ही उन्होंने जोर दिया कि टीम प्रबंधन को वरिष्ठ खिलाड़ियों के भविष्य के संबंध में स्पष्ट संवाद स्थापित करना होगा, ताकि सशंय की भावन दूर ओ और खिलाड़ी मानसिक रूप से हर स्थित के लिए तैयार रहें।

एक कार्यक्रम में कार्तिक ने भारतीय क्रिकेट की वर्तमान स्थिति को लेकर कहा कहा, इस समय भारत एक ऐसी अनोखी स्थिति में है, जहां कोई अन्य क्रिकेट खेलने वाला देश नहीं है। हमारी टीम के हर स्थान के लिए कई मजबूत विकल्प उपलब्ध हैं। यही कारण है कि आज भारत के लिए खेलना पहले से कहीं ज्यादा चुनौतीपूर्ण और मुश्किल हो गया है, क्योंकि प्रत्येक खिलाड़ी के कई विकल्प उपलब्ध हैं ऐसे में किसी भी खिलाड़ी को अपनी जगह बचाने का निरंतर दबाव महसूस होता है। यह टिप्पणी भारतीय क्रिकेट के उज्ज्वल भविष्य और साथ ही खिलाड़ियों के सामने आने वाली मनोवैज्ञानिक चुनौती दोनों को दर्शाती है, जहाँ प्रतिस्पर्धा अपने चरम पर है।

कार्तिक ने कहा कि चयनकर्ताओं के सामने भी काफी कठिन स्थिति है। मुख्य चयनकर्ता अजित अगरकर के लिए फैसला लेना कितना कठिन होता है ये समझा जा सकता है। अगर आप अजित अगरकर की कुर्सी पर बैठे हों, तो यह आसान फैसला नहीं होता। आपको यह तय करना होता है कि मौजूदा सुपरस्टार को मौका दिया जाए या उस युवा खिलाड़ी पर भरोसा किया जाए जो आने वाले वर्षों में एक सुपरस्टार बन सकता है।, कार्तिक ने कहा। युवा खिलाड़ियों का लगातार शानदार प्रदर्शन उन्हें टीम से बाहर रखना कठिन बना देता है, जिससे चयनकर्ताओं को अनुभवी और युवा प्रतिभा के बीच एक संतुलन बनाना पड़ता है।

कार्तिक ने हालांकि वरिष्ठ खिलाड़ियों के प्रति सहानुभूति भी व्यक्त की। उन्होंने कहा, वरिष्ठ खिलाड़ियों ने देश के लिए जो योगदान दिया है, उसे देखते हुए मैं चाहता हूं कि उन्हें अपने करियर का अंत अपने तरीके से करने का अवसर मिले।

पीसीबी ने श्रीलंका दौरे के लिए महिला टीम में कई बदलाव किये

फातिमा एकदिवसीय और मुनीबा टी20 में कप्तानी करेंगी

लाहौर । पाकिस्तान ने श्रीलंका दौरे के लिए अपनी महिला क्रिकेट टीम में बदलाव करते हुए सलामी बल्लेबाज मुनीबा अली को टी20 जबकि ऑलराउंडर फातिमा सना को एकदिवसीय के लिए कप्तान बनाया है। पाकिस्तान की टीम को अपने इस दौर में श्रीलंका के खिलाफ टी20 और एकदिवसीय सीरीज खेलनी है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) चयन समिति ने दौरे के लिए अपनी 15 सदस्यीय में कई बदलाव किये हैं। चयनकर्ताओं को उम्मीद है कि उसके किये आठ बदलावों से टीम बेहतर होकर उभरेगी। इससे टीम एक नई ऊर्जा और रणनीतिक के साथ उतरेगी।

पाक महिला टीम श्रीलंका के दौरे पर तीन एकदिवसीय मैचों की सीरीज और उसके बाद उतने ही मैचों की टी20 सीरीज खेलेगी। यह पूरा दौरा हंबनटोटा में आयोजित किया जाएगा, इसकी शुरुआत 23 जुलाई को होगी और ये 4 अगस्त तक चलेगी। यह दौरा पाकिस्तान महिला क्रिकेट के लिए विशेष रूप से अहम है क्योंकि एकदिवसीय सीरीज आईसीसी महिला चैंपियनशिप 2025-29 का हिस्सा रहेगी। ये इसलिए भी अहम है क्योंकि इसमें हासिल अंक अगले आईसीसी महिला विश्व कप के लिए सीधी योग्यता निर्धारित करने में अहम भूमिका निभाएंगे। ऐसे में, फातिमा सना पर न केवल टीम को जीत दिलाकर महत्वपूर्ण अंक बटोरने की जिम्मेदारी होगी, बल्कि विश्व कप की राह में एक मजबूत शुरुआत करने का भी दबाव होगा।

फातिमा अपनी प्रभावशाली तेज गेंदबाजी और निचले क्रम की बल्लेबाजी के लिए जानी जाती हैं, एकदिवसीय सीरीज के बाद वह टी20 सीरीज में नहीं खेलेंगे। वह इंग्लैंड में होने वाली प्रतिष्ठित द हंड्रेड टूर्नामेंट में भागे लेने जाएंगी। द हंड्रेड जैसे अंतरराष्ट्रीय फ्रेंचाइजी टूर्नामेंट में फातिमा का खेलना पाकिस्तानी महिला क्रिकेट के लिए एक सकारात्मक संकेत है। यह न केवल उन्हें विश्व स्तरीय अनुभव प्रदान करेगा, बल्कि इससे अन्य पाकिस्तानी महिला क्रिकेटरों को भी बड़े मंचों पर खेलने के अवसर मिलेंगे।

फातिमा के नहीं होने पर मुनीबा को टी20 सीरीज के लिए कप्तानी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। मुनीबा, एक कुशल विकेटकीपर-बल्लेबाज, अपनी आक्रामक बल्लेबाजी शैली और मैदान पर अपनी समझ के लिए जानी जाती हैं। उनके लिए यह एक बड़ा अवसर है, क्योंकि वह पहली बार राष्ट्रीय टीम की कप्तानी करेंगी। आठ बदलावों के साथ टी20 टीम में युवा प्रतिभाओं और अनुभवी खिलाड़ियों का एक संतुलित मिश्रण देखने को मिलेगा। यह चयनकर्ताओं की भविष्य की रणनीति का भी संकेत हो सकता है, जहां वे नए खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय अनुभव देना चाहते हैं और टीम को नई गतिशीलता प्रदान करना चाहते हैं ताकि भविष्य की चुनौतियों के लिए एक मजबूत दल तैयार किया जा सके।

यह दौरा पाकिस्तान के लिए श्रीलंका की चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में खुद को परखने का भी एक मौका होगा।

एकदिवसीय टीम ः

फातिमा सना (कप्तान), आयशा जफर, गुल फिरोजा, महम अनीस, मोमिना रियासत, मुनीबा अली, नजीहा अल्वी, नशरा सुंधू, सदफ शमास, सायरा जबीन, सिदरा अमीन, सैयदा अरूब शाह, तस्मिया रुबाब, उम्म-ए-हानी और वहीदा अख्तर।

पाकिस्तान महिला टी20 टीम ः

मुनीबा अली (कप्तान), आयशा जफर, इमान नसीर, एमान फातिमा, हुम्ना बिलाल, महम अनीस, मोमिना रियासत, नजीहा अल्वी, नशरा सुंधू, सायरा जबीन, शवाल जुल्फिकार, तस्मिया रुबाब, तूबा हसन, उम्म-ए-हानी और वहीदा अख्तर

लॉर्ड्स में सबसे अधिक रनों का बना रिकार्ड

लंदन। भारत और मेजबान इंग्लैंड के बीच ऐतिहासिक लॉर्ड्स मैदान पर खेले गए तीसरे एकदिवसीय मैच में एक साथ कई नये रिकार्ड बन हैं। इस मैदान पर दोनो ही टीमों के स्कोर को मिला दें तो कुल 747 रन बने हैं। ये इस मैदान पर सबसे अधिक रन हैं। इससे पहले यहां कभी भी 700 रन तक नहीं बने हैं। इससे पहले, लॉर्ड्स पर सर्वाधिक रनों का रिकॉर्ड साल 2025 में इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका के बीच हुए मैच के नाम था, जिसमें 655 रन बने थे। वहीं, 2002 की ऐतिहासिक नेटवेस्ट सीरीज के फाइनल में भारत और इंग्लैंड ने मिलकर 651 रन जोड़े थे लेकिन इस बार सभी सभी पुराने रिकार्ड टूट गये।

इस महामुकाबले में भारतीय बल्लेबाजों ने इंग्लैंड के तेज गेंदबाजों को पूरी तरह से विफल कर दिया। निर्धारित 50 ओवरों में भारतीय टीम ने 7 विकेट खोकर 360 रनों का विशाल स्कोर बनाया, जिसमें दो शतकीय और दो अर्धशतकीय पारियां शामिल थीं। लॉर्ड्स जैसे मैदान पर 360 रन बनाना अपने आप में एक अभूतपूर्व उपलब्धि थी। यह स्कोर भारतीय क्रिकेट के इतिहास में एक और महत्वपूर्ण कीर्तिमान लेकर आया, क्योंकि यहां की धरती पर एकदिवसीय क्रिकेट में भारत का यह दूसरा सबसे बड़ा स्कोर बना है। इससे पहले, भारत ने साल 1999 के विश्व कप में टांटन के मैदान पर श्रीलंका के खिलाफ 6 विकेट खोकर 373 रन बनाए थे, जो आज भी इंग्लैंड में भारत का सर्वोच्च स्कोर है।

इस मैच में बने कुल 747 रन सिर्फ लॉर्ड्स के लिए ही नहीं, बल्कि पूरी इंग्लैंड की धरती पर खेले गए एकदिवसीय इतिहास का दूसरा सबसे बड़ा स्कोर बना है। इस मामले में अब भी साल 2015 का वह मुकाबला शीर्ष पर है, जब द ओवल के मैदान पर न्यूजीलैंड ने 5 विकेट पर 398 रन बनाए थे और जवाब में इंग्लैंड ने 9 विकेट पर 365 रन बनाये थे जिससे उस मैच में कुल 763 रन बने थे। इस मुकाबले ने यह साबित कर दिया कि आज के दौर में कोई भी लक्ष्य सुरक्षित नहीं है और आधुनिक बल्लेबाजों के लिए मैदान की सीमाएं छोटी पड़ चुकी हैं। लॉर्ड्स के दर्शकों ने एक ऐसा मुकाबला देखा जो आने वाले कई दशकों तक याद रखा जाएगा।

नशे से दूरी है जरूरी 2.0 अभियान के तहत एएसपी नितेश भार्गव ने विद्यार्थियों को किया जागरूक

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में नशे से दूरी है जरूरी 2.0 अभियान के तहत सोमवार को रूपझर थाना क्षेत्र अंतर्गत एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय पोंडी (उकवा) में वृहद जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (बैहर) नितेश भार्गव मुख्य वक्ता के रूप में शामिल हुए। उन्होंने छात्र-छात्राओं, शिक्षकों एवं उपस्थित नागरिकों को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराते हुए नशामुक्त समाज के निर्माण में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला।विद्यालय के सभागार में आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं, शिक्षक, जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सभागार पूरी तरह भरा रहा और विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह के साथ

कार्यक्रम में भाग लिया।अपने संबोधन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नितेश भार्गव ने कहा कि नशा व्यक्ति के स्वास्थ्य, परिवार, शिक्षा, करियर और सामाजिक जीवन पर गहरा नकारात्मक प्रभाव डालता है। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे किसी भी प्रकार के नशे से दूर रहें।अपने जीवन का स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित करें तथा शिक्षा, खेल और सकारात्मक गतिविधियों के माध्यम से अपने व्यक्तित्व का विकास करें। उन्होंने यह भी कहा कि यदि युवा वर्ग नशे से दूर रहेगा तो समाज और राष्ट्र दोनों का भविष्य सुरक्षित एवं उज्ज्वल होगा। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को नशे से संबंधित कानूनी पहलुओं, साइबर अपराधों से बचाव तथा सामाजिक जिम्मेदारियों के बारे में भी जानकारी दी गई। अधिकारियों ने विद्यार्थियों से अपील की कि वे स्वयं जागरूक बनें और अपने परिवार तथा आसपास के लोगों को भी नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करें।इस अवसर पर रूपझर थाना प्रभारी कामेश धुमकेती, उकवा पुलिस चौकी प्रभारी निरीक्षक सुभाष दुबे सहित रूपझर थाना एवं उकवा चौकी का पुलिस बल उपस्थित रहा। कार्यक्रम के सफल आयोजन में विद्यालय प्रबंधन एवं शिक्षकों की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही।कार्यक्रम के अंत में सभी छात्र-छात्राओं एवं उपस्थित नागरिकों ने नशामुक्त समाज के निर्माण का संकल्प लिया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि नशे से दूरी है जरूरी 2.0 अभियान के अंतर्गत जिलेभर में लगातार स्कूलों, महाविद्यालयों एवं ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। ताकि युवाओं को नशे की लत से बचाकर एक स्वस्थ और सुरक्षित समाज का निर्माण किया जा सके।

दि बुद्धिस्ट सोसायटी नगर शाखा किरनापुर का पुनर्गठन सम्पन्न

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। दि बुद्धिस्ट सोसायटी ऑफ इंडिया, मप्र राज्य शाखा द.के अध्यक्ष डॉ.चरनदास ढेंगरे के निर्देश एवं जिलाध्यक्ष अशोक कुमार मेश्राम की अनुशंसा पर,तहसील किरनापुर में शाखा का पुनर्गठन (निर्वाचन) किया गया। डॉ बाबासाहेब आंबेडकर सभागृह किरनापुर (परसाटोला) आयोजित शाखा पुनर्गठन के दौरान,मुख्य अतिथि राजकपूर कामड़े, प्रदेश सचिव केंद्रीय शिक्षक,अध्यक्षता दुरेन्द्र सावनकर, तह अध्यक्ष एवं बौद्धाचार्य विनय चौरे, महासचिव बौद्धाचार्य,गौतम भीमटे तहसील कोषाध्यक्ष बौद्धाचार्य व तहसील के प्रमुख पदाधिकारी की उपस्थिति में पुनर्गठन सम्पन्न हुआ।संगठन की प्रस्तावना राजकपूर कामड़े ने रखा और बताया कि बाबासाहेब आंबेडकर द्वारा स्थापित भारतीय बौद्ध महासभा जो धार्मिक संगठन है और यह आज भारत के 24 राज्यों में कार्यरत है जिसका उद्देश्य समाज में समता प्रेम शांति और मानव को मानव से जोड़ने का अभियान है, अपने उदबोधन मे दुरेन्द्र सावनकर ने कहा कि आदर्श बौद्ध समाज की स्थापना और बौद्ध धम्म का प्रचार प्रसार है और संगठन ही समाज को जोड़ कर रख सकता है। नगर कमेटी में सभी के माध्यम से धम्म कार्य निष्ठा से संकल्प किए जाने का संकल्प सभी ने लेकर संस्था की सदस्यता ग्रहण की, तत्पश्चात मुख्य अतिथि राजकपूर कामडे के निर्देश पर तहसील अध्यक्ष दुरेन्द्र सावनकर जो द्वारा किरनापुर नगर शाखा कार्यकारिणी की घोषणा की जिसमें अध्यक्ष एस. एल. घरडे महासचिव, प्रमोद नागवंशी,कोषाध्यक्ष, यादोराव रामटेके,उपाध्यक्ष-आर.के. शेडे सरसंस्कार विभाग-एन के मेश्राम-विजय रगारे समता सैनिक

दल,विनोद भीमते, जेपी रामटेके, श्री मेश्राम, सोनू मेश्राम,सचिव-शैलेश नागवंशी,तिलकचंद बोरकर, कार्यालीन सचिव रत्नेश मेश्राम,संगठक-मनीष भीमटे योगराज वानखेड़े,शांतिलाल गेडाम, मुन्नालाल नागवंशी, अ ो आर मेश्राम,कमलेश मेश्राम विभिन्न पदों पर सभी पदाधिकारी को चयनित किया गया और सभी को शुभेच्छा दिया गया,इस पुनर्गठन प्रकिया में क्षेत्र के भारी संख्या में अनुयायि कार्यकर्ता शामिल थे। उक्त जानकारी किरनापुर के महामंत्री विनय चौरे द्वारा दी गई।

होर्मुज संकट का असर- अमेरिका और ईरान तनाव से तेल 90 डॉलर के पार

3 महीने में भारत का क्रूड ऑयल आयात बिल 60 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली। अमेरिका और ईरान के बीच एक बार फिर बढ़ते सैन्य टकराव के बीच अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल आया है। सोमवार को ब्रेंट क्रूड 2.7 प्रतिशत बढकर 90.49 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। कारोबार के दौरान इसकी कीमत 91.41 डॉलर प्रति बैरल तक गई, जो जून के बाद सबसे ऊंचा स्तर है। वहीं भारत का कच्चे तेल का आयात बिल मौजूदा वित्त वर्ष की पहली तिमाही में तेजी से बढ़ा है। पेट्रोलियम मंत्रालय के प्रोविजनल आंकड़ों के अनुसार, सालाना आधार पर देश का क्रूड ऑयल आयात बिल 60 प्रतिशत से अधिक बढ़ गया, जबकि आयात की मात्रा (वॉल्यूम) में हल्की गिरावट दर्ज की गई। इसकी मुख्य वजह पश्चिम एशिया में जारी तनाव और होर्मुज जलडमरूमध्य के आसपास सप्लाई बाधित होने की आशंका से कच्चे तेल की कीमतों में आई तेज बढ़ोतरी रही। यही रुझान एलएनजी आयात और पेट्रोलियम उत्पादों के निर्यात में भी देखने को मिला, जहां वॉल्यूम घटा लेकिन ऊंची कीमतों के कारण कुल वैल्यू बढ़ गई। कुल मिलाकर, देश का नेट ऑयल और गैस आयात पिछले साल के लेवल से 45 प्रतिशत ज्यादा बढ़ गया, जो एनर्जी आयात पर निर्भर भारत पर पश्चिम एशिया संकट के बुरे आर्थिक असर को दिखाता है।

देश अपनी 88 प्रतिशत से ज्यादा क्रूड ऑयल की जरूरत और नेचुरल गैस की लगभग आधी खपत को पूरा करने के लिए आयात पर निर्भर है, जिसे एलपीजी, या सुपर-चिल्ड गैस के रूप में आयात किया जाता है। इम्पोर्टेड तेल और गैस पर निर्भर होने के बावजूद, भारत अपनी बड़ी तेल रिफाइनिंग कैपेसिटी की वजह से पेट्रोलियम प्रोडक्ट्स का नेट एक्सपोर्टर है, जबकि यह लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस जैसे कुछ पेट्रोलियम प्रोडक्ट्स भी इम्पोर्ट करता है। भारत का लगभग 40 प्रतिशत क्रूड ऑयल इम्पोर्ट, 60 प्रतिशत एलएनजी इम्पोर्ट और 90 प्रतिशत एलपीजी इम्पोर्ट इसी स्ट्रेट के ज़रिए पश्चिम एशिया से होता है। होर्मुज स्ट्रेट संकट की वजह से फिजिकल सप्लाई की तंगी से जूझने के अलावा, इंटरनेशनल कीमतों में बढ़ोतरी ने भारत को बहुत ज्यादा रेट पर तेल और गैस इम्पोर्ट करने पर मजबूर किया, क्योंकि देश कीमतों के बजाय सप्लाई सिक्योरिटी को प्राथमिकता दे रहा है। अमेरिका और ईरान के बीच जून में हुए रूश से भारत और ग्लोबल एनर्जी मार्केट को राहत मिली, लेकिन समझौते के पूरी तरह खत्म होने के बाद खाड़ी में फिर से शुरू हुआ टकराव एक बड़ी चिंता का विषय बन गया है क्योंकि होर्मुज स्ट्रेट से एनर्जी का फ्लो तीन हफ्ते की छोटी रिकवरी के बाद फिर से गिर गया है।

भारत का तेल और गैस व्यापार का गणित

पेट्रोलियम प्लानिंग एंड एनालिसिस सेल के जारी लेटेस्ट प्रोविजनल डेटा के मुताबिक, जून तिमाही में कच्चे तेल का आयात साल-दर-साल 61.2 प्रतिशत बढकर 49.8 बिलियन डॉलर हो गया, जबकि आयात वॉल्यूम 4.5 प्रतिशत घटकर 59.8 मिलियन टन या लगभग 438 मिलियन बैरल रह गया। इसका मतलब है कि जून तिमाही में आयात किए गए कच्चे तेल की औसत लैंडेड कीमत लगभग 113 डॉलर प्रति बैरल रही, जो पिछले साल की इसी तिमाही में लगभग 67 डॉलर प्रति बैरल थी। पेट्रोलियम प्लानिंग एंड एनालिसिस सेल डेटा से पता चलता है कि अप्रैल-जून में आयात किए गए तेल पर भारत की निर्भरता साल-दर-साल आधार पर 89.1 प्रतिशत थी। एलएनजी आयात की बात करें तो, अप्रैल-जून में सप्लाई पिछले साल की इसी तिमाही के 8,396 मिलियन स्टैंडर्ड क्यूबिक मीटर से 8.6 प्रतिशत घटकर 7,674 मिलियन स्टैंडर्ड क्यूबिक मीटर रह गई, जबकि एलएनजी आयात बिल लगभग 6 प्रतिशत बढकर 3.6 बिलियन डॉलर हो गया। पेट्रोलियम प्रोडक्ट का आयात वॉल्यूम के हिसाब से लगभग 42 प्रतिशत घटकर 7.1 मिलियन टन रह गया। वैल्यू के हिसाब से पेट्रोलियम प्रोडक्ट के आयात में गिरावट तुलनात्मक रूप से कम थी। ग्लोबल सप्लाई की कमी के बीच घरेलू फ्यूल सप्लाई को प्राथमिकता मिलने की वजह से अप्रैल-जून में भारत का पेट्रोलियम प्रोडक्ट एक्सपोर्ट वॉल्यूम पिछले साल की इसी अवधि के 15 मिलियन टन से एक चौथाई घटकर 11.3 मिलियन टन रह गया। फिर भी, इंटरनेशनल पेट्रोलियम फ्यूल की कीमतों में उछाल की वजह से एक्सपोर्ट वैल्यू में लगभग 40 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। पेट्रोलियम प्लानिंग एंड एनालिसिस सेल डेटा से पता चलता है कि कुल तेल, एलएनजी और पेट्रोलियम प्रोडक्ट के इम्पोर्ट के साथ-साथ फ्यूल एक्सपोर्ट को ध्यान में रखते हुए, देश का नेट तेल और गैस इम्पोर्ट अप्रैल-जून में साल-दर-साल 45.3 प्रतिशत बढकर 44.9 बिलियन डॉलर हो गया।

असम में बाढ़ का कहर, 57,000 से अधिक प्रभावित, सेना-वायुसेना अलर्ट पर

गुवाहाटी। असम में बाढ़ की स्थिति लगातार भयावह होती जा रही है। एक ताजा मौत के साथ, राज्य में बाढ़ से प्रभावित लोगों की संख्या अब 57,000 का आंकड़ा पार चुकी है। बिगड़ते हालात को देखकर राज्य सरकार ने बचाव और राहत कार्यों में सहयोग के लिए सेना और वायुसेना को हर समय तैयार रहने का निर्देश दिया है।

असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एएसडीएमए) के अनुसार, शिवसागर जिले में हुई एक और दुखद मौत से वर्ष बाढ़ से मरने वालों की कुल संख्या पाँच हुई है। राज्य के सात जिले चारादेव, धेमाजी, डिब्रूगढ़, जोरहाट, शिवसागर, तिनसुकिया और उदलगुरी बाढ़ की चपेट में हैं, जहाँ 57,100 से अधिक लोग सीधे तौर पर प्रभावित हुए हैं। इनमें चारादेव में करीब 24,000 और धेमाजी में 22,000 लोग शामिल हैं। शनिवार तक प्रभावितों की संख्या 24,000 थी, जिससे स्पष्ट होता है कि स्थिति कितनी तेजी से बिगड़ी है।

मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने व्यक्तिगत रूप से हालात का जायजा लेकर सेना और वायुसेना से तैयारी बनाए रखने का अनुरोध किया है। उन्होंने शिवसागर, चारादेव और जोरहाट जिलों में राहत कार्यों की निगरानी के लिए चार वरिष्ठ मंत्रियों अजंता नियोग, बिमल बोराह, केशव महंता और सुशांत बोरगोहेन को मौके पर भेजा है।

बैहर एसडीएम का अतिरिक्त प्रभार परसवाड़ा एसडीएम श्रीश प्यासी को सौंपा गया

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कलेक्टर मृणाल मीना ने प्रशासनिक कार्य व्यवस्था को देखते हुए एसडीएम बैहर का अतिरिक्त प्रभार श्री श्रीश प्यासी को सौपने के आदेश जारी किये है। अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) एवं निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, बैहर श्री अर्पित गुप्ता को नई दिल्ली के द्वारका स्थित भारतीय लोकतंत्र एवं निर्वाचन प्रबंधन संस्थान (IIIDEM) में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल होने के लिए निर्देशित किया गया है। यह प्रशिक्षण 20 जुलाई से 24 जुलाई 2026 तक आयोजित होगा। प्रशिक्षण में शामिल रहने के दौरान बैहर अनुविभाग के प्रशासनिक एवं राजस्व कार्य प्रभावित न हों, इसके लिए कलेक्टर श्री मीना द्वाराअनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), परसवाड़ा श्री श्रीश प्यासी को अपने वर्तमान कार्यों के साथ-साथ अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), बैहर का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है।

मुख्यमंत्री विजय पर टिप्पणी को लेकर डीएमके विधायक गिरफ्तार

चेन्नई। तमिलनाडु में राजनीतिक तनाव के बीच, द्रविड़ मुनेत्र कषगम (डीएमके) के विधायक जी.वी. मार्कांडयन को सोमवार को गिरफ्तार किया गया। उन पर आरोप है कि उन्होंने हाल ही में जनसभा में मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय के खिलाफ अपमानजनक और धमकी भरी टिप्पणियां की थीं। पुलिस ने उन्हें थूथुकुडी जिले स्थित उनके आवास से हिरासत में लिया। यह कार्रवाई सत्ताधारी तमिलगा वेट्री कझगम (टीवीके) के एक पदाधिकारी की शिकायत पर हुई, जिसमें 18 जुलाई को कोविलपट्टी में की गई टिप्पणियों का उल्लेख है।

मार्कांडयन पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धाराओं 351(3) (गंभीर आपराधिक धमकी), 352 (शांति भंग करने के इरादे से जानबूझकर अपमान) और 353(2) (समूहों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देने वाले बयान) के तहत मामला दर्ज किया गया है। गिरफ्तारी के समय मार्कांडयन ने कहा कि एक मौजूदा विधायक होने के नाते उन्हें विधानसभा अध्यक्ष की अनुमति के बिना गिरफ्तार नहीं किया जा सकता। उनके घर के बाहर डीएमके समर्थकों ने विरोध प्रदर्शन किया।

हालांकि, इस गिरफ्तारी को डीएमके ने राजनीतिक बदले की कार्रवाई करार दिया है। डीएमके सांसद कनिमोझी ने टीवीके सरकार पर विपक्षी नेताओं को निशाना बनाने के लिए पुलिस का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि इस बर्बर गिरफ्तारी की कड़ी निंदा की जानी चाहिए और मार्कंडयन को तुरंत रिहा किया जाए। कनिमोझी ने कहा कि आलोचना का सामना करने में असमर्थ टीवीके सरकार को लोकतांत्रिक तरीकों से जवाब दिया जाएगा।

गौरतलब है कि पिछले कुछ हफ्तों में मुख्यमंत्री विजय पर टिप्पणी करने के आरोप में गिरफ्तार होने वाले मार्कांडयन दूसरे डीएमके विधायक हैं। इससे पहले, 3 जुलाई को तिरुचेंदूर के एमएलए अनीता आर. राधाकृष्णन को भी इसी तरह के आरोपों में गिरफ्तार किया गया था। इस घटनाक्रम से तमिलनाडु की राजनीति में गहमागहमी बढ़ गई है।

त्रिपुरा के डीजीपी की संदिग्ध मौत

अगरतला। त्रिपुरा के डीजीपी अनुराग धनखड़ पुलिस मुख्यालय में मृत पाए गए हैं। रिपोर्ट के अनुसार इस मामले में आत्महत्या की आशंका जताई जा रही है। त्रिपुरा के डायरेक्टर जनरल आफ पुलिस और आईपीएस अधिकारी अनुराग धनखड़ सोमवार 20 जुलाई को अगरतला में पुलिस हेडक्वार्टर स्थित अपने ऑफिस में मृत पाए गए। आशंका जताई जा रही है कि ये आत्महत्या का मामला हो सकता है। शुरुआती जानकारी के मुताबिक धनखड़ पीएचक्यू में अपने ऑफिस के कमरे में फंदे से लटके हुए पाए गए। उन्हें तुरंत अगरतला के गोविंद बल्लभ पंत अस्पताल ले जाया गया, जहां आगे की प्रक्रिया चल रही है।

जीबी पंत अस्पताल के सीनियर डॉक्टर प्रदीप भौमिक ने कहा कि जब उन्हें यहां लाया गया तो हमारे डॉक्टर ने उनकी जांच की। हमें उनकी नब्ज, ब्लड प्रेशर कोई अन्य पैरामीटर के संकेत नहीं मिले। तुरंत ही इमरजेंसी यूनिट में कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन शुरू किया गया। हमारे विशेषज्ञों की एक टीम ने लगभग 48 मिनट तक सीपीआर दिया।

राम मंदिर ट्रस्ट की बैठक कल, तीन नए ट्रस्टियों के नाम होंगे तय, सीईओ की नियुक्ति और सीएजी रिपोर्ट पर भी होगा मंथन

अयोध्या । श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की अगली बैठक 22 जुलाई को आयोजित होने जा रही है। इस बार यह बैठक मणिराम दास छावनी में दो चरणों में संपन्न होगी। पहली बैठक तीन बजे होगी, इसमें ट्रस्ट में खाली हुए तीन सदस्यों के पद पर नए सदस्यों के नाम पर स्वीकृति दी जाएगी। दूसरी बैठक शाम चार बजे से प्रारंभ होगी। इसमें राम जन्मभूमि परिसर की व्यवस्था, सीईओ के नियुक्ति प्रक्रिया व अन्य कार्यों पर मंथन किया जाएगा। वहीं, ट्रस्ट के सदस्य महंत दिनेंद्र दास के अनुसार रिक्त पड़े तीन पदों पर नए सदस्यों के नाम तय हो चुके हैं।

सूत्रों के मुताबिक मुख्य बैठक से पहले तीन बजे होने वाली बैठक में ट्रस्ट अध्यक्ष महंत नृत्यगोपाल दास व अंतरिम महासचिव कृष्ण मोहन समेत अन्य सदस्य ही मौजूद रहेंगे। इसमें सबसे पहले ट्रस्ट में रिक्त पड़े तीन सदस्य के पदों पर नए सदस्यों के नाम की चर्चा कर उसे अंतिम रूप दिया जाएगा। साथ ही मंदिर में नियुक्त होने वाले मुख्य कार्यपालक अधिकारी के पद पर योग्य आवेदनकर्ता का चयन भी किया जा सकता है। हालांकि माना जा रहा है कि इसके लिए ट्रस्ट द्वारा गठित चयन समिति अभी इसके लिए तैयार नहीं है। आवेदक ज्यादा होने पर अंतिम तीन नामों को चयनित करने में दिक्कतें आ रही है।

वहीं, चार बजे आयोजित होने वाली मुख्य बैठक में अयोध्या के कुछ प्रमुख साधु-संतों को भी विशेष आमंत्रित सदस्यों के रूप में आमंत्रित किया जा सकता है। इन सबके समक्ष पहली बैठक में तय किए गए एजेंडे को रखा जा सकता है। उसके बाद ही अंतिम निर्णय लिया जा सकता है। इस बैठक में ट्रस्ट द्वारा विभिन्न समितियों के पुनर्गठन पर भी विचार किया जाएगा। इसके अलावा एसआईटी की अंतिम रिपोर्ट मिलती है तो उस पर मंथन किया जाएगा। साथ ही अध्यक्ष की अनुमति से कुछ अन्य विषयों पर भी चर्चा की जा सकती है। सूत्र बताते हैं कि इस बैठक में अध्यक्ष नृत्य गोपाल दास के अधिकारों में बढ़ोतरी करने का भी प्रस्ताव पास किया जा सकता है।

पेपर लीक राष्ट्रीय महामारी बन चुका है, शिक्षा व्यवस्था भाजपा सरकार की भ्रष्ट नीतियों की भेंट चढ़ी - कांग्रेस

अहमदाबाद। प्रदेश कांग्रेस समिति के अध्यक्ष अमित चावड़ा ने भाजपा सरकार की शिक्षा व्यवस्था, कथित भ्रष्ट नीतियों और परीक्षा प्रणाली की विफलता पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि देश में पेपर लीक अब एक राष्ट्रीय महामारी का रूप ले चुका है। उन्होंने आरोप लगाया कि बार-बार हो रही परीक्षा लीक की घटनाओं ने करोड़ों युवाओं के भविष्य को संकट में डाल दिया है और सरकार इस पर अंकुश लगाने में पूरी तरह विफल रही है।

अमित चावड़ा ने कहा कि नीट (एनईईटी), जेईई (जेईई), एसएसबी (एसएसबी) और यूपीएससी (यूपीएससी) जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में एक विद्यार्थी का औसतन करीब 9 लाख रुपये तक खर्च हो जाता है। देशभर में लगभग 9 करोड़ युवा विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं। इससे विद्यार्थियों और उनके परिवारों पर भारी आर्थिक बोझ पड़ता है। वर्षों की मेहनत के बावजूद लाखों अभ्यर्थी आयु सीमा पार कर जाते हैं और नौकरी पाने के अवसर से वंचित रह जाते हैं।

उन्होंने आरोप लगाया कि पूरी परीक्षा व्यवस्था पर कोचिंग सेंटर, परीक्षा केंद्र, पेपर लीक कराने वाले गिरोह, प्रश्नपत्र तैयार करने वाले, अनुवादक, प्रिंटिंग एजेंसियां, ट्रांसपोर्टर और अंततः सरकारी मंत्रालयों तक फैला एक भ्रष्ट नेटवर्क हावी हो चुका है, जिसके कारण योग्य और मेहनती युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ हो रहा है।

चावड़ा ने कहा कि गुजरात में भी अब तक 24 से अधिक प्रतियोगी परीक्षाओं के प्रश्नपत्र लीक हो चुके हैं। इनमें जूनियर क्लर्क, ऊर्जा विभाग की भर्ती, तलाटी, टीईटी-टीएटी, बिन सचिवालय क्लर्क, नायब चिटनीस क्लर्क और वन रक्षक (फॉरेस्ट गार्ड) जैसी महत्वपूर्ण भर्तियां शामिल हैं।

उन्होंने बताया कि कोटा से शुरू किए गए राष्ट्रव्यापी अभियान के बाद लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने देहरादून में आयोजित छात्रों की गूंज मेगा रैली को संबोधित करते हुए भी पेपर लीक को देश की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक बताया। राहुल गांधी ने कहा कि देश में 150 से अधिक पेपर लीक की घटनाओं ने 7.5 करोड़ से ज्यादा विद्यार्थियों और उनके परिवारों को सीधे प्रभावित किया है, लेकिन आज तक किसी बड़े दोषी को सजा नहीं मिली।

कांग्रेस के अनुसार, लाखों अभ्यर्थी सरकारी नौकरी पाने के लिए औसतन पांच वर्षों तक प्रतिदिन लगभग 10 घंटे पढ़ाई करते हैं। इस दौरान विद्यार्थियों और उनके परिवारों को आर्थिक, मानसिक और सामाजिक स्तर पर भारी त्याग करना पड़ता है। इसके बावजूद हर वर्ष करीब 9 करोड़ उम्मीदवार केवल 6 लाख सरकारी नौकरियों के लिए प्रतिस्पर्धा करते हैं।

अमित चावड़ा ने आरोप लगाया कि जब छात्र कठिन परिश्रम कर रहे होते हैं, तब एक भ्रष्ट तंत्र सिस्टम का मेन्यू कार्ड चलाता है, जिसमें परीक्षाओं के प्रश्नपत्र सबसे ऊंची बोली लगाने वालों को लाखों रुपये में बेचे जाते हैं। इससे पूरी भर्ती प्रक्रिया की विश्वसनीयता पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के अधिकारों और उनके भविष्य की रक्षा के लिए कांग्रेस पार्टी देशभर में छात्रों की गूंज अभियान के माध्यम से युवाओं की आवाज बुलंद कर रही है। गुजरात में एनएसयूआई (एनएसयूआई) और युवा कांग्रेस भी इसी अभियान के तहत छात्रों के हितों के लिए संघर्ष कर रही है।

ई20 पेट्रोल पर विवाद के बीच पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय तैयार कर रहा पॉलिसी

नई दिल्ली। पेट्रोल में ई20 मिलावट के बाद, अब खाना पकाने के ईंधन के तौर पर एथेनॉल जल्द ही जगह बना सकता है और रसोई गैस की छुट्टी हो सकती है. एथेनॉल को लेकर चल रहे विवाद के बीच पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय एक ऐसी पॉलिसी तैयार कर रहा है, जिसका उद्देश्य एथेनॉल को घरेलू खाना पकाने के फ्यूल के तौर पर मुख्यधारा में लाना है. वहीं सरकार से उम्मीद की जा रही है कि वह इसकी जांच करेगी और सब्सिडी व्यवस्था भी लागू कर सकती है. एक रिपोर्ट के अनुसार, इस समय ईंधन आपूर्तिकर्ताओं का प्रतिनिधित्व करने वाले उद्योग संघ प्रस्तावित नीति पर सरकार के साथ समानांतर चर्चा कर रहे हैं.

रसोई में एथेनॉल की पॉलिसी सितंबर तक तैयार हो सकती है. रिपोर्ट में कहा गया है कि एलपीजी पर अपनी निर्भरता कम करने के लिए खाना पकाने के ईंधन के तौर पर एथेनॉल को उपयोग में लाया जाएगा और आयात बिल को कम किया जाएगा. एक अधिकारी ने कहा कि वैकल्पिक स्वच्छ खाना पकाने की नीति पर काम चल रहा है, जो घरेलू खाना पकाने के ईंधन के रूप में एलपीजी के साथ-साथ एथेनॉल को अपनाने में मदद करेगी. अप्रैल में एक रिपोर्ट में सुझाव दिया गया था कि सरकार के निर्देश के बाद, घरेलू खाना पकाने के लिए एक स्वच्छ विकल्प के रूप में एथेनॉल से चलने वाले खाना पकाने के चूल्हों का परीक्षण किया जा रहा है.

सब्सिडी योजना भी शुरू कर सकती है सरकार

रिपोर्ट में आगे यह भी कहा गया है कि एथेनॉल बेस्ड खाना पकाने को बढ़ावा देने के लिए सरकार किसी भी तरह की सब्सिडी योजना भी शुरू कर सकती है. भारत द्वारा घरेलू खाना पकाने के ईंधन के रूप में एथेनॉल को बढ़ावा देने का कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब घरेलू एथेनॉल की उपलब्धता में तेजी से वृद्धि हुई है. मई में जारी केयरएज रेटिंग्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, देश की वार्षिक एथेनॉल उत्पादन क्षमता पहले ही 20 अरब लीटर से अधिक हो चुकी है, और चालू वित्त वर्ष के दौरान इसमें अतिरिक्त 4 अरब लीटर की बढ़ोतरी होने की उम्मीद है. इस क्षमता में से, सरकार के ई20 एथेनॉल मिलावट के तहत हर साल लगभग 11 अरब लीटर की खपत होती है, जबकि शराब निर्माता, दवा कंपनियां और रसायन उत्पादक मिलकर 3-3.5 अरब लीटर का उपयोग करते हैं. इससे लगभग 7 अरब लीटर उत्पादन क्षमता अप्रयुक्त रह जाती है. इसके साथ, भारत नेपाल, बांग्लादेश और इंडोनेशिया जैसे पड़ोसी बाजारों में एथेनॉल निर्यात की संभावनाओं का भी पता लगा सकता है, जहां एथेनॉल मिश्रण का लक्ष्य 10त्न है, लेकिन घरेलू कच्चे माल की उपलब्धता अपर्याप्त बनी हुई है.

तेल कंपनियां भी इस चर्चा में शामिल

ऐसा माना जा रहा है कि तेल विपणन कंपनियां भी इस पहल से संबंधित चर्चाओं में शामिल हैं. उन्होंने एथेनॉल से चलने वाले चूल्हों से संबंधित रिसर्च और विकास कार्य किया है और मौजूदा एथेनॉल बेस खाना पकाने की तकनीकों से जुड़े संभावित अधिग्रहण या साझेदारी की संभावनाओं का पता लगा रही हैं.

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

डबल मनी का मास्टरमाइंड पुलिस के शिकंजे में, हरिद्वार से सोमेंद्र कंकरायने सहित 8 आरोपी गिरफ्तार

एसपी आदित्य मिश्रा ने निभाया वादा, महीनों की तलाश के बाद धार्मिक स्थल से दबोचा गया मुख्य आरोपी को, डबल नहीं होता था पैसा, नए लोगों से रकम लेकर पुराने निवेशकों को किया जाता था भुगतान

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

जिले के सबसे बहुचर्चित डबल मनी मामले में आखिरकार पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। वर्षों से फरार चल रहे इस बहुचर्चित आर्थिक अपराध के मुख्य आरोपी सोमेंद्र कंकरायने को पुलिस ने उत्तराखंड के हरिद्वार से उसके सात अन्य साथियों सहित गिरफ्तार कर लिया है। सोमवार 20 जुलाई को पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा ने पुलिस कंट्रोल रूम में आयोजित प्रेस वार्ता में पूरे घटनाक्रम का खुलासा करते हुए सभी आरोपियों को मीडिया के सामने पेश किया। गौरतलब है कि कुछ दिन पहले ही एसपी आदित्य मिश्रा ने प्रेस वार्ता में कहा था कि वह किसी भी कीमत पर सोमेंद्र कंकरायने को गिरफ्तार कर मीडिया के सामने पेश करेंगे। सोमवार को उन्होंने अपना यह वादा पूरा करते हुए बताया कि कई महीनों तक चली तकनीकी और गोपनीय जांच के बाद पुलिस ने धार्मिक स्थल हरिद्वार से मुख्य आरोपी सहित आठ लोगों को गिरफ्तार किया है।

भोपाल से मिली लीड, हरिद्वार तक पहुंची पुलिस

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि जमानत मिलने के बाद सोमेंद्र लगातार अपने ठिकाने बदलता रहा। वह हरिद्वार सहित कई धार्मिक स्थलों पर रह रहा था और मोबाइल फोन का इस्तेमाल लगभग पूरी तरह बंद कर चुका था। वह केवल टेलीग्राम ऐप के माध्यम से अपने करीबी लोगों से संपर्क करता था और बालाघाट की गतिविधियों की जानकारी लेता रहता था। उन्होंने बताया कि कई महीनों तक पुलिस को कोई ठोस सुराग नहीं मिला, लेकिन कुछ समय पहले भोपाल में एक रिश्तेदारी की जमीन के पावर ऑफ अटॉर्नी और रजिस्ट्री से जुड़े लेन-देन की जानकारी मिली। पुलिस ने सिविल ड्रेस में निगरानी शुरू की और इसी दौरान मिले तकनीकी इनपुट के आधार पर टीम हरिद्वार पहुंची। करीब 25 से 30 दिनों तक पुलिसकर्मी सिविल ड्रेस में हरिद्वार में डेरा डाले रहे, जिसके बाद सोमेंद्र और उसके साथियों को गिरफ्तार करने में सफलता मिली।

पैसा कभी डबल नहीं होता था

प्रेस वार्ता में एसपी आदित्य मिश्रा ने डबल मनी नेटवर्क के काम करने के तरीके का भी खुलासा किया। उन्होंने बताया कि जांच में यह सामने आया है कि आरोपी किसी भी योजना या निवेश के जरिए पैसा डबल नहीं करते थे। उन्होंने बताया कि नए लोगों से बड़ी मात्रा में रकम जमा कराई जाती थी और उसी रकम में से कुछ पुराने निवेशकों को उनका पैसा दोगुना लौटाया जाता था। इससे लोगों में भरोसा पैदा होता था और अधिक से अधिक लोग निवेश करने लगते थे। धीरे-धीरे जब निवेशकों की संख्या बढ़ गई और भुगतान का संतुलन बिगड़ गया तो मामला बिगड़ने लगा और बहुत लोग भी डबल करने लगे। एसपी ने बताया कि आम लोगों से जमा की गई रकम का बड़ा हिस्सा जमीन खरीदने और निजी संपत्ति खड़ी करने में लगाया गया। प्रारंभिक जांच में यह भी सामने आया है कि इस मामले में कई शिक्षाकर्मी, पुलिसकर्मी तथा अन्य शासकीय कर्मचारी भी निवेशक बने और ठगी का शिकार हुए हैं।

वर्ष 2022 में दर्ज हुआ था मामला, 500 से 600 करोड़ के लेन-देन की जांच

पुलिस के अनुसार यह मामला वर्ष 2022 में सामने आया था। शिकायतों के आधार पर पुलिस ने विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज कर कई आरोपियों को गिरफ्तार किया था, लेकिन मुख्य आरोपी सोमेंद्र कंकरायने लगातार फरार चल रहा था। पुलिस का अनुमान है कि पूरे नेटवर्क में करीब 500 से 600 करोड़ रुपये के लेन-देन की जांच की जा रही है। एसपी ने बताया कि मुख्य आरोपी की गिरफ्तारी के बाद अब मामले की विवेचना और तेज होगी। पुलिस न्यायालय से रिमांड लेकर उससे पूछताछ करेगी, ताकि इस पूरे नेटवर्क में शामिल अन्य लोगों और निवेश की गई संपत्तियों का पता लगाया जा सके।

मीडिया के सामने बोला सोमेंद्र - जनता के साथ गलत किया

प्रेस वार्ता के दौरान मीडिया के सामने पेश किए गए सोमेंद्र कंकरायने ने स्वीकार किया कि उसने जनता के साथ गलत किया है। उसने कहा कि वह हरिद्वार सहित कई धार्मिक स्थलों पर छिपकर रह रहा था। हालांकि उसने यह भी दावा किया कि पूरे मामले का जिम्मेदार केवल वह अकेला नहीं है। उसके अनुसार कई अन्य लोग भी इस नेटवर्क में शामिल थे, लेकिन पूरा आरोप उसी पर डाल दिया गया। उसने कहा कि पुलिस यदि निष्पक्ष और गहराई से जांच करेगी तो पूरे नेटवर्क का खुलासा होगा। सोमेंद्र ने बताया कि उसने लांजी के सरस्वती स्कूल से 12वीं तक पढ़ाई की और बाद में बी.कॉम. में प्रवेश लिया, लेकिन पढ़ाई पूरी नहीं कर सका। उसने स्वीकार किया कि लोगों से ली गई राशि से जमीनें खरीदी गईं और उसकी कई लग्जरी गाड़ियां भी विभिन्न स्थानों पर गिरवी रखी गई हैं। उसने यह भी कहा कि कई लोगों ने उसके नाम का उपयोग कर अलग-अलग स्थानों पर लोगों से पैसा लिया है, जिसकी भी जांच होनी चाहिए।

हरिद्वार से गिरफ्तार हुए ये आरोपी

पुलिस ने उत्तराखंड के हरिद्वार में कार्रवाई करते हुए डबल मनी मामले के मुख्य आरोपी सोमेंद्र कंकरायने सहित कुल आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में तामेश मंसूरे, राकेश मंसूरे, प्रताप कंकरायने, प्रद्युम्न कंकरायने, योगेंद्र कंकरायने, दिनेश कंकरायने और रूपचंद घरड़े शामिल हैं। सभी आरोपियों को बालाघाट लाकर न्यायालय में पेश किया गया। पुलिस अब मुख्य आरोपी सोमेंद्र कंकरायने का रिमांड लेकर पूरे डबल मनी नेटवर्क, करोड़ों रुपये के आर्थिक लेन-देन, निवेशकों की राशि, अर्जित संपत्तियों तथा इस गिरोह से जुड़े अन्य लोगों के संबंध में गहन पूछताछ करने की तैयारी में जुटी है। पुलिस का मानना है कि रिमांड के दौरान इस बहुचर्चित मामले से जुड़े कई और महत्वपूर्ण खुलासे हो सकते हैं।

पेपर लीक बंद करो, शिक्षा मंत्री इस्तीफा दो

पेपर लीक मामले को लेकर आप ने किया विरोध प्रदर्शन, शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग, हनुमान चौक से कालीपुतली चौक तक निकाली रैली, सोनम वांगचुक के समर्थन और पेपर लीक मामले को लेकर सरकार पर साधा निशाना

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। देशभर में पेपर लीक मामलों और शिक्षाविद् सोनम वांगचुक के समर्थन में प्रदर्शन किए जा रहे है।इसी कड़ी में आम आदमी पार्टी ने बीती रात नगर में विरोध प्रदर्शन किया। भारी बारिश के बावजूद पार्टी कार्यकर्ताओं ने हनुमान चौक स्थित महात्मा गांधी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर कालीपुतली चौक तक पैदल मार्च निकाला।जहा प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग की। तेज बारिश के बीच शाम करीब 6 बजे विरोध मार्च प्रारंभ हुआ। हनुमान चौक से शुरू होकर करीब एक किलोमीटर लंबा यह मार्च कालीपुतली चौक पहुंचा, जहां जनसभा आयोजित की गई।सभा को संबोधित करते हुए पार्टी नेताओं ने कहा कि नीट सहित विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपर लीक से लाखों युवाओं का भविष्य प्रभावित हुआ है। उन्होंने दिल्ली के जंतर-मंतर पर अनशन कर रहे शिक्षाविद् सोनम वांगचुक के साथ कथित पुलिस कार्रवाई की भी आलोचना की और इसे लोकतांत्रिक अधिकारों का दमन बताया। वक्ताओं ने केंद्र सरकार से शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग करते हुए परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता सुनिश्चित करने की अपील की।इस अवसर पर स्टेट कोऑर्डिनेटर रजनीश नायडू, जिला अध्यक्ष शिव जायसवाल, जिला सचिव अनिल ब्रह्मे, प्रदेश संयुक्त सचिव मनोज पमनानी, जिला उपाध्यक्ष सुरेश सिंह कारे, विनोद पारधी, रोशनी संदीप तुरकर, जिला संयुक्त सचिव प्रदीप नागेश्वर, व्यापारी विंग जिला अध्यक्ष रामचंद्र सिहोरे, शिक्षा विंग जिला अध्यक्ष ओमप्रकाश जायसवाल, पिछड़ा वर्ग मोर्चा जिला अध्यक्ष दुर्गा कटरे, सोशल मीडिया विंग जिला अध्यक्ष महेंद्र गणवीर, मजदूर विंग जिला अध्यक्ष दिनेश बघेले सहित रवि सैमुअल, राजू कांकरिया, कमलेश भुजाड़े, सम्यक गरदे, गगन सिंह कारे, मुकेश डहारे, राजेश तिलासी, विपत बाहेश्वर, संतोष गजभिए, देवराज, रेखलाल भलावी, नन्हू मेश्राम, शिवराम तथा अन्य कार्यकर्ता एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

आवश्यकता है
क्वार्क में पेज सेटिंग हेतु
कम्प्युटर ऑपरेटर की आवश्यकता है
संपर्क करें-बालाघाट एक्सप्रेस
पद्मेश सिटी केबल, काली पुतली चौक, बालाघाट

खुर्शीपार में बोलेरो चालक युवक ने जंगल में लगाई फांसी

माता-पिता का इकलौता बेटा था शैलेश

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बिरसा थाना क्षेत्र के ग्राम खुर्शीपार में रविवार को एक दुखद घटना सामने आई। यहां के 21 वर्षीय युवक शैलेश कुमार पिता नंदलाल सैय्याम ने जंगल में पेड़ से फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। 19 जुलाई को दोपहर में यह घटना उस समय हुई जब यह युवक अपनी बोलेरो कार लेकर घर से निकला था। इस युवक ने किस वजह से फांसी लगाई स्पष्ट नहीं हो पाया है बिरसा पुलिस मर्ग कायम कर जांच कर रही है।

परिवार में इकलौता बेटा था शैलेश

प्राप्त जानकारी के अनुसार शैलेश सैय्याम अपने माता-पिता का इकलौता बेटा था। उसकी 4 बहनें हैं। जिनमें से 2 बहन की शादी हो चुकी है। शैलेश की मां का निधन पहले ही हो चुका है। घर की जिम्मेदारी संभालने के लिए शैलेश अपनी खुद की बोलेरो चलाकर परिवार का भरण पोषण करता था। पिता नंदलाल खेती किसानी करते हैं।

बोलोरो लेकर घर से निकाला और लगा ली फांसी

बताया गया है कि 19 जुलाई को दोपहर 3 बजे करीब शैलेश अपने घर से अपनी बोलेरो कार लेकर निकला था। करीब 3ः30 बजे ग्रामीणों ने जंगल के रास्ते किनारे उसकी बोलेरो खड़ी देखी। लेकिन शैलेश वहां नहीं था। परिजनों को जब इसकी खबर मिली तो वे तुरंत मौके पर पहुंचे। उन्होंने शैलेश को फोन लगाया लेकिन उसने फोन नहीं उठाया। इसके बाद परिजनों को अनहोनी की आशंका हुई और उन्होंने आसपास के जंगल में तलाश शुरू की। इसी दौरान पेड़ से लटका हुआ शैलेश दिखाई दिया। शैलेश ने पेड़ में गमछा बांध कर फांसी लगा ली थी। आनन-फानन में उसे नीचे उतारे शरीर गर्म होने पर परिजन उसे बिरसा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए।जहां ड्यूटी डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। संभवत शैलेश की मौके पर ही मौत हो चुकी थी। रात में शैलेश का शव को बिरसा अस्पताल में सुरक्षित रखा गया था।

आत्महत्या की वजह स्पष्ट नहीं

20 जुलाई को सुबह बिरसा पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई के बाद शव का पोस्टमार्टम कराया और अंतिम संस्कार के लिए परिजनों को सौंप दिया है। बिरसा थाना पुलिस ने मामले में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 194 के तहत मर्ग कायम किया है। अभी आत्महत्या की वजह स्पष्ट नहीं हो सकी है। पुलिस हर पहलू से जांच कर रही है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :9425138710, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायलयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट